हिन्दी साप्ताहिक

R.N.I.No.-UPHIN/2012/47484

# जन नायक सम्राट

सच के साथ : सच्ची बात

www.jnsnews24.com

jnsnews24aligarh@gmail.com

वर्ष : 11 अंक : 33 | अलीगढ़, बुधवार, 4 अक्टूबर 2023 | पृष्ठ : 8, मूल्य : 2 रुपये

## सीएम योगी आदित्यनाथ पहुँचे नैमिषारण्य, लगाई झाड़ू

### तीर्थ स्थल के लिए रुपए की कमी नहीं : योगी

लखनऊ(संवाददाता)। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज रविवार को 88 हजार ऋषियों की तपोभूमि नैमिषारण्य पहुंचे। उन्होंने चक्रतीर्थ पहुंचकर दर्शन पूजन किया और संतों व पुरोहितों के साथ वार्ता की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तीर्थस्थल पर झाड़ू लगाकर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि नैमिषारण्य ध्के विकास के लिए रुपए की कमी नहीं है। हम यहां इतना रुपए देना चाहते हैं कि नैमिषारण्य की वैदिक और पौराणिक काल से जो पहचान है, वह फिर से स्थापित हो सके। उन्होंने कहा कि राजधानी लखनऊ के नजदीक होने के बाद भी पहले नैमिषारण्य की स्थिति दीपक तले अंधेरा जैसे थी। हम लोगों ने यहां कई कार्य कराए। लखनऊ से नैमिषारण्य के कारण इलेक्ट्रिक बस सेवा प्रारंभ होने जा रही है। लखनऊ से यहां के लिए हेलिकॉप्टर सेवा भी शुरू कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम नैमिषारण्य का विकास कर रहे हैं। सड़कों चौड़ीकरण कराया जा रहा है। जनसुविधाओं को तेजी से बढ़ाने का काम जारी है। जन सुविधाये बढ़ने से आसपास के लोग तो यहां के बारे में और जानेंगे, पूरे देश से लोग नैमिषारण्य पहुंचेंगे। पूरे देश से लोग नैमिषारण्य आना चाहते हैं। अयोध्या में भगवान राम के भव्य मंदिर निर्माण के बाद यह संभावनाएं और तेजी से आगे बढ़ सकेंगी। नैमिषारण्य के लिए यह अहम अवसर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसके लिए हमें मिलकर स्वच्छता संबंधी बेहतर माहौल बनाना होगा। सबको मिलकर इसकी शुरुआत करनी होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज पहली आवश्यकता स्वच्छता है। स्वच्छ प्रदेश होगा तो लोग आकर देखेंगे, उनको अच्छा अनुभव होगा। प्रदेश के आध्यात्मिक स्थलों, तीर्थ स्थानों को स्वच्छ बनाना हमारी पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। नदी के तट से लेकर सार्वजनिक स्थल, सरकारी कार्यालय, भीड़ भाड़ वाले स्थान आघदि सभी जगह स्वच्छता के प्रति सभी लोगों को जागरूक होना पड़ेगाममुख्यमंत्री ने कहा कि प्लास्टिक को पूरी तरह मुक्त करना होगा, इससे हमें दूरी बनानी होगी। इसके बहुत विकल्प हैं, उसे हमें स्वीकार करना होगा। लोकसभा चुनाव की तैयारियों और विपक्षी दलों की सक्रियता के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का नैमिषारण्य दौरा अहम माना जा रहा है।इसके जरिए कई समीकरण साधने का प्रयास किया गया है। प्रदेश सरकार ने तीर्थ क्षेत्रों के विकास के एजेंडे को धार देने की कोशिश की है, वहीं गांधी जयंती के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छता अभियान पर भी फोकस किया है। इसके साथ ही सीएम योगी की नजर लोकसभा चुनाव 2024 पर भी है। सीएम योगी का दौरा इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि सपा जून माह में यहां प्रशिक्षण शिविर लगा चुकी है और कांग्रेस तीन अक्टूबर को सीतापुर में जोनल अधिवेशन करने जा रही है। ऐसे में मुख्यमंत्री के इस कार्यक्रम को विपक्षी दलों को जवाब देने से भी जोड़कर देखा जा रहा है।

## पुरानी पेंशन बहाली को लेकर सरकारी कर्मचारियों का आंदोलन, रामलीला मैदान में जुटी भीड़

नयी दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली के रामलीला मैदान में रविवार को पुरानी पेंशन स्कीम (ओपीएस) की मांग को लेकर लगभग 20 अधिक राज्यों के सरकारी कर्मचारी लाखों की संख्या में इकट्ठा हुए हैं। इस समय देश के पांच राज्यों में पुरानी पेंशन स्कीम लागू है। जिसमें कांग्रेस शासित राजस्थान, छत्तीसगढ़ और हिमाचल शामिल हैं। इसके अलावा महागठबंधन शासित प्रदेश झारखंड और आम आदमी पार्टी के शासन वाला पंजाब भी शामिल है। कांग्रेस पार्टी भी इसे वापस लाने की मांग कर रही है। इसी कड़ी में कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने कर्मचारियों के इस आंदोलन का अपना समर्थन दिया है। सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि, वह कर्मचारियों के इस आंदोलन का पूरा समर्थन करते हैं। उन्होंने कहा कि, ओपीएस कर्मचारियों का हक है, कर्मचारियों की मांगें जायज है, और सरकार को इसे लागू करना चाहिए। हुड्डा ने सोशल मीडिया एक्स पर रामलीला मैदान में प्रदर्शन कर रहे लाखों कर्मचारियों की वीडियो पोस्ट कर लिखा, 'आज दिल्ली के रामलीला मैदान में ओल्ड पेंशन स्कीम बहाली के लिए कर्मचारियों और श्रमिक संगठनों द्वारा किए जा रहे आंदोलन को मेरा पूर्ण समर्थन है। वे कर्मचारियों का हक है, कर्मचारियों की मांगें जायज हैं। सरकार इन्हें माने और वे लागू करे। हरियाणा में कांग्रेस सरकार बनने पर हम कर्मचारियों की मांगों को पूरा कर तुरंत वे लागू करेंगे। कांग्रेस के अलावा आम आदमी पार्टी ने भी पुरानी पेंशन बहाली

के कर्मचारियों के आंदोलन को अपना समर्थन दिया है। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह रामलीला मैदान पहुंचे। आम आदमी पार्टी ने कहा, "देशभर में पुरानी पेंशन स्कीम लागू होनी चाहिए। इसके अलावा किसानों का भी इस आंदोलन को समर्थन मिल रहा है। किसान नेता राकेश टिकैत आंदोलन के मंच पर नजर आए। बता दें, दिल्ली का रामलीला मैदान इस वक्त खचाखच भरा पड़ा है। नेशनल मूवमेंट फॉर ओल्ड पेंशन स्कीम से जुड़े संगठन इस रैली में शामिल हुए हैं। वहीं दिल्ली पुलिस ने मैदान में टेंट लगाने की अनुमति नहीं दी है बावजूद इसके कर्मचारियों की भारी संख्या रैली में हिस्सा लेने पहुंची है। 2024 के लोकसभा चुनाव में जातिगत जनगणना और पुरानी पेंशन योजना की मांग प्रमुख मुद्दा बन चुका है। लाखों की संख्या में मौजूद किसान, कर्मचारी मोदी सरकार के ओल्ड पेंशन स्कीम के बहाली की मांग कर रही हैं।

## विश्वासघात का बदला लेने के लिए तैयार कमल नाथ का मुकाबला मोदी से

भोपाल(एजेंसी)। मध्य प्रदेश की राजनीति में 40 साल से अधिक के राजनीतिक अनुभव के साथ, 76 वर्षीय कांग्रेस नेता कमल नाथ इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनावों में पांच साल में दूसरी बार राज्य की सत्तारूढ़ भाजपा के खिलाफ तीखी राजनीतिक लड़ाई में पार्टी का नेतृत्व कर रहे हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में 2018 में भाजपा की 109 सीटों के मुकाबले कांग्रेस ने 114 सीटें जीती थीं। लेकिन इस बार स्थिति अलग है क्योंकि भगवा पार्टी ने सत्ता विरोधी लहर का मुकाबला करने के लिए एक रणनीति के तहत मौजूदा मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को दरकिनार कर दिया है और अब कमल नाथ के नेतृत्व वाली कांग्रेस का भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व–प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ सीधा मुकाबला होगा।

मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में पीएम मोदी को मुख्य चेहरे के रूप में पेश करने को अलग तरह से देखा जा सकता है–राज्य इकाई के भीतर बड़े पैमाने पर चल रही गुटबाजी को नियंत्रित करने और एकता लाने के प्रयास के रूप में, नेतृत्व में परिवर्तन लाने के लिए या मोदी और लंबे समय से मुख्यमंत्री के रूप में काम कर रहे चौहान के बीच एक कड़वी और छिपी हुई राजनीतिक लड़ाई के रूप में। लेकिन राजनीतिक विश्लेषक इसे कुछ हद तक कांग्रेस को ष्असहजष करने की रणनीति का हिस्सा भी मान रहे हैं।शासन में कई घोटालों और भ्रष्टाचार तथा महिलाओं और कमजोर वर्ग के लोगों के खिलाफ बढ़ते अपराध के कारण, मुख्यमंत्री चौहान को निस्संदेह नुकसान उठाना पड़ रहा है। इसलिए, भाजपा के चुनाव रणनीतिकारों

ने अंतिम समय में यह मास्टर स्ट्रोक खेलने की कोशिश की। हालाँकि, कमल नाथ ने अपने अनुभवी सहयोगी और राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह के साथ, लोगों की भावनाओं को जीतने के लिए सीएम चौहान के 18 साल के शासन को मुख्य रूप से निशाना बनाते हुये चुनाव लड़ने का फैसला किया है। दिल्ली में रहने वाले एक वरिष्ठ पत्रकार ने कहा, भले ही भाजपा ने एमपी के विधानसभा चुनावों के लिए पीएम मोदी का चेहरा पेश किया है, लेकिन कमल नाथ के नेतृत्व वाली कांग्रेस उनके साथ सीधे मुकाबले से परहेज करेगी। इसकी बजाय वह आखिरी क्षण तक सीएम चौहान पर निशाना साधती रहेगी, क्योंकि भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व स्थानीय मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए हरसंभव प्रयास करेगा।

महत्वपूर्ण बात यह है कि सांप्रदायिक कार्ड के साथ ध्रुवीकरण की भाजपा की मुख्य रणनीति का मुकाबला करने के लिए, अनुभवी राजनेता कमल नाथ ने खुद को श्भगवान हनुमानश के भक्त के रूप में पेश किया है और नरम हिंदुत्व अपनाया है। यहां तक कि कांग्रेस के एक वर्ग ने इस दृष्टिकोण पर सवाल उठाए, लेकिन कमल नाथ अपने फैसले पर कायम रहे।

गांधी परिवार के बेहद करीबी कमल नाथ 2018 में विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले सक्रिय रूप से मध्य प्रदेश की राजनीति में शामिल हो गए थे और उन्हें राज्य की कांग्रेस इकाई के भीतर चुनौतियों का सामना करना पड़ा था, जो लगातार तीन विधानसभा चुनावों – 2003, 2008 और 2013 – में हार के कारण बिखर गई थी। मध्य प्रदेश की राजनीति के लिए गुटबाजी कोई नई बात नहीं है। पार्टी के कैडर का आत्मविश्वास बढ़ाना एक और चुनौती थी। हालाँकि, पाँच वर्षों की अवधि में, उन्होंने संरचनात्मक परिवर्तन किए और 2018 में चुनाव भी जीते। हालाँकि, गुटबाजी दूर नहीं हुई और ज्योतिरादित्य सिंधिया के नेतृत्व वाला एक गुट भाजपा में चला गया और कमल नाथ की सरकार गिर गई।लेकिन, पिछले साल हुए नगर निगम चुनावों ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को फिर से उत्साहित कर दिया। दो दशक के बाद ग्वालियर, मुरैना और रीवा सहित 16 मेयर सीटों में से पांच पर पार्टी ने जीत हासिल की। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि कमल नाथ को 10 साल तक मुख्यमंत्री रह चुके और जमीन पर मजबूत आधार रखने वाले दिग्विजय सिंह से पूरा सहयोग मिला है।

## छत्रपति शिवाजी महाराज की असली 'वाघ नख है शिवसेना, संजय राउत का दावा

मुंबई(एजेंसी) । शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता संजय राउत ने रविवार को दावा किया कि शिवसेना ही छत्रपति शिवाजी महाराज का असली हथियार 'वाघ नखश (बाघ के पंजे के आकार का हथियार) है और आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शिवसेना को

'विभाजित कर कमजोर करने की कोशिश की है। महाराष्ट्र के संस्कृति मंत्री सुधीर मुनगंटीवार और उनके विभाग के अधिकारी 'वाघ नख को लाने के लिए तीन अक्टूबर को ब्रिटेन जाने वाले हैं। 'वाघ नख का इस्तेमाल छत्रपति शिवाजी महाराज ने 1659 में बीजापुर सल्तनत के सेनापति अफजल खान को मारने के लिए किया था। पिछले साल जून में शिवसेना नेतृत्व के खिलाफ एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में बगावत के बाद पार्टी विभाजित हो गई और इसके कारण उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महा विकास आघाड़ी सरकार (एमवीए) भी गिर गई। इसके बाद शिंदे ने राज्य में सरकार बनाने के लिए भाजपा से हाथ मिला लिया। इस साल फरवरी में निर्वाचन आयोग (ईसी) ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले समूह को शिवसेना नाम और उसका चुनाव चिह्न 'धनुष और तीर आवंटित किया। निर्वाचन आयोग के फैसले को चुनौती देने के लिए ठाकरे ने उच्चतम न्यायालय का रुख किया था। राउत ने रविवार को यहां पत्रकारों से बातचीत में भाजपा पर निशाना साधा, जिसके मंत्री मुनगंटीवार और अन्य नेता राज्य में 'वाघ नख लाने के लिए ब्रिटेन की यात्रा करने वाले हैं। राज्यसभा सदस्य ने दावा किया, ''वाघ नख महाराष्ट्र के लिए गौरव और स्वाभिमान का विषय है। शिवसेना छत्रपति शिवाजी महाराज की असली वाघ नख है, जिसने (पार्टी) राज्य के रास्ते में आने वाली सभी बाधाओं से मुकाबला किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी (शिवसेना) को कमजोर करने की कोशिश में उसे ''विभाजित करके भाजपा ने राज्य को ''दिल्ली के सामने झुका दिया है। राउत ने आरोप लगाया, ''जिस हथियार का इस्तेमाल महाराष्ट्र के स्वाभिमान और अखंडता की रक्षा के लिए किया गया था, उसे लाकर आप क्या करेंगे। आपने राज्य को दिल्ली का गुलाम बना दिया है। राउत ने यह भी मांग की कि जनता दल (सेक्युलर) पार्टी के नाम से सेक्युलर शब्द हटा दे, क्योंकि उसने भाजपा के साथ हाथ मिलाने का फैसला किया है। पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा के नेतृत्व वाली जनता दल (सेक्युलर) पिछले महीने भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में शामिल हो गई और कर्नाटक में कांग्रेस से लड़ने के लिए 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले भाजपा के साथ गठबंधन किया।

## बीमारू का टैग हटाने का श्रेय शिवराज को देने के बावजूद भाजपा उन्हें सीएम उम्मीदवार बनाने को तैयार नहीं

भोपाल (एजेंसी)।सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी जोरदार ढंग से दावा कर रही है कि मध्य प्रदेश में समावेशी विकास हुआ है और मौजूदा मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व वाली उसकी सरकार के पिछले दो दशकों के कार्यकाल में राज्य पर से बीमारू का टैग भी हट गया है। हालाँकि, अधिकांश सीटों से उम्मीदवारों के नाम घोषित कर चुकी पार्टी ने आगामी विधानसभा चुनावों के लिए चौहान को अपना मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित नहीं किया है। इसकी बजाय, भगवा पार्टी ने कहा है कि वह सामूहिक नेतृत्व में विधानसभा चुनाव लड़ेगी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अभियान के अगुआ होंगे। दरअसल, पार्टी ने प्रचार के लिए एमपी के मन मोदी का नारा गढ़ा है। दिलचस्प बात यह है कि भले ही चौहान को किनारे कर दिया गया हो, लेकिन भाजपा उनकी प्रमुख योजनाओं, खासकर चुनाव से पहले शुरू की गई लाडली बहना योजना पर सबसे अधिक भरोसा कर रही है। वास्तव में, पार्टी कार्यकर्ता और नेता यह कहने में संकोच नहीं करेंगे कि यह श्लाडली बहना योजनाश ही थी जिसने भाजपा को लड़ाई में वापस ला दिया। कुछ राजनीतिक पर्यवेक्षक इसे मध्य प्रदेश में नेतृत्व परिवर्तन की प्रक्रिया कहते हैं, जबकि कुछ अन्य का मानना है कि चौहान

को छाया में रखना सत्ता विरोधी लहर का मुकाबला करने की भाजपा की रणनीति हो सकती है। हालाँकि, राजनीतिक पर्यवेक्षक इस बात पर एकमत हैं कि चौहान को दरकिनार कर दिया गया है और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में यह उनका आखिरी कार्यकाल हो सकता है। एक वरिष्ठ राजनीतिक विश्लेषक ने कहा कि चुनाव खत्म होने के बाद चौहान के लिए स्थिति और खराब हो सकती है। उन्होंने कहा, "वर्तमान में, केंद्रीय नेतृत्व को मध्य प्रदेश में हर कदम पर उनकी जरूरत है क्योंकि कोई दूसरा नेता नहीं है जो लोगों के साथ घनिष्ठ संबंधों के संदर्भ में उनकी बराबरी कर सके। लेकिन, चुनाव खघ्त्म होने के बाद स्थिति बहुत अलग हो सकती है।

चौहान ने मुख्य रूप से दो पहलुओं में मध्य प्रदेश में अपनी स्थिति मजबूत की है–उन्होंने अपनी प्रमुख योजनाओं के माध्यम से लोगों को जीत लिया है और दूसरा – पिछले दो दशकों में जिस किसी ने भी उनकी स्थिति को चुनौती दी, उन्हें राज्य की राजनीति में किनारे कर दिया गया। कैलाश विजयवर्गीय और पूर्व राज्य भाजपा अध्यक्ष प्रभात झा इसके आदर्श उदाहरण हैं। वरिष्ठ पत्रकार एनके सिंह ने कहा, "पिछले तीन दशकों से चौहान ने मध्य प्रदेश में भाजपा के दूसरे स्तर के नेतृत्व को पैर जमाने नहीं दिया। यही मुख्य कारण है कि केंद्रीय नेतृत्व उनका विकल्घ्प खोजने में विफल रहा है। लेकिन अब स्थिति अलग है क्योंकि अब वह काफी बदल गए हैं। चौहान अब वह नहीं रहे जो वह पहले हुआ करते थे।श्

सिंह ने कहा कि शिवराज के देहाती व्यक्तित्व और अहंकार के कारण 2018 में नुकसान हुआ और वहां से भाजपा के भीतर उनके राजनीतिक विरोधियों को उन्हें घेरने का मौका मिल गया। सिंह ने कहा, चौहान पार्टी के फैसले के खिलाफ बगावत करने वालों में से नहीं हैं, लेकिन वह वापसी के लिए सही समय का इंतजार करेंगे।

## 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लिए और अधिक मजबूत सशस्त्र बलों की जरूरत, डीएडी के समारोह में बोले राजनाथ सिंह

नयी दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लिए आधुनिक उपकरणों से लैस और अधिक मजबूत सशस्त्र बलों की जरूरत है तथा उन्होंने सेना के तीनों अंगों द्वारा वित्तीय संसाधनों के प्रभावी उपयोग की आवश्यकता पर जोर दिया। सिंह ने दिल्ली छावनी में रक्षा लेखा विभाग (डीएडी) के 276वें वार्षिक दिवस समारोह में उसकी कई डिजिटल पहल की शुरुआत करने के बाद ये टिप्पणियां कीं। डीएडी को ''रक्षा वित्त का संरक्षक बताते हुए उन्होंने आंतरिक सतर्कता तंत्र मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया, ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि का तुरंत पता लगाया जा सके। उन्होंने कहा कि इससे न केवल समस्या से तुरंत निपटने में मदद मिलेगी बल्कि रक्षा लेखा विभाग पर लोगों का विश्वास भी बढ़ेगा। राजनाथ सिंह ने कहा, ''अगर हम एक विकसित राष्ट्र बनाना चाहते हैं तो हमें आधुनिक हथियार तथा उपकरणों से लैस मजबूत सशस्त्र सेनाओं की आवश्यकता होगी। अतः हमारे पास उपलब्ध वित्तीय संसाधनों का प्रभावी उपयोग करना आवश्यक है। उन्होंने कहा, ''सेवाओं की मांग और उपलब्ध संसाधनों के आवंटन में अच्छा संतुलन होना चाहिए। रक्षा मंत्री ने डीएडी को एक आंतरिक स्थायी समिति बनाने का भी सुझाव दिया जो बाजार के बारे में अध्ययन कर सके और जमीनी स्तर पर काम कर रहे

अधिकरियों को बाजार के बारे में उच्च गुणवत्ता वाली सूचना उपलब्ध करा सके। सिंह ने अपने भाषण में पारदर्शी और प्रभावी वित्तीय प्रणाली के जरिए देश की रक्षा क्षमताएं बढ़ाने में संगठन के प्रयासों के लिए उसकी प्रशंसा की। लेखाविधि को किसी संगठन, व्यक्ति और राष्ट्र के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण बताते हुए उन्होंने कहा, ''हमारी इच्छा असीमित है लेकिन उपलब्ध संसाधन सीमित हैं। रक्षा मंत्री ने जिन डिजिटल पहल की शुरुआत की, उनमें रक्षा मंत्रालय के लिए एकीकृत रक्षा वित्त डैशबोर्ड–सारांश (रक्षा मंत्रालय के लिए खातों, बजट और व्यय का सारांश) और बिस्वास (बिल सूचना और कार्य विश्लेषण प्रणाली तथा ई–रक्षा आवास) शामिल हैं। सिंह ने कई डिजिटल पहल शुरू करने के लिए डीएडी की प्रशंसा की। उन्होंने लगातार बदलते वक्त से पैदा हुई जटिलताओं से निपटने के लिए अपनी पेशेवर क्षमताओं को विकसित करने का आह्वान किया। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, राजनाथ सिंह ने इस बात पर ध्यान दिये जाने पर जोर दिया कि किसी उत्पाद को खरीदने की जरूरत है या नहीं और क्या इतने ही या इससे ज्यादा प्रभावकारिता के साथ ऐसा ही उत्पाद बाजार में कहीं और कम दाम पर उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि इस समझ से वित्तीय सलाह की गुणवत्ता भी बढ़ेगी। इसके लिए उन्होंने अनुभवी लोगों के साथ एक स्थायी समिति बनाने का भी सुझाव दिया। रक्षा मंत्री ने बाजार की शर्तों के विस्तृत अध्ययन के लिए उद्योग संघों और बिजनेस स्कूल से साझेदारी करने की भी सिफारिश की।

# सम्पादकीय

## पूंजीवादी अमेरिका में हड़ताल, जब खुद पर आई तो बाइडन के सिद्धांत हुए हवा-हवाई

अमेरिका के राष्ट्रपति इस हड़ताल का समर्थन करते हैं! अपनी आंखें मत मलिए... यह पंक्ति सही है। पिछले महीने यानी सितंबर के पहले सप्ताह में अमेरिकी ऑटो उद्योग अभूतपूर्व हड़ताल से तप रहा था। अमेरिका की यूनाइटेड आटो वर्कर्स यूनियन ने डेट्रायट की ऑटो कंपनियां बंद करा दीं। एक सप्ताह के भीतर यह हड़ताल बीस राज्यों में फैल गई। मांग वही– ज्यादा वेतन, सुरक्षित नौकरी। पूंजीवादी अमेरिका में हड़ताल सुनकर अगर आप हैरत में हैं, तो फिर कुछ और चौंक लीजिए। राष्ट्रपति जो बाइडन ने मिशीगन में हड़ताल के मोर्चे पर जाकर इसका समर्थन किया।मगर यह वही बाइडन हैं, जो बीते दिसंबर में एक और संभावित हड़ताल से मुखातिब थे और तब उनकी प्रतिक्रिया बिल्कुल दूसरी थी। हुआ यों कि दिसंबर के पहले सप्ताह में अमेरिका में रेलवे कर्मचारी हड़ताल पर जाने वाले थे। उस हड़ताल को रोकने के लिए राष्ट्रपति जो बाइडन को अमेरिकी कांग्रेस से मदद की गुहार लगानी पड़ी। कर्मचारियों का वेतन बढ़ाने के लिए रेलरोड कंपनियों और कर्मचारियों के बीच समझौते को कानूनी आधार दिया गया। आनन–फानन में एक कानून बनाकर व्हाइट हाउस को दिया गया। राष्ट्रपति बाइडन ने बगैर देर किए इस पर दस्तखत किए।रेलवे को अमेरिका में रेलरोड कहते हैं। ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी कहती है कि रेलरोड शब्द भाप के इंजन के आविष्कार से भी पुराना है। इंजन तो 1800 में आया। अमेरिका के कोयला खनन कर्मी लोहे की पटरियों पर कोयला वैगन चलाते थे। शायद वहीं से आया होगा यह शब्द। हडतालों के घोषित समर्थक डेमोक्रेट जो बाइडन अचानक रेलरोड की प्रस्तावित हड़ताल से क्यों डर गए?हे टाइम मशीन, यह माजरा क्या है? अपनी सीट पर बैठिए, 145 साल पीछे चलते हैं। दो दिसंबर, 2022 को राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि अमेरिकी कांग्रेस का धन्यवाद। उसने वक्त पर कानून बना दिया, नहीं तो महाविपत्ति आ जाती। यदि रेलरोड बंद होता, तो अमेरिका के उद्योग बंद हो जाते। रोजाना दो अरब डॉलर का नुकसान होने वाला था। अमेरिकी राष्ट्रपति के इस बयान में अमेरिका का 150 साल का औद्योगिक इतिहास बोल रहा था। 1870 का दशक।ध्अमेरिका के सिविल वार खत्म हुए कुछ ही साल बीते थे। बैंकिंग उद्योग संकट से उबरकर अपने पैरों पर खड़ा हो रहा था। रेलरोड या रेलवे दुनिया का सबसे नया–नवेला आविष्कार था। कई कंपनियां रेलरोड में निवेश कर रही थीं। उन्होंने भारी कर्ज लिए थे। यूरोप में भी रेलवे कंपनियों के बॉन्ड में भारी निवेश हुआ था। यूरोप के बैंकों ने अमेरिकी कंपनियों में निवेश किया था।1873 के आसपास यूरोप में इस निवेश का बुलबुला फूटा। रेलरोड कंपनियों के शेयरों में बिकवाली शुरू हुई। अमेरिका तक यह संकट पहुंचते देर नहीं लगी। जे कुक ऐंड कंपनी उस वक्त न्यूयॉर्क का सबसे बड़ा बैंक था। रेलरोड को भारी कर्ज दे रखा था इस बैंक ने। यह बैंक चुटकियों में दिवालिया हो गया। न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज में कोहराम मच गया। रेलरोड कंपनियां डूबने लगीं। उनके साथ 100 बैंक डूब गए। अमेरिका में मंदी शुरू हो गई।

वह 1877 की जुलाई थी, जब वेस्ट वर्जीनिया में मार्टिंसबर्ग के स्टेशन पर हंगामा हो गया। कर्मचारियों ने इंजनों को बोगियों से अलग कर यार्ड में खड़ा कर दिया। यहां रेलवे चलाने वाली कंपनी ने पगार में 10 फीसदी की कटौती कर दी थी। मंदी के बीच उत्तेजित कर्मचारियों ने हड़ताल का एलान कर दिया।मंदी और कर्ज के कारण रेलरोड कंपनियां दिवालिया हो रही थीं। रेलवे में कर्मचारियों के वेतन पहले ही कम थे, ऊपर से पगार में कटौती। आंदोलन खौल उठा। कुछ ही दिनों में हड़ताल शिकागो, पेनसिल्वेनिया, पिट्सबर्ग, फिलाडेल्फिया होते हुए पूरे अमेरिका में फैल गई।पेनसिल्वेनिया में इस हड़ताल में दूसरे उद्योगों के मजदूर भी कूद पड़े। मैरीलैंड में हालात बेकाबू हो गए। ट्रेन रोक रहे कर्मचारियों से निपटने के लिए प्रशासन ने हथियार बंद दस्ता भेजा। हिंसा भड़क उठी। करीब दस लोग मारे गए। इसके बाद हड़ताल विकराल हो गई। करीब एक लाख रेलवे कर्मचारी काम बंदकर सड़क पर आ गए। अमेरिका में लगभग आधा माल परिवहन बंद हो गया। हड़तालियों से निपटने के लिए फेडरल सरकार को बाल्टीमोर में सेना उतारनी पड़ी।

उत्तेजित श्रमिकों ने इंजन, बोगियों, इमारतों में आग लगा दी। नेशनल गार्डस और कर्मचारियों के बीच भारी हिंसा हुई। करीब सौ जानें गईं। सेना की सख्ती के कारण यह हड़ताल लंबी नहीं चली, लेकिन यहां रेलरोड कर्मचारियों के आंदोलन का एक सिलसिला शुरू हो गया। 1894 में शिकागो की पुलमैन कंपनी के 25,000 कर्मचारियों ने वेतन में 25 फीसदी कटौती के विरोध में चक्का जाम कर दिया। शिकागो से पश्चिम को जाने वाला पूरा रेल नेटवर्क बंद कर दिया गया।

कहते हैं कि इस हड़ताल को खत्म करने के लिए अमेरिका की फेडरल सरकार को लेबर डे को राष्ट्रीय अवकाश घोषित करना पड़ा। इन हड़तालों का प्रकोप कुछ इस कदर बढ़ा कि 1922 में अमेरिका की कांग्रेस को रेलवे लेबर बोर्ड बनाना पड़ा, जिसे कर्मचारियों और कंपनियों के बीच मध्यस्थता करने का काम सौंपा गया।

यही वह साल था, जब एक और बड़ी रेलरोड हड़ताल हुई। पहले विश्व युद्ध के बाद वेतन को लेकर कर्मचारी उत्तेजित थे। वे सैन्य पोशाक पहनकर सड़कों पर उतर आए। अंततरू अमेरिकी सरकार को 1926 में रेलवे लेबर कानून बनाना पड़ा।

1928 में फिर पुलमैन कंपनी के अश्वेत कर्मचारियों ने हड़ताल कर दी। यह हड़ताल अमेरिका के इतिहास का महत्वपूर्ण मुकाम था। यहां शोषण के खिलाफ अमेरिका में पहली अश्वेत लेबर यूनियन खड़ी हो गई। अमेरिकी अश्वेत आंदोलनों की प्रमुख शख्सियत फिलिप रैंडोल्फ इस हड़ताल के मुखिया थे। दूसरे विश्व युद्ध के बाद 1945–46 में अमेरिकी हड़तालों का एक और दौर आया, रेलवे कर्मचारी ही इसका नेतृत्व कर रहे थे। अमेरिका का रेलरोड तब तक अपने श्रम आंदोलनों के लिए कुख्यात हो गया। अब सरकार हड़तालों से आजिज आ गई। 1947 में अमेरिकी कांग्रेस ने टफ्ट हर्टले कानून पारित किया, जिससे हड़तालों के अधिकार सीमित किए गए। अलबत्ता अमेरिका के श्रम आंदोलनों ने इस कानून की कोई फिक्र नहीं की। 1966, 1980, 1992 में हड़तालें हुईं और 2005 में तो न्यूयॉर्क के लोकल ट्रेन नेटवर्क कर्मचारियों ने चक्का जाम कर दिया। यही वजह थी, दिसंबर, 2022 में जब रेलरोड कर्मचारियों ने हड़ताल की चेतावनी दी, तो व्हाइट हाउस और अमेरिकी कांग्रेस थर्रा उठी। बाइडन लेबर यूनियन के कट्टर समर्थक हैं। वह रेलवे कर्मचारियों और कंपनियों के बीच विवाद में संसद और सरकार के दखल का विरोध करते रहे हैं। उनका तर्क हुआ करता था कि इस दखल से कर्मचारियों को अच्छे वेतन मिलने की संभावनाएं कम हो जाती हैं। लेकिन अब खुद पर बन आई, तो सिद्धांतों पर भारी पड़ा अमेरिका का डरावना हड़ताली अतीत। खौफजदा बाइडन को महाविपत्ति की आहट सुनाई पड़ने लगी।अमेरिका में जारी महंगाई के बीच रेलरोड की यह हड़ताल डेमोक्रेट्स की राजनीति के लिए बड़ा संकट बनने वाली थी। इसलिए सब काम छोड़कर संसद और राष्ट्रपति ने मिलकर कानून बनाया, जिसमें कर्मचारियों को वेतन में 25 फीसदी की बढ़ोत्तरी मिलेगी।रेलरोड की हड़ताल तो टल गई, लेकिन ऑटो कर्मचारी नहीं रुके। सितंबर के अंत तक अमेरिका का ऑटो उद्योग इस आंदोलन से 16 खरब डॉलर का नुकसान उठा चुका था। वही अमेरिका है, वही बाइडन हैं, मगर हड़ताल दूसरी है, जिसमें राष्ट्रपति बाइडन को राजनीतिक फायदा दिख रहा है। टाइम मशीन उवाच – वक्त का पहिया बार–बार घूमता है मगर आवाजें बदल जाती हैं। मिलते हैं अगले सफर पर..

# स्वामीनाथन ने देश को भूख से आजादी दिलाने के लिए कड़ा संघर्ष कर सफलता हासिल की थी

भारत में कृषि–क्रांति के जनक, विश्व खाद्य पुरस्कार पाने वाले पहले व्यक्ति, कृषि में नवाचार के ऊर्जाघर एवं कृषि विज्ञानी डॉ. एम.एस. स्वामीनाथन का देह से विदेह हो जाना एक स्वर्णिम युग की समाप्ति है, एक अपूरणीय क्षति है। भारत को अन्न के अकाल से मुक्त कर अन्न का भंडार बनाने वाले इस कृषि–युगपुरुष के अवदान इतने बहुमुखी और दीर्घायुष्य है कि वे सदिया तक कृतज्ञ राष्ट्र की धमनियों एवं स्मृतियों में जीवित रहेंगे। वे अपने पीछे एक ऐसी विरासत छोड़ गये हैं कि भारतीय कृषि एवं वैश्विक खाद्य के संकट उभरने का नाम नहीं लेंगे।

'कृषि क्रांति आंदोलन' के वैज्ञानिक नेता के रूप में उनके अवदानों की शुरुआत 1943 के भीषण दुर्भिक्ष के दौरान हुई, जब चावल के एक–एक दाने के लिये लाखों लोगों ने दम तोड़ दिया था। इस घोर मानवीय त्रासदी एवं संकट ने केरल विश्वविद्यालय के इस अठारह वर्षीय युवा स्वामीनाथन में देश की भूख मिटाने की प्रतिबद्धता एवं संकल्प को जाग्रत किया और इसके लिये कृषि अनुसंधान के प्रति एक जुनून एवं जिजीविषा पैदा की। उन्होंने गेहूं एवं चावल की उच्च उपज वाली किस्मों को विकसित करने के मिशन पर काम शुरू कर भारत की कृषि में नव स्वस्तिक उकेरे। उनकी कृषि क्रांति ने भारत को दुनिया में खाद्यान्न की सर्वाधिक कमी वाले देश के कलंक से उबारकर 25 वर्ष से कम समय में आत्मनिर्भर बना दिया था। उस समय से भारत के कृषि पुनर्जागरण ने सदाबाहर कृषि क्रांति की ओर उन्मुख अवलंबनीय कृषि की वकालत ने उन्हें अवलंबनीय खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में विश्व नेता का दर्जा दिलाया।मनकोम्बु संबासिवन स्वामिनाथन का जन्म 7 अगस्त 1925 को हुआ। उन्होंने 1966 में मैक्सिको के बीजों को पंजाब की घरेलू किस्मों के साथ मिश्रित करके उच्च उत्पादकता वाले गेहूं के संकर बीज विकसित किए। एम.एस. स्वामीनाथन को 'विज्ञान एवं अभियांत्रिकी' के क्षेत्र में भारत सरकार द्वारा सन् 1967 में 'पद्मश्री', 1972 में 'पद्म भूषण' और 1989 में 'पद्म विभूषण' से सम्मानित किया गया था। उन्हें 1971 में मैगसेसे एवं 1986 में अल्बर्ट आइंस्टीन वर्ल्ड अवार्ड भी प्रदत्त किये गये। विभिन्न पुरस्कारों और सम्मानों के साथ प्राप्त धनराशि से एम.एस. स्वामीनाथन ने वर्ष 1990 के दशक के आरंभिक वर्षों में 'अवलंबनीय कृषि तथा ग्रामीण

विकास' के लिए चेन्नई में एक शोधा केंद्र की स्थापना की। एम.एस. स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन का मुख्य उद्देश्य भारतीय गांवों में प्रकृति तथा महिलाओं के अनुकूल प्रौद्योगिकी के विकास और प्रसार पर आधारित रोजगार उपलब्ध कराने वाली आर्थिक विकास की रणनीति को बढ़ावा देना है। स्वामीनाथन और उनके सहयोगियों द्वारा पर्यावरण, कृषि एवं खाद्यान्न प्रौद्यौगिकी के क्षेत्र में किए जा रहे कार्य को अंतर्राष्ट्रीय मान्यता मिली है। स्वामीनाथन दक्षिण एशिया के उत्तरदायित्व के साथ पर्यावरण प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में यूनेस्को में भी पदासीन रहे हैं। उनकी महान विद्वत्ता को स्वीकरते हुए इंग्लैंड की रॉयल सोसाइटी और बांग्लादेश, चीन, इटली, स्वीडन, अमरीका तथा सोवियत संघ की राष्ट्रीय विज्ञान अकादमियों में उन्हें शामिल किया गया है। वह 'वर्ल्ड एकेडमी ऑफ साइंसेज' के संस्थापक सदस्यों में से एक हैं। 1999 में टाइम पत्रिका ने स्वामीनाथन को 20वीं सदी के 20 सबसे प्रभावशाली एशियाई व्यक्तियों में से एक बताया था।

भारत के भाल पर अनूठा एवं विलक्षण करने वाले महान् व्यक्तियों में स्वामीनाथन एक थे। स्वामीनाथन सच्चे भारतीय एवं राष्ट्रीयता से ओतप्रोत व्यक्तित्व थे। जब देश राजनीतिक आजादी के लिए संघर्षरत था, तब युवा स्वामीनाथन ने देश को भूख से आजादी दिलाने के लिए कड़ा संघर्ष किया एवं सफलता का नया इतिहास रचा। उन्होंने आजाद भारत में अनाज की पैदावार बढ़ाने की अनूठी एवं प्रभावी तकनीक को आकार दिया। यह उन्हीं का सपना था कि भारत जैसे देश में अनाज इतना ज्यादा मात्रा में पैदा हो कि यहां किसी को भूखे न सोना पड़े बल्कि दूसरे देशों की भूख मिटाने में भी अग्रसर हो। आज आजादी के अमृतकाल में भारत कई देशों को अनाज का निर्यात करता है, यह उन्हीं की देन हैं। उन्होंने कृषि में नवाचार लाते हुए अनेक प्रयोग किये, आलू की एक ठंड–प्रतिरोधी किस्म विकसित की थी। चावल और गेहूं की उपज में क्रांति ही ला दी। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने उनके सुझावों एवं प्रयोगों पर बल दिया और अपने देश के अनाज भंडार भरने लगे। आज अगर हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी यह बोलने की स्थिति में हैं कि भारत दुनिया को खिला सकता है, तो निस्संदेह, इसका सर्वाधिक श्रेय स्वामीनाथन को जाता है।

भारत लाखों गाँवों का देश है और यहाँ की अधिकांश जनता कृषि के साथ जुड़ी हुई है। इसके बावजूद अनेक वर्षों तक यहाँ कृषि से सम्बंधित जनता भी भुखमरी के कगार पर अपना जीवन बिताती रही। इसका कारण कुछ भी हो, पर यह भी सत्य है कि ब्रिटिश शासनकाल में भी खेती अथवा मजदूरी से जुड़े हुए अनेक लोगों को बड़ी कठिनाई से खाना प्राप्त होता था। लम्बा दौर अकाल की चपेट में रहा। भारत के सम्बंध में यह भावना बन चुकी थी कि कृषि से जुड़े होने के बावजूद भारत के लिए भुखमरी से निजात पाना कठिन है। इसका कारण यही था कि भारत में कृषि के सदियों से चले आ रहे पुरातन उपकरण और बीजों का प्रयोग होता रहा था। फसलों की उन्नति के लिए बीजों में सुधार की ओर किसी का ध्यान ही नहीं गया था। भारत की कृषि में अभिनव–क्रांति की अपेक्षा थी, जिसे स्वामीनाथन ने अंजाम दिया। गांवों की दशा एवं दिशा बदलने, किसानों के कल्याण और समाज के सबसे गरीब लोगों के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध स्वामीनाथन की जितनी प्रशंसा की जाए कम होगी। उन्होंने कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए अपने जीवन का एक लंबा समय लगा दिया था। उन्होंने 1960 के अकाल के दौरान अमेरिकी वैज्ञानिक नॉर्मन बोरलॉग एवं अन्य वैज्ञानिकों के साथ मिलकर गेहूं की उच्च एवं उन्नत पैदावार वाली किस्म के बीज विकसित किये।

स्वामीनाथन के प्रयत्नों का ही परिणाम है कि भारत खाद्यान्नों के मामले में आत्मनिर्भर बन चुका है। उन्होंने अनेक अहम पदों पर रहते हुए भारत की कृषि को नये आयाम दिये। उन्नत कृषि के नये दरवाजों को उद्घाटित किया। कृषि नीतियां बनाने में विभिन्न सरकारों के मार्गदर्शक एवं प्रेरणास्रोत रहे। पैदावार के न्यूनतम मूल्य निर्धारण से लेकर खेती को घाटे से उबारने के लिये उनकी कमेटी की सिफारिशें भविष्य में मार्गदर्शक एवं आधार–दृष्टि बनी रहेगी। खेती में बने लैंगिक भेदभाव को दूर कर महिला मजदूरों के सशक्तिकरण के वे पहले प्रयोगकर्ता थे। यह कितना सुखद है कि देश के करोड़ों लोगों के लिए आशा की किरण बने एवं भोजन जुटाने में सहायक रहे कृषि वैज्ञानिक को 98 वर्ष का लंबा जीवन नसीब हुआ और उनकी पुत्री व डब्ल्यूएचओ में पूर्व मुख्य वैज्ञानिक डॉ. सौम्या स्वामीनाथन ने देश को बहुत गर्व के साथ बताया कि स्वामीनाथन बहुत शांति से दुनिया से विदा हुए हैं। किसानों के कल्याण और समाज के सबसे गरीब लोगों के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध स्वामीनाथन की जितनी प्रशंसा की जाए कम होगी। स्वामीनाथन ने उद्देश्यपूर्ण जीवन जीकर जो ऊंचाइयां एवं उपलब्धियां हासिल की हैं, वे किसी कल्पना की उड़ान से भी अधिक हैं। कृषि महावीर वैज्ञानिक का यह देश सदैव ऋणी रहेगा। आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में उनका अनुपम योगदान हमारे इतिहास का एक अमिट आलेख है।

# जिन्ना ने धोखे से कब्जा तो लिया लेकिन बलूचिस्तान बन गया पाकिस्तान के लिए नासूर

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में अक्सर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन होता रहता है। माना जाता है कि बलूचिस्तान कभी भी पाकिस्तान का दूसरा बांग्लादेश बन सकता है। बांग्लादेश के पाकिस्तान से अलग होने की कहानी तो आपको पता ही होगी। वैसे ही आने वाले वक्त में बलूचिस्तान भी पाकिस्तान से अलग हो जाए। ये माना जाता है कि पाकिस्तान ने बलूचिस्तान को जबरदस्ती कब्जे में किया था। इन सब के बावजूद पाकिस्तान का ये प्रांत पिछले कई दशकों से अस्थिर रहा है। ताजा मामला फिर से एक बार सामने आया है। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत के मस्तुंग जिले में 29 सितंबर को एक आत्मघाती हमले में कम से कम 53 लोगों की मौत हो गई और 70 से अधिक अन्य घायल हो गए। हालांकि अभी तक किसी संगठन ने ब्लास्ट की जिम्मेदारी नहीं ली है। तहरीक–ए–तालिबान (टीटीपी) ने तुरंत इससे दूरी बना ली है। यह 2018 के बाद से पाकिस्तान में सबसे घातक आतंकवादी हमला है, जब उसी जिले में एक आत्मघाती बम विस्फोट में 149 लोग मारे गए थे। एक बयान में कार्यवाहक आंतरिक मंत्री सरफराज बुगती ने बम विस्फोटों की निंदा की और इसे जघन्य कृत्य बताया। राष्ट्रपति अल्वी और कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवारुल–हक–काकर ने अलग–अलग संदेशों में एकता का आह्वान किया है और लोगों से पैगंबर की शिक्षाओं का पालन करने के लिए कहा है।

सबसे बड़ा पाकिस्तानी प्रांत बलूचिस्तान देश के बाकी हिस्सों की तुलना में कम आबादी वाला और गरीब भाग है। वहीं, इसकी अवस्थिति और प्राकृतिक संसाधनों विशेषकर तेल की प्रचुरता इसे पाकिस्तान के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बनाती है। यह प्रांत 1948 से खूनी विद्रोहों, क्रूर राज्य दमन और एक स्थायी बलूच राष्ट्रवादी आंदोलन की एक श्रृंखला का स्थल रहा है।

जबरन धोखे से कब्जा

स्वतंत्रता के समय इस क्षेत्र में मकरान, लास बेला, खारन और कलात शामिल थे, जिनके आदिवासी प्रमुखों ने अंग्रेजों के प्रति निष्ठा की शपथ ली थी। कलात का मुखिया सबसे शक्तिशाली था, बाकी लोग उसके प्रति सामंती निष्ठा रखते थे। जैसे ही उपमहाद्वीप से ब्रिटिश वापसी करीब आई, कलात के अंतिम प्रमुख अहमद यार खान ने खुले तौर पर एक स्वतंत्र बलूच राज्य की वकालत करना शुरू कर दिया। उन्हें उम्मीद थी कि मुहम्मद अली जिन्ना के साथ उनकी व्यक्तिगत दोस्ती उन्हें पाकिस्तान में शामिल

होने के बजाय अपना राज्य सुरक्षित करने में मदद करेगी। और 11 अगस्त, 1947 को उनकी दृष्टि तब फलीभूत होती दिखी जब पाकिस्तान ने उन्हें शामिल होने के लिए मजबूर करने के बजाय उनके साथ मित्रता की संधि पर हस्ताक्षर किए। हालाँकि, ब्रिटिश क्षेत्र में रूसी विस्तारवाद से सावधान थे, इसके सख्त खिलाफ थे। इसके बजाय कलात का पाकिस्तान में विलय चाहते थे। इससे भी अधिक जटिल मामला यह था कि कलात के तीन सामंत पाकिस्तान में शामिल होना चाहते थे। इस प्रकार, अक्टूबर 1947 तक, पाकिस्तान ने अपना सुर बदल लिया और विलय के लिए दबाव डालना शुरू कर दिया। आखध्रिकार हालात तब बिगड़ गए जब 17 मार्च, 1948 को पाकिस्तान सरकार ने कलात के तीन सामंती राज्यों के विलय को स्वीकार करने का फैसला किया, जिससे कलात चारों ओर से जमीन से घिरा रह गया और उसके पास आधे से भी कम भूभाग रह गया। इसके अलावा, ऑल इंडिया रेडियो पर अफवाह फैल गई कि खान वास्तव में भारत में शामिल होना चाहते हैं। इसने 26 मार्च, 1948 को पाकिस्तानी सेना को बलूचिस्तान में जाने के लिए प्रेरित किया। प्रमुख ने एक दिन बाद विलय की संधि पर हस्ताक्षर किए।विद्रोह और हिंसक संघर्ष

विलय संधि की स्याही अभी पूरी तरह सूखी भी नहीं थी कि विरोध शुरू हो गया। उस वर्ष जुलाई में, खान के भाई, प्रिंस अब्दुल करीम ने परिग्रहण समझौते के खिलाफ विद्रोह कर दिया। 1948, 1958–59, 1962–63 और 1973–1977 में लड़े गए, और वर्तमान में 2003 से जारी हैं। इन विद्रोहियों से पाकिस्तानी बलों द्वारा क्रूरता से निपटा गया है, जिन पर कई अत्याचार करने का आरोप लगाया गया है। बलों पर अपहरण, यातना, मनमाने ढंग से गिरफ्तारी और फाँसी देने की रिपोर्टें आई हैं। 2011 की एमनेस्टी इंटरनेशनल रिपोर्ट में पाकिस्तानी बलों की श्मार डालो और फेंक दोश की रणनीतियों के बारे में बात की गई थी, जिसमें कर्मी अक्सर वर्दी में कार्यकर्ताओं, शिक्षकों, पत्रकारों और वकीलों को उठाते हैं, जानकारी के लिए उन्हें प्रताड़ित करते हैं, फिर उन्हें गोली मार देते हैं और उनके शवों को फेंक देते हैं। हालांकि बलूच राष्ट्रवादियों और निर्दोष नागरिकों के हताहत होने की सटीक संख्या बताना मुश्किल है, यहां तक ध्किं रूढ़िवादी अनुमान भी 1948 के बाद से इसे हजारों में बताते हैं। एनजीओ वॉयस फॉर बलूच मिसिंग पर्सन्स के अनुसार, लगभग 5,228 बलूच लोग लापता हो गए हैं। 2001 और 2017 के बीच की अवधि। हालाँकि, बलूच राष्ट्रवादी समूहों और विद्रोहियों पर स्वयं मानवाधिकार उल्लंघन का आरोप लगाया गया है, जिसमें क्षेत्र में रहने वाले गैर–बलूच लोगों की जातीय सफाई का प्रयास भी शामिल है। हाल के वर्षों में बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट और बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी जैसे बलूच राष्ट्रवादी संगठन टीटीपी और इस्लामिक स्टेट सहित इस्लामी संगठनों के करीब बढ़ गए हैं। इस्लामाबाद स्थित गैर सरकारी संगठन, पाकिस्तान इंस्टीट्यूट फॉर पीस स्टडीज की श्पाकिस्तान सुरक्षा रिपोर्ट 2022श के अनुसार, अकेले 2022 में विद्रोहियों और उनके इस्लामी सहयोगियों ने बलूचिस्तान के अंदर और बाहर 71 हमले किए हैं, जिनमें मुख्य रूप से सुरक्षा और सैन्य कर्मियों को निशाना बनाया गया है।

जातीय कुरीतियों, आर्थिक अन्याय से प्रेरित

ऐसे में बड़ा सवाल कि आखिर ये संघर्ष इतने लंबे समय तक क्यों बना रहा? एक मूलभूत कारण जातीय भिन्नता है। बलूचिस्तान के लोगों का साझा इतिहास, भाषा और अन्य सांस्कृतिक समानताएं पंजाबियों या सिंधियों से बहुत अलग हैं। पाकिस्तान का निर्माण धर्म के आधार पर हुआ था. हालाँकि, विभिन्न मुस्लिम जातियों के बीच विषम शक्ति संबंध लगभग तुरंत ही दिखाई देने लगे थे। पंजाबी जमींदारों की पाकिस्तान की नौकरशाही पर लगभग निर्विवाद पकड़ थी। जातीय मतभेद 1971 में पूर्वी पाकिस्तान के टूटने का कारण थे और बलूच राष्ट्रवाद के पीछे प्रेरक शक्ति भी हैं। बलूच लोगों की गहरी आर्थिक और राजनीतिक शिकायतें जातीय मतभेदों को बढ़ा रही हैं। सबसे हालिया संघर्ष वास्तव में लगभग पूरी तरह से आर्थिक अलगाव की भावना से प्रेरित था। बलूच राष्ट्रवादियों का तर्क है कि बलूच लोग स्वयं बलूचिस्तान के प्रचुर प्राकृतिक संसाधनों का लाभ नहीं उठाते हैं। चीन समर्थित ग्वादर बंदरगाह का निर्माण कुछ मायनों में बलूच आबादी के सामने आने वाले आर्थिक अन्याय का प्रतीक है। शिक्षित बलूच आबादी के बीच बेरोजगारी के अत्यधिक उच्च स्तर के बावजूद, इस परियोजना के लिए पंजाबी और सिंधी इंजीनियरों और तकनीकी विशेषज्ञों को सामूहिक रूप से काम पर रखा गया था। हाल के वर्षों में, बलूच उग्रवादियों ने परियोजना में शामिल चीनी अधिकारियों को नियमित रूप से निशाना बनाया है। पाकिस्तानी सरकार ने खुद ही देश को अस्थिर करने के लिए भारत और ईरान समेत विदेशी तत्वों पर क्षेत्र में समस्या पैदा करने का आरोप लगाया है। 2016 में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने स्वतंत्रता दिवस के भाषण में पाकिस्तान के अत्याचारों और बलूच लोगों के दमन का उल्लेख किया तो पाकिस्तान में हंगामा मच गया।

# भूले बिसरे नवजातों का तर्पण महाबुलिया के माध्यम से करेंगी कन्याएं बुंदेलखंड के गांव गांव में विद्यमान है परंपरा

भरुआ सुमेरपुर(संवाददाता)। द्वापर युग में भगवान श्रीकृष्ण के द्वारा शुरू की गई तर्पण की प्रथा को बुंदेलखंड में कन्याएं आज भी जीवंत किए हैं। यह शाम के समय गीत गाते हुए नदी सरोवर में पुष्प अर्पित करके नवजातों की मृत्यु को तर्पण करती हैं। द्वापर युग में श्रीकृष्ण के जन्म के उपरांत आपाचारी कंस के दूतों ने मथुरा सहित आसपास के सैकड़ो गांव में नवजातों का वध किया था। जन्म के 13 वर्ष बाद मामा कंस का वध करने के बाद उन्होंने सभी नवजातों की मुक्ति के लिए कालिंदी में पुष्पों से तर्पण किया था। उन्होंने संदेश दिया था कि इस प्रक्रिया से असमय काल के गाल में सामने वाले नवजातों को मुक्ति मिलेगी। भगवान श्रीकृष्ण की इस तर्पण प्रक्रिया को बुंदेली धरा में कन्याएं आज भी जीवंत किए हैं। प्रतिपदा से लेकर अमावस्या तक कन्याएं प्रतिदिन शाम के समय कांटेदार झाड़ी में फूलों को पिरोकर नदी सरोवरों में जाकर विसर्जित करती हैं। यह परंपरा बुंदेलखंड में महाबुलिया के नाम से आज भी गांव–गांव विद्यमान है। अमावस्या को अंतिम तर्पण बड़े ही विधि विधान के साथ किया जाता है। जिसमें विभिन्न तरह के व्यंजनों, मेवा मिष्ठानों के साथ तरह–तरह के फूलों से महाबुलिया को सजाकर गाते बजाते तर्पण को ले जाती है। प्रतिपदा के दिन लाई गई कटीली झड़ी को फूलों सहित अमावस्या को तर्पण कर विसर्जित किया जाता है। विदोखर पुरई की शकुंतला देवी बताती है की महाबुलिया को सजाते समय तरह तरह के गीत कन्याएं गाती है। जिनमें लावा लावा गुलाब कनेर के फूल, सजईएं अच्छी महाबुलिया। कस्बा निवासी मुन्नीलाल अवस्थी बताते हैं कि कंस वध के बाद कंस व उसके दूतों द्वारा बेकसूर मारे गए नवजातों का तर्पण भगवान श्रीकृष्ण ने यमुना नदी में पुष्पों से करके यह संदेश दिया था कि इस प्रक्रिया से उन आत्माओं को तर्पण हो जाएगा। जिन्होंने जन्म तो इस धरा पर लिया। लेकिन उन्हें जीने का अवसर नहीं मिल सका। इस परंपरा को बुंदेलखंड के हमीरपुर, बांदा, चित्रकूट, महोबा, छतरपुर,टीकमगढ़, सतना, पन्ना, सागर, दमोह, दतिया, भिंड, मुरैना, झांसी, ललितपुर, जालौन आदि जनपदों में आज भी कन्या जीवंत किए हुए हैं।

## जनपद के प्रभारी मंत्री ने स्वच्छता ही सेवा के तहत किया श्रमदान

हमीरपुर (संवाददाता) । जनपद के प्रभारी मंत्री ध राज्यमंत्री श्रम एवं सेवायोजन विभाग उत्तर प्रदेश श्री मनोहर लाल ने स्वच्छता के लिए श्रमदान के महाभियान कार्यक्रम के तहत मुख्यालय स्थित चौरा देवी मंदिर प्रांगण में आयोजित स्वच्छता ही सेवा श्रमदान किया तथा लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया।

इस मौके पर मंत्री ने उपस्थित अधिकारियों कर्मचारियों व अन्य लोगों को स्वच्छता अपनाने की शपथ दिलाई ।इस मौके पर मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के आवाहन पर

कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

इस मौके पर मंत्री सहित राज्यसभा सांसद श्री बाबूराम निषाद ,जनपद के नोडल अधिकारी ध प्रमुख सचिव व्यावसायिक शिक्षा कौशल विकास और उद्यमशीलता विभाग डॉ शन्मुगा सुंदरम एमके ,जिलाधिकारी श्री राहुल पांडे, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद हमीरपुर श्री कुलदीप निषाद, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व श्री रमेश चंद्र, अपर जिलाधिकारी न्यायिक डॉ नागेंद्र नाथ यादव , मुख्य विकास अधिकारी चंद्रशेखर शुक्ला सहित भारी संख्या में जनपद वासियों ने स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के तहत चौरा देवी प्रांगण में झाड़ू लगाकर ,पॉलिथीन कूड़ा आदि एकत्र कर आज यह कार्यक्रम पूरे देश में संचालित हो रहा है ।इस प्रकार के कार्यक्रमों में लोगों द्वारा बढ़ चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए । उन्होंने कहा कि जीवन में स्वच्छता का बहुत महत्व है स्वच्छता अपनाने से शरीर स्वस्थ रहता है । उन्होंने चंद्रायन–3 की सफलता पर इसरो के वैज्ञानिकों को बधाई दी।

राज्यसभा सांसद ने कहा कि यह स्वच्छता अभियान महात्मा गांधी के सपनों को साकार करने की दिशा में उठाया गया एक अत्यंत सराहनीय कदम है ।कार्यक्रम का संचालन जलीस खान ने किया इस मौके पर एसडीएम सदर, सीओ सदर ,बीएसए , ईओ नगर पालिका सहित अन्य संबंधित मौजूद रहे।

## डिप्टी सीएम ने दी गांधी व शास्त्री जयंती पर देश व प्रदेशवासियो को शुभकामनाएं

लखनऊ(संवाददाता)। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने राष्ट्रपिता महात्मागांधी की जयन्ती पर देश व प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। अपने शुभकामना संदेश में श्री मौर्य ने कहा है कि गांधी जी के विचार और उनका जीवन दर्शन आज भी प्रासंगिक है। हम सबको उनके जीवन दर्शन व सुकृत्यों से न केवल प्रेरणा लेनी चाहिए, बल्कि उसे आत्मसात भी करना चाहिए ।गांधी जयंती की पूर्व संध्या पर जारी अपने शुभकामना संदेश मे केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि गांधी जी का पूरा जीवन ही एक संदेश है। वह आज भी लोगों के दिलों में जीवित हैं ।उनकी हर बात, हर काम प्रेरणा का संदेश है। वह संपूर्ण मानवता के प्रेरणास्रोत बने हुये हैं। बापू के आदर्श हमे समृद्ध भारत बनाने का मार्ग दर्शन करते रहेंगे। उन्होने सत्य और अहिंसा को अपना हथियार बनाया। वह सत्य और अहिंसा के पुजारी थे। गांधी जी महान सोच वाले साधारण व्यक्ति थे।अपने शुभकामना संदेश में श्री मौर्य ने कहा है कि हम सब लोग पुनःसंकल्प ले कि गांधी जी के बताये हुये मार्ग का अनुसरण करते हुये राष्ट्र के कल्याण व प्रगति के लिए सदैव समर्पित रहेगे और गांधी जी के रास्ते पर अनुगमन करते हुये मोदी जीके आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को पूरा करेंगे। श्री मौर्य ने पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर भी प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं।

## 3 अक्टूबर को आईटीआई लखनऊ मे लगेगा रोजगार मेला

लखनऊ(संवाददाता)। प्रधानाचार्य राज कुमार यादव ने बताया कि मुख्यमंत्री मिशन रोजगार योजना के अन्तर्गत 03 अक्टूबर को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान अलीगंज लखनऊ में बृहद रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। ये रोजगार मेला राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान अलीगंज लखनऊ, क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय एवं जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्योग विकास केंद्र के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया जा रहा है। इस मेले का उद्घाटन विधायक उत्तरी डॉ नीरज बोरा द्वारा किया जायेगा। मेले में 78 कंपनियों के प्रतिनिधियों द्वारा 10,289 पदों पर लोगो को चयन किया जायेगा। ट्रेनिंग काउंसिलिंग एण्ड प्लेसमेन्ट आफिसर एमए खाँ ने बताया कि हाईस्कूल, इण्डटमीडिएट,आईटीआई, कौशल विकास प्रमाण पत्र, डिप्लोमा, स्नातक, बीटेक या बीबीए, बीसीए, एमबीए उत्तीर्ण एवं 18 से 45 वर्ष हो वे ही रोजगार मेले में प्रतिभाग करने के पात्र होंगे। कंपनियों द्वारा वेतन 8,000 से 45,000 रुपये प्रति माह एवं अन्य सुविधाएं दी जायेगी मेले में पुरूष व महिला दोनों अभ्यर्थी प्रतिभाग कर सकते है। इच्छुक व्यक्ति अपने बायोडाटा के साथ समस्त शैक्षिक प्रमाण पत्रों को संलग्न करते हुए प्रातः 09 बजे राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, अलीगंज, लखनऊ परिसर में उपस्थित होकर रोजगार प्राप्त कर सकते है।

## रुधौली में चलाया गया स्वच्छता अभियान

बस्ती(संवाददाता)। रुधौली में रविवार को स्वच्छता अभियान को लेकर रुधौली तहसील प्रांगण में तहसीलदार सतेन्द्र सिंह के नेतृत्व में स्वच्छता अभियान चलाया गया। स्वच्छता अभियान के पूर्व तहसीलदार ने गांधी जी के चित्र पर पुष्प अर्चन कर उनको श्रद्वाजलि दी। इस अवसर पर नायब तहसीलदार नीरज सिंह, कानूनगो संतोष शुक्ला, कानूनगो विजय प्रताप यादव, लेखपाल अंकित चौधरी, लेखपाल प्रमोद चौधरी,लेखपाल मनोज वर्मा, लेखपाल संजय कुमार, लेखपाल धर्मेंद्र कुमार सहित तमाम लेखपाल शामिल रहे। रुधौली थाना प्रभारी निरीक्षक दिनेश चंद्र के नेतृत्व में थाना शिव मंदिर के प्रांगण में स्वच्छता अभियान चलाया गया। जिसमें एसआई सदानंद सिंह, एसआई राघवेंद्र प्रताप सिंह, एसआई श्रीराम सिंह, एसआई राम प्रकाश यादव, कांस अंकित राय, कांस्टेबल राजू यादव सहित समस्त स्टाफ के लोगों ने प्रतिभाग किया। भाजपायों ने वार्ड मे स्वच्छता अभियान चलाया। भाजपा नेता विजय कुमार राजू ने शांति नगर वार्ड में स्वच्छता अभियान चलाया। भाजपा के मंडल अध्यक्ष विजय नारायण तिवारी ने इंदिरा नगर वार्ड में स्वच्छता अभियान चलाया। महिला मोर्चा की जिला मंत्री नीलम गौड़ ने शहीद कीर्तिकर निषाद वार्ड मे स्वच्छता अभियान चलाया। तिघरा पंडित में भाजपा के रमेश चंद्र त्रिपाठी के नेतृत्व में स्वच्छता अभियान चलाया गया।

## 1 अक्टूबर को राजकीय इण्टर कालेज मुस्करा में 1 घंटा

मुस्करा हमीरपुर(संवाददाता)। 1 अक्टूबर को प्रधानमंत्री की अपील पर राजकीय इण्टर कालेज मुस्करा में प्रधानाचार्य रविन्द्र जी और उनके सहयोगी शिक्षकों ने विद्यालय परिसर में 1 घंटे सामूहिक सफाई करके बापू को दी 'स्वच्छांजलि' । इस आभियान के तहत राजकीय विधालय के प्राचार्य और सभी शिक्षक बंधुओं और छात्र छात्राओं ने पूरे विद्यालय परिसर में एक साथ की सफाई, इसके बाद सभी छात्र छात्राओं और समस्त विधालय स्टाप ने एक रैली निकाल कर सभी ग्रामवासियों को सफाई के प्रति किया जागरूप , प्राचार्य रविन्द्र जी ने बताया की हम लोग अपने आसपास सफाई करके के बाबू को सही मायने में श्रद्धांजलि दे सकते हैं। इस मौके पर प्रवक्ता मनेन्द्र कुमार , , ,क्रीड़ा शिक्षिका शिल्पी अग्रवाल जी , रामबाबू यादव, डा. विजय सिंह ,सुनील कुमार ,वेदप्रकाश जैसवाल ,राजेंद्र पाल, नवलकिशोर ,दिलीप कुमार , मुहम्मद इलियास समेत समस्त शिक्षकगण मौजूद रहे ।

## निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जनपद में आयोजित किया गया अंतर्राष्ट्रीय वृद्ध दिवस

हमीरपुर(संवाददाता)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार आज जनपद के कलेक्ट्रेट स्थित डॉक्टर एपीजे अब्दुल कलाम सभागार में अंतर्राष्ट्रीय वृद्ध दिवस का आयोजन किया गया ।

जिलाधिकारी श्री राहुल पांडेय के निर्देश के क्रम में आज अंतर्राष्ट्रीय वृद्ध दिवस के अंतर्गत 100 वर्ष पूर्ण करने वाले जनपद के वृद्ध जनों को जनपद स्तर, तहसील स्तर ,व बूथ स्तर पर कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें मोमेंटो, फूल माला ,मिष्ठान आदि भेंट कर सम्मानित किया गया है ।। सम्मानित होने वाले इन सभी वृद्धजनों ने स्वतंत्रता से अब तक सभी चुनाव में प्रतिभा कर मतदान किया है।

कार्यक्रम में वृद्ध जनों ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि पूर्व की अपेक्षा वर्तमान में मतदान में काफी बदलाव हुआ है तथा ईवीएम एवं वीवीपैट आदि के इस्तेमाल से पारदर्शिता बढ़ी है । जनपद स्तर पर हुए कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व श्री रमेश चंद्र ने 09 वृद्ध जनों को तथा तहसील स्तर पर संबंधित एसडीएम तथा बूथ स्तर पर बीएलओ द्वारा ऐसे वृद्ध जनों को सम्मानित किया गया है। जनपद में कुल लगभग 600 वृद्ध जनों को सम्मानित किया गया है।

## नोडल अधिकारी ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत निर्माणाधीन पत्योरा डॉंडा ग्राम समूह पेयजल योजना का किया निरीक्षण

हमीरपुर(संवाददाता)। जनपद में अपने प्रस्तावित दो दिवसीय भ्रमण कार्यक्रम के क्रम में आज प्रमुख सचिव, व्यावसायिक शिक्षा ,कौशल विकास और उद्यमशीलता विभाग ध जनपद के नोडल अधिकारी डॉ शन्मुगा सुंदरम एमके ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत निर्माणाधीन पत्योरा डॉंडा ग्राम समूह पेयजल योजना का स्थलीय निरीक्षण किया।

इस मौके पर नोडल अधिकारी ने कार्यस्थल पर ही जनपद में जल जीवन मिशन के तहत निर्माणाधीन पेयजल योजनाओं पत्योरा डांडा ग्राम समूह पेयजल योजना, हरौलीपुर ग्राम समूह पेयजल योजना सतही एवं हरौलीपुर नलकूप आधारित ग्राम समूह पेयजल योजना के विभिन्न कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने पीपीटी के माध्यम से विभिन्न कार्यों की जानकारी ली । नोडल अधिकारी ने प्रत्येक कार्य के प्रगति का बारीकी से अवलोकन किया । उन्होंने कहा कि यह पेयजल योजना बुंदेलखंड के दृष्टिगत बहुत महत्वपूर्ण है। इसके कार्य समयबद्ध ढंग से पूर्ण कर लोगों को हर घर नल से जल उपलब्ध कराया जाय ।इसमे किसी तरह की लापरवाही न बरती जाय। इस दौरान उन्होंने सभी कंपोनेंट के कार्यों की प्रगति का गहनता से अवलोकन किया। इस दौरान जिलाधिकारी श्री राहुल पाण्डेय , सीडीओ चंद्र शेखर शुक्ला, अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे राजेश कुमार यादव,डीडीओ अजीत श्रीवास्तव व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

## मनाया गया अंतरराष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक दिवस

उरई / जालौन(संवाददाता)। एक अक्टूबर को पूरा विश्व अंतरराष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक दिवस मनाता है। इसी के तहत जालौन में भी वरिष्ठ नागरिक कल्याण सेवा समिति द्वारा उरई के जानकी पैलेस में अंतरराष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक दिवस मनाया गया। जहां सामाजिक सेवा करने वाले वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें केंद्रीय राज्य मंत्री भानु प्रताप वर्मा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस दौरान उन्होंने 50 से अधिक वरिष्ठ नागरिकों को सम्मानित किया। इस कार्यक्रम में शामिल केंद्रीय सूक्ष्म एवं उद्यम और मध्यम राज्य मंत्री भानु प्रताप वर्मा ने कहा कि बुजुर्ग लोग उन्हें सही रास्ता दिखाते हैं। किसी से कहीं भी कोई गलती होती है तो उन गलतियों के बारे में अवगत कराते हैं। साथ ही सही मार्ग पर चलने का दिशा निर्देश देते हैं। इसलिए हमें हमेशा बुजुर्गों का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने इस कार्यक्रम में मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि आजकल के युवा लोग बुजुर्गों का सम्मान नहीं करते हैं। बंदर तथा अन्य जानवरों की तरह उछल कूद कर कामों को बिगड़ने में लगे रहते हैं। इसलिए वह सभी वरिष्ठ नागरिकों से अपील करते हैं कि ऐसे लोगों को सुधारने का काम करें। साथ ही यदि उनसे भी किसी प्रकार की कोई गलती होती है तो उन्हें भी सही तरह से मार्ग दिखा सकते हैं। बिना बुजुर्गों के मार्ग प्रशस्त नहीं होता है। इसलिए सभी लोगों को बुजुर्गों की बात सुननी चाहिये और उनका सम्मान करना चाहिये। इस अवसर पर वरिष्ठ नागरिक कल्याण समिति द्वारा 50 से अधिक वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान भी किया गया, यह सम्मान उन वरिष्ठ नागरिकों को दिया गया जिन्होंने शिक्षा, चिकित्सा, कला साहित्य, संस्कृति, सामाजिक क्षेत्र तथा राजनीतिक क्षेत्र में अच्छा काम किया है।

## चला स्वचछता अभियान,इंदिरा स्टेडियम बच्चों ने की साफ सफाई, एडीएम ने दिलाई स्वचछता की शपथ

उरई / जालौन(संवाददाता)। पूरे देश मनाए जा रहे स्वच्छता पखवाड़ा के तहत जालौन में भी स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसके तहत जिला मुख्यालय उरई के इंदिरा स्टेडियम में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी संजय कुमार बतौर मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुये, जिन्होंने इंद्रा स्टेडियम के खिलाडियों व स्कूली छात्र छात्राओं को स्वच्छता की शपथ दिलाई। जिसके बाद एडीएम ने बच्चों के साथ स्वच्छता अभियान चलाते हुए साफ–सफाई की, जिसमें बच्चों ने बढ चढकर भाग लेकर श्रमदान किया और लोगों को जागरूक करने का काम किया। इस दौरान एडीएम संजय कुमार ने स्वच्छता के महत्व को बताते हुए कहा कि देश के प्रधानमंत्री द्वारा स्वच्छता को विशेष महत्त्व दिया जा रहा है। उन्हीं के द्वारा इस स्वच्छता अभियान देश भर में शुरुआत की गई है। इस अभियान को आगे बढाना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि खेल और स्वच्छता दोनों ही महत्वपूर्ण है।

# कमला नेहरू संस्थान में 700 विद्यार्थियों नें किया श्रमदान

संवाददाता

सुल्तानपुर ।रविवार को कमला नेहरू भौतिक एवं सामाजिक विज्ञान संस्थान सुलतानपुर में श्रमदान कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर संस्थान प्राचार्य प्रो.आलोक कुमार सिंह नें बताया कि आज संस्थान मुख्य परिसर में एन एस एस तथा फरीदीपुर परिसर में कृषि संकाय के बैनर तले 700 से अधिक विद्यार्थियों नें एक समय एक साथ एक घण्टे श्रमदान कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इन्होंने कहा कि इस समय सम्पूर्ण देश में 15 सितम्बर से 02 अक्टूबर 2023 तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इसी पखवाड़े के अन्तर्गत आज का कार्यक्रम दिवस श्रमदान कार्य हेतु शासन द्वारा निर्देशित है। शासन के आह्वान पर कृषि संकाय में डॉ नीरज सिंह व कृषि विज्ञान के सभी प्राध्यापकों तथा मुख्य परिसर में एन एस एस के सभी कार्यक्रम अधिकारियों के नेतृत्व में विद्यार्थियों व स्वयंसेवकों नें आज प्रातरू 10 बजे से 11 बजे तक पूर्ण उल्लास के साथ श्रमदान कार्य सम्पन्न किया। इसके अन्तर्गत स्वयंसेवकों व विद्यार्थियों यथा आदित्य, अजय,अजीत, विकास, रिया , सीमा, सुभाष, हितेश व आलिया खान आदि नें कमला नेहरू संस्थान मुख्य परिसर के व फरीदीपुर के सभी संकायों में गहन साफ सफाई की तथा बिखरे कचरे को एकत्रित किया । साथ ही साथ आज के श्रमदान कार्य में सम्मिलित विद्यार्थियों द्वारा एकत्रित कचरे को निर्धारित स्थलों पर निस्तारित भी किया गया ।कचरा मुक्त भारत अभियान के तहत शिक्षालय परिसर को सदैव स्वच्छ, सुन्दर व स्वस्थ बनाए रखने हेतु सभी विद्यार्थियों नें संकल्प भी लिया । साथ ही साथ दोनों संकायों में आयोजित श्रमदान कार्य करने वाले विद्यार्थियों नें कचरा मुक्त भारत बनाने के उदेश्य से गांव व नगरवासियों को भी प्रेरित करने हेतु अपनी प्रतिबद्धता दोहराई । डॉ अवधेश प्रताप सिंह, डॉ डी के सिंह, डॉ आर पी मिश्रा, डॉ एस एन त्रिपाठी व डॉ नीरज सिंह सहित कृषि संकाय के सभी प्राध्यापकों नें आज के श्रमदान कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। कार्यक्रम सफलता हेतु संस्थान के प्राचार्य प्रोफेसर आलोक कुमार सिंह, आई क्यू ए सी निदेशक प्रोफेसर प्रवीण कुमार सिंह , उप प्राचार्य प्रो.राधेश्याम सिंह, मुख्य अनुशास्ता सुधांशु प्रताप सिंह व अन्य वरिष्ठ प्राध्यापकों नें सभी को शुभकामनाएँ प्रेषित करते हुए विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की ।

## बी-पैक्स सदस्यता महा अभियान का हुआ समापन

लखनऊ(संवाददाता)। प्रदेश में 01 से 30 सितंबर 2023 तक चलने वाले बी–पैक्स सदस्यता महा अभियान ने अभूतपूर्व एवं ऐतिहासिक सफलता प्राप्त की है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में चलाए गए इस महा अभियान में 20 लाख लक्ष्य के सापेक्ष 26.16 लाख बी–पैक्स में नए सदस्य बने तथा 63.49 करोड़ का अंशदान संचित हुआ। यह जानकारी आज प्रदेश के सहकारिता राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार जेपीएस राठौर ने सहकारिता भवन के पीसीयू सभागार में बी–पैक्स सदस्यता महा अभियान के समापन अवसर पर दी। इस अवसर पर सहकारिता मंत्री ने कहा कि बी–पैक्स सदस्यता महा अभियान प्रदेश में सहकारिता आंदोलन को नई दिशा देने में मील का पत्थर साबित होगा। अभियान की सफलता यह दर्शाती है कि सहकारी क्षेत्र में आमजन का विश्वास बढ़ा है तथा प्रदेश सरकार की एक ट्रिलियन इकोनामी को प्राप्त करने में सहायक होगी। श्री राठौर ने कहा कि बी–पैक्स सदस्यता महा अभियान की सफलता से जिला सहकारी बैंकों का कैपिटल बेस मजबूत होगा तथा ऋण वितरण में वृद्धि होगी। बी–पैक्स को भी 10 लाख तक की कैश क्रेडिट लिमिट दी जाएगी, जिससे किसानों को बी–पैक्स के माध्यम से खाद,बीज की उपलब्धता सुलभ होगी ।श्री राठौर ने बताया कि बी–पैक्स के माध्यम से नए कृषक सदस्यों को अन्य बैंकों से सस्ती दर पर 03 प्रतिशत ब्याज पर फसली ऋण की सुविधा दी जाएगी तथा फार्म मेकेनाइजेशन हेतु दीर्घकालीन ऋण कि सुविधा 05 से 07 वर्ष हेतु उपलब्ध कराई जाएगी। मत्स्य पालक कृषकों को प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना से एवं पशुपालकों को नंद बाबा दुग्ध मिशन योजना से जोड़ा जाएगा तथा 03 प्रतिशत ब्याज पर केसीसी के माध्यम से ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। अकुशल, कुशल कामगारों को 'लेबर क्लब' बनाकर ऋण उपलब्ध कराया जाएगा तथा रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। इन्हें श्रम विभाग की योजनाओं का लाभ भी दिलाया जाएगा। कृषक उत्पादक समूहों का बी–पैक्स के साथ एमओयू बनाकर निर्यात एवं स्थानीय बाजार का प्लेटफार्म भी उपलब्ध कराने की सुविधा दी जाएगी। इसके अतिरिक्त जन औषधि केंद्र के रूप में सस्ती एवं गुणवत्तापरक जेनेरिक दवाएं कृषकों को उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि एआईएफ योजना में कृषक उत्पादक समूहों की प्रक्रिया इकाई की स्थापना हेतु सस्ते ऋण की सुविधा जिला सहकारी बैंकों के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएगी। एफपीओ और पैक्स को ड्रोन की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी तथा पीएम स्वनिधि योजना में स्ट्रीट वेंडर को ऋण की सुविधा जिला सहकारी बैंकों के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएगी ।सहकारिता मंत्री ने बताया कि अभियान के दौरान बी–पैक्स में बने 26.16 लाख सदस्यों में 17,33,112 कृषक, 1,56,455 कुशल श्रमिक, 3,92,728 अकुशल श्रमिक, 2,20,207 पशुपालक तथा 6,411 मत्स्यपालकों ने बी–पैक्स की सदस्यता ग्रहण की। सबसे ज्यादा सदस्यता ग्रहण कराने तथा शेयर कैपिटल एकत्र करने में जनपद बुलंदशहर प्रथम स्थान पर रहा। बुलंदशहर में 1,11,816 बी–पैक्स में नए सदस्य बने तथा रु0 2,72,43,568.00 की शेयर कैपिटल एकत्र हुई। प्रति पैक्स सबसे ज्यादा औसत सदस्य बनाने एवं शेयर कैपिटल संचित करने में जनपद शाहजहांपुर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया ।इस अवसर पर चेयरमैन पीसीयू सुरेश गंगवार, चेयरमैन पीसीएफ वाल्मिकि श्रीपाठी, चेयरमैन हाफेड लवलेश प्रताप सिंह, प्रबंध निदेशक यूपीसीबी आरके कुलश्रेष्ठ, प्रबंधन निदेशक पीसीयू श्रीकांत गोस्वामी, प्रबंध निदेशक यूपीआरएनएसएस एके सिंह सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

## धरने पर बैठे संजय गांधी अस्पताल के कर्मी,कर्मचारियों को हर महीने 80 लाख वेतन देता है अस्पताल प्रशासन, रोजाना लौट रहे मरीज

अमेठी(संवाददाता)। जिले के मुंशीगंज स्थित संजय गांधी अस्पताल में एक महिला की मौत के बाद प्रशासन ने आनन फानन में अस्पताल का लाइसेंस निलंबित तो कर दिया लेकिन यह अस्पताल कहीं ना कहीं लोगों के लिए जीवनदायिनी का काम करता था। साथ ही सैकड़ों लोगों को रोजगार भी दे रहा था। जिससे उनके परिवार का भरण पोषण हो रहा था। बंद होने की कगार पर पहुंच चुके अस्पताल में रोज सैकड़ों मरीज इलाज के लिए आ रहे हैं। साथ ही पुराने मरीज भी अपना इलाज करवाने आ रहे हैं जिन्हें बैरंग वापस लौटना पड़ रहा है। वहीं अस्पताल के लाइसेंस बहाली की मांग को लेकर कर्मचारी पिछले कई दिनों से अस्पताल गेट के बाहर प्रदर्शन कर रहे। संजय गांधी अस्पताल में कुल 407 का स्टाफ है। जिसमें स्टाफ नर्स 34, सिक्युरिटी गार्ड 30, आफिस स्टाफ 174, पैथोलॉजी और ब्लड बैंक में 9 कर्मचारी तैनात थे। जबकि एक्सरे 3 और आपरेटर 9 थे। अस्पताल के मैनेजर एडमिन सुरेश कुमार सिंह की मानें तो अस्पताल का लाइसेंस निलंबित होने के बाद करीब 100 मरीजों का इलाज वेटिंग में है। जिसमें सबसे ज्यादा हड्डी का आपरेशन, गायनी, चेस्ट, जनरल सर्जरी समेत अन्य उपचार शामिल हैं। अस्पताल में तैनात सभी स्टाफ, कर्मचारियों और डॉक्टरों का वेतन करीब 80 लाख रुपए है। जिसमें स्टाफ नर्स का वेतन 11 हजार से 15 हजार रुपए तक है। जबकि सिक्युरिटी गार्ड का वेतन 10 से 12 हजार रुपए है। वहीं आफिस स्टाफ का वेतन 17 से 18 हजार रुपए है। डाक्टरों का वेतन 50 हजार से लेकर ढाई लाख रुपए तक है। कुल मिलाकर अस्पताल प्रशासन की तरफ से अपने कर्मचारियों को करीब 80 लाख रुपए का वेतन दिया जाता है। इस कारण सालाना डेढ़ करोड़ से अधिक रुपए का नुकसान अस्पताल प्रशासन को होता है। अमेठी के मुंशीगंज में संचालित हो रहे संजय गांधी अस्पताल में इलाज करवाने आसपास के जिलों प्रयागराज, बाराबंकी, सुल्तानपुर, प्रतापगढ़, रायबरेली समेत अन्य जिलों के मरीज आते थे।

# ट्रेड शो ने उद्यमियों को दिखाई देश-विदेश में कारोबार की राह

बाराबंकी(संवाददाता)। पिछले दिनों नोएडा में हुए यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में जिले के उद्यमियों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया था। यहां उद्यमियों ने ओडीओपी के साथ ही अन्य तमाम उत्पादों के 19 स्टॉल लगाए थे। ट्रेड शो में आए विभिन्न देशों के खरीदारों के अलावा देश के अलग–अलग प्रांतों के व्यापारियों ने भी हिस्सा लिया था। एक जनपद एक उत्पाद घोषित बाराबंकी का स्टोल, मसाले और शहद राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय एक्सपोर्टर को खूब भाया। यही वजह है कि इनके पास उत्पादों के लिए कई राज्यों और देशों से उत्पादों की जानकारी और ऑर्डर के लिए फोन आ रहे हैं। ट्रेड शो ने जिले के उद्यमियों को देश–विदेश में कारोबार की राह दिखाई है। ग्रासरूट फाउंडेशन की सीईओ अपर्णा मिश्रा की ओर से आर्गेनिक तरीके से शहद तैयार किया जाता है। इसमें साधारण शहद के साथ बबूल, शीशम, मस्टर्ड, यूकेलिप्टिस, लीची व मल्टी फ्लोरा जैसी तमाम वैरायटी का शहद है। इन्हें ट्रेड शो के दौरान दिल्ली के एक उद्यमी से 25 किग्रा. शहद का ऑर्डर मिला। इसके साथ ही राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली समेत कई प्रांतों से मांग आ रही है। इनके शहद को खूब पसंद किया जा रहा है। स्टोल व स्कॉर्फ के एक्सपोर्टर प्रदीप जैन बताते हैं कि इंटरनेशनल ट्रेड शो में उनके स्टॉल पर कई देशों के खरीदारों ने विजिट की थी। वर्तमान में उनके पास दिल्ली के साथ नाइजीरिया, ऑस्ट्रेलिया व स्विट्जरलैंड से उद्यमी ओडीओपी के बारे में जानकारी प्राप्त कर रहे हैं। जल्द ही विदेशों से भी ऑर्डर मिलने की संभावना है। लालाजी मसाले के सीईओ रंजीत श्रीवास्तव बताते हैं कि ट्रेड शो में कई देशों के प्रतिनिधि पहुंचे। बड़ी संख्या में देश और विदेश के खरीदारों ने उत्पाद के बारे में जानकारी ली और कई लोगों ने लेमन ग्रास जैसे एसेंस के बारे में जानकारी ली। इसका लाभ आने वाले दिनों में जरूर देखने को मिलेगा।

# एक तारीख 01 घण्टा स्वच्छता के लिए श्रमदान कार्यक्रम के कम में जनपद फतेहपुर की 816 ग्राम पंचायतों साफ-सफाई अभियान चलाया गया

फतेहपुर(संवाददाता)। एक तारीख 01 घण्टा स्वच्छता के लिए श्रमदानष कार्यक्रम के कम में जनपद फतेहपुर की 816 ग्राम पंचायतों साफ–सफाई अभियान चलाया गया। जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों में मा० जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियो, ग्रामवासी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत 1514 सफाई कर्मचारियों श्रमदान कार्यक्रम में प्रतिभाग किया।1. उपेन्द्र राज सिंह जिला पंचायत राज अधिकारी द्वारा व राहुल मिश्रा खण्ड विकास अधिकारी तेलियानी, सहायक विकास अधिकारी (पं०), सचिव, विश्वनाथ तिवारी, जिला समन्वयक स्वच्छ भारत मिशन, सुनीत द्विवेदी वरिष्ट सहायक पंचायत राज विभाग आदमपुर घाट विकास खण्ड तेलियानी में स्वयं सहायता समूह की महिला व ग्रामवासी श्रमदान एवं स्वच्छता शपथ का आयोजन किया गया।

2. पंचायती राज विभाग द्वारा आयोजित ष्एक तारीख 01 घण्टा स्वच्छता के लिए श्रमदानष कार्यक्रम में मा० विधायक अयाहशाह द्वारा बहुआ विकास खण्ड की ग्राम पंचायत पैनाखुर्द एवं मा० विधायक जहानाबाद द्वारा अमौली विकास खण्ड की अमौली ग्राम पंचायत में आयोजित श्रमदान कार्यक्रम में प्रतिभाग किया गया।

3. पंचायती राज विभाग द्वारा आयोजित ष्एक तारीख 01 घण्टा स्वच्छता के लिए श्रमदान कार्यक्रम में ब्लाक प्रमुख ऐराया अनुज प्रताप सिंह द्वारा ग्राम पंचायत खरगूपुर बरगला, ब्लाक प्रमुख अमौली सुशीला सिंह द्वारा ग्राम पंचायत अमौली में, ब्लाक प्रमुख असोथर शत्रुधन द्वारा ग्राम पंचायत गढी में, ब्लाक प्रमुख भिटौरा अमित कुमार तिवारी द्वारा ब्लाक प्रमुख देवमई सोनम पटेल द्वारा ग्राम पंचायत देवमई में, ब्लाक प्रमुख धाता प्रदीपिका सिंह द्वारा ग्राम पंचायत ब्लाक परिसर में ब्लाक प्रमुख हथगाम द्वारा ग्राम पंचायत छिवलहा, ब्लाक प्रमुख खजुहा सुनीता उत्तम द्वारा ग्राम पंचायत अरईपुर ब्लाक प्रमुख मलवा शशी रमनजीत सिंह द्वारा ग्राम पंचायत साई में ब्लाक प्रमुख तेलियानी पुष्पा देवी द्वारा ग्राम पंचायत सराय सहिजादा के ब्लाक प्रमुख विजयीपुर नेहा त्रिवेदी द्वारा ग्राम पंचायत त्रिलोचनपुर में श्रमदान किया गया।

4. उपरोक्त श्रमदान कार्यक्रम में उपस्थित लोगों द्वारा प्रतिवर्ष 100 घण्टे ६ प्रति सप्ताह 02 घण्टे श्रमदान करने की शपथ भी ली गयी।

5. उक्त कार्यक्रम की पयर्वेक्षण है विकासखण्डवार 13 जिला स्तरीय अधिकारियों की नियुक्ति की गई तथा सभी 816 ग्राम पंचायतों के लिए भी पृथक–पृथक नोडल अधिकारी नामित किये गये ।

6. विकास भवन, विकास खण्ड एवं ग्राम पंचायत स्तर पर स्थापित कार्यालयों एवं परिसर में अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा साफ–सफाई करते हुये श्रमदान किया गया।

7. ग्राम पंचायतों में स्थापित परिषदीय विद्यालयों में शिक्षकों एवं बच्चों द्वारा भी साफ–सफाई करते हुये श्रमदान किया गया।

8. ग्राम पंचायतों में स्थापित गौशालाओं में भी ग्राम प्रधानों, पंचायत सचिवों, सफाई कर्मचारियों द्वारा साफ–सफाई करते हुये श्रमदान किया गया ।

# भाजयुमो महामंत्री समेत चोरी की तीन वारदातो का पुलिस ने किया खुलासा

## सोने-चांदी के जेवरात और नगदी की बरामद, एक गिरफ्तार

## नशे की पूर्ति के लिए साथी संग मिलकर करता था चोरी- एएसपी

संवाददाता

फतेहपुर। भाजयुमो महामंत्री समेत तीन अलग–अलग स्थान पर हुई चोरियों का खुलासा करते हुए पुलिस ने एक शातिर को गिरफ्तार किया है। एक साथी फरार है। पुलिस ने सोने चांदी के जेवरात और नगदी बरामद की है। पुलिस लाइन के सभगार में अपर पुलिस अधीक्षक विजय शंकर मिश्रा ने घटनाओ का खुलासा करते हुए बताया की शनिवार की दोपहर भाजपा नेता प्रसून तिवारी के साईं सिटी जेल रोड स्थित घर से अज्ञात चोर लाखों के जेवर और 25 हजार नगदी चुरा ले गया था। आरोपी बगल के सीसीटीवी में कैद हुआ था। फोटो के आधार पर कोतवाल शमशेर बहादुर, स्वाट प्रभारी रवीन्द्र श्रीवास्तव अपनी टीम के साथ चोर की तलाश में जुट गए। रविवार को भिटौरा बाईपास के पास से पुलिस टीम ने शातिर अशोक बेलदार निवासी बाकरगंज को गिरफ्तार किया। आरोपी का एक साथी दिनेश फरार हो गया।

पुलिस ने आरोपी के पास से चोरी के जेवरात और 11500 रुपया नगद बरामद किए। कडाई से पूछताछ करने पर आरोपी ने दो अन्य स्थानों पर अपने साथी के साथ चोरी करना कबूल किया। आरोपी ने कबूला कि शनिवार को बिसौली रोड भिटौरा चौराहा निवासी शैलधर द्विवेदी के यहां साथी के साथ मिलकर चोरी की थी। इसके अलावा राधा नगर थाना क्षेत्र के जयराम नगर निवासी प्रकाश के घर का ताला तोड़कर जेवर और 5000 की नगदी चुराई थी। अपर पुलिस अधीक्षक विजय शंकर मिश्र ने बताया कि आरोपी के खिलाफ पहले से भी कई मुकदमे दर्ज हैं। आरोपी शातिर किस्म का अपराधी है। यह नशे का लती है नशे की पूर्ति के लिए शहर में घूम–घूम कर चोरी की वारदातों को अंजाम देता था।

# मीटर रीडर की वजह से अब किसी को नहीं होना पड़ेगा परेशान

संवाददाता

फतेहपुर । विद्युत वितरण उपखंड प्रथम सदर फतेहपुर के अंतर्गत आने वाले उपभोक्ताओं के लिए मीटर रीडर रैंकिंग का मानक तैयार किया गया है। जिसमें गलत रीडिंग के चलते उपभोक्ताओं को होने वाली परेशानी से निजात मिलेगी। मानक में प्रत्येक गलत बिलिंग पर एक अंक होगा, इस प्रकार 10 गलत बिल बनाने पर मीटर रीडर को बाहर कर दिया जाएगा। जिस मीटर रीडर की बिलिंग गुणवत्ता सर्वश्रेष्ठ होगी, उसे सम्मानित किया जाएगा

प्रतिदिन लगभग 30–40 उपभोक्ता गलत बिलिंग से परेशान होते है, उक्त आदेश से काफी उपभोक्ताओ को परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ेगा।

उपखंड अधिकारी प्रथम इंजीनियर एम एम सिद्दीकी ने बताया कि उपखंड कार्यालय में प्रतिदिन आ रहे प्रार्थना पत्र में लगभग 70–80: प्रार्थना पत्र गलत रीडिंग के कारण आते है, जिनमें उपभोक्ताओं को बिला वजह परेशान होना पड़ता है। मीटर रीडर रैंकिंग होने से गलत बिल बनाने की सम्भावना कम हो जाएगी।

# पूर्व सैनिकों ने स्वच्छता अभियान में किया श्रमदान

फतेहपुर(संवाददाता) ।अक्टूबर को पूर्व सैनिक संयुक्त संगठन की मासिक बैठक का आयोजन आवास विकास कार्यालय में संपन्न हुई सबसे पहले संगठन द्वारा भारत स्वच्छता अभियान मे सभी ने आवास विकास के शिव विराजमान पार्क में श्रमदान किया उसके उपरांत संगठन के हवलदार मनोज कुमार सिंह हवलदार सुभाष सिंहनायक प्रवीण कुमार का केक काटकर जन्मदिन मनाया गया एवं अध्यक्ष कैप्टन हरिशंकर सिंह चौहान ने अपने संबोधन में 4 तारीख को शहीद शुभम सिंह कमांडो की प्रतिमा अनावरण में मौहर जाने के लिए कहां लाइसेंस नवीनीकरण के मुद्दे पर योगी आदित्यनाथ को ज्ञापन देने के लिए विचार विमर्श किया और सभी पूर्व सैनिकों को संगठित रहने के लिए प्रेरित किया जनपद की नई डीएम महोदय का स्वागत करने के लिए और डीएम श्रुति को जनपद मे अच्छे कार्य करने के लिए संगठन द्वारा सराहना की गई इस मौके पर संगठन के संयोजक सूबेदार सुरेंद्र सिंह कछवाह कोषाध्यक्ष राम सिंह यादव मीडिया प्रभारी राम प्रकाश कुशवाहा सूबेदार सत्तार खान सूबेदार मेजर सी बी शुक्ला सूबेदार गोरेलाल विजय शंकर सिंह सी एल पाल साहब सूबेदार चतुर सिंह नाश्ता अयोध्या पाल हवलदार प्रवीण कुमार मनोज कुमार सिंह शत्रुघ्न सिंह अमर सिंह गौर रामकिशोर बाजपेई कैप्टन डी एस शुक्ला हवलदार सुभाष सिंह रमेश प्रसाद उमा देवी शुक्ला हरिश्चंद्र त्रिपाठी नरेश कुमार और काफी संख्या में संगठन के पदाधिकारी एवं सदस्य एकत्रित रहे ।

# भारतीय जनता पार्टी के सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत स्वच्छता अभियान के तहत आज पंडित अटल बिहारी बाजपेई पार्क वं तामेश्वर मंदिर में स्वच्छता कार्यक्रम चलाया गया

फतेहपुर(संवाददाता)। भारतीय जनता पार्टी के सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत स्वच्छता अभियान के तहत आज पंडित अटल बिहारी वाजपई पार्क एवं तामेश्वर मंदिर में स्वच्छता कार्यक्रम चलाया गया जिसमें उत्तर प्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री माननीय राकेश सचान एवं जिला अध्यक्ष भाजपा माननीय मुख लाल पाल एवं सदर विधानसभा के पूर्व विधायक विक्रम सिंह ने सैकड़ो कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी के साथ स्वच्छता कार्य कर स्वच्छता का संदेश दिया मा. केबिनेट मंत्री एवं जिला अध्यक्ष ने लगभग एक–एक घंटे दोनों परिसरों में श्रमदान कर गंदगी एवं प्रदूषित वातावरण के खिलाफ अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करते हुए कहा कि हिंदुस्तान की यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी के आह्वान पर स्वच्छ भारत अभियान जन आंदोलन बन चुका है ,देश स्वच्छता के क्षेत्र में नित्य नवीन कीर्तिमान स्थापित कर रहा है जिसकी चर्चा समूचे अंतरराष्ट्रीय जगत में हो रही है इस अवसर पर महामंत्री पुष्पराज पटेल, उदय लोधी, कुलदीप भदोरिया,धनंजय द्विवेदी, मनोज मिश्रा, अभिषेक शुक्ला, देवनाथ धाकड़े, विनोद सिंह, संतोष पटेल, विवेक श्रीवास्तव, ष्धीरूष्पंकज त्रिपाठी,उमेश गुप्ता,आशीष मिश्रा,ष्बेलूष बच्चा तिवारी,स्वरूप राज सिंह,ष्जूलीष समेत दर्जनों पदाधिकारी एवं सैकड़ो कार्यकर्ता श्रमदान कर स्वच्छता का संदेश दिया।

# यूनिक कार बाजार का मोहम्मद रजा खान ने फीता काटकर किया भव्य उद्घाटन

फतेहपुर (संवाददाता)।जीटी रोड डाक बंगला के समीप यूनिक कार बाजार का भव्य उद्घाटन मोहम्मद रजा खान ने फीता काटकर किया संचालक मोहम्मद आरिफ खान ने बताया कि हमारे यहां मोटरसाइकिल से लेकर फोर व्हीलर व ट्रक तक का खरीदारी और बेची जाएगी जिसमें आरटीओ, बीमा व फाइनेंस की सुविधा उपलब्ध है इस अवसर पर मोहम्मद इरफान मोहम्मद शाहिद रजा पूर्व प्रधान सगीर मोहम्मद शानू साजिद रजा अरसलान करीमी तजनीम करीमी सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

# रोड हादसे में घायल बाइक चालक की इलाज के दौरान मौत

फतेहपुर(संवाददाता)। जिले की खागा कोतवाली क्षेत्र के एनएच 2 बाईपास पर तेज रफ्तार अज्ञात वाहन बाइक चालक को टक्कर मारता हुआ निकल गया था। घटना की सूचना पर पहुंची सरकारी एम्बुलेन्स घायलो को इलाज के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया था। जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के गढ़ाई मोहल्ला निवासी जगत पाल का 45 वर्षीय पुत्र रोहित सिंह व जय नरेश उर्फ लाला 19 सितम्बर को बाइक पर सवार होकर किसी काम से जा रहे थे। जब वह खागा एनएच 2 बाईपास पर पहुंचे तभी अज्ञात वाहन उनकी बाइक को टक्कर मारता हुआ निकल गया था। घटना की सूचना पर पहुंची सरकारी एम्बुलेन्स घायलो को इलाज के लिए जिला अस्पताल पहुंची थी। जहां डॉक्टर ने रोहित की हालत गम्भीर देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद कानपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया था। वहाँ से कल लखनऊ इलाज के लिए ले जाते समय रास्ते मे उसकी मौत हो गई तो शव को पोस्टमार्टम के लिए फतेहपुर भेज दिया गया।

# बाइक की टक्कर से पैदल जा रही महिला घायल, जिला अस्पताल में भर्ती

फतेहपुर(संवाददाता)। जिले के खखरेरू थानां क्षेत्र के अढ़ईया गाँव के समीप किसी काम से पैदल जा रही महिला को रोड से गुजरे एक तेज रफ्तार बाइक चालक ने टक्कर मार दिया। बाइक की टक्कर से महिला रोड पर गिरकर खून से लतफत हो गई। घटना की जानकारी उसके परिजनों को हुई तो तुरन्त घायल अवस्था मे इलाज के लिए नजदीकी स्वास्थ केंद्र लेकर पहुंचे। जानकारी के अनुसार थानां क्षेत्र के अढ़ईया गाँव

निवासी राम चन्द्र की 55 वर्षीय पत्नी राम सवारी गाँव के समीप किसी काम से पैदल जा रही थी। तभी रोड से गुजरे एक तेज रफ्तार बाइक चालक ने उसको टक्कर मार दिया। बाइक की टक्कर से राम सवारी रोड पर गिरकर खून से लतफत हो गई। घटना की जानकारी उसके परिजनों को हुई तो तुरन्त घायल अवस्था मे इलाज के लिए खखरेरू स्वास्थ के केंद्र लेकर पहुंचे। जहाँ डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद सरकारी एम्बुलेन्स से उसको जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। वही जिला अस्पताल पहुंचने पर ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर महिला को भर्ती कर उसका इलाज कर रहे है।

# शिक्षाविद अवध ओझा द्वारा आर0एस0एक्सेल इंग्लिश अकेडमी में आयोजित सेमिनार को किया सम्बोधित

फतेहपुर(संवाददाता)। शिक्षाविद अवध ओझा द्वारा आर०एस० एक्सेल इंग्लिश अकेडमी में आयोजित सेमिनार को संबोधित करके प्रांगण में ब्छछ।ठ–2023 सेमिनार का आयोजन इकरा आई ए एस के डायरेक्टर शाह फैजल के तत्वाधान में किया गया। ब्छछ।ठ–2023 सेमिनार सुप्रसिद्ध इतिहास विद् एवं न्च्ैब् के शिक्षक अवध ओझा के आगमन एवं नवयुवकों, विद्यार्थियों को भविष्य की न्च्ैब् की तैयारी एवं लक्ष्य निर्धारण से सम्बन्धित था। इस सेमिनार में जिले के सभी 2500 विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया सभी विद्यार्थी ओझा सर को सुनकर व देखकर भाव विभोर हो उठे। विद्यालय का प्रांगण अतिथियों, विद्यार्थियों एवं साधारण जन से

खचाखच भरा हुआ था। ओझा सर ने बच्चों को साधारण बने रहने एवं लक्ष्य कभी न दिमाग से विस्मृत हो ऐसा मंत्र दिया। ब्छछ।ठ सेमिनार में आर० एस० एक्सेल इंग्लिश अकेडमी के बच्चों ने रंगारंग कार्यक्रम जैसे स्वागत गीत, सरस्वती वन्दना प्रस्तुत किए जिससे सेमिनार में चार चाँद लग गए। ओझा सर का स्वागत स्कूल के प्रबंधक मयूर गुप्ता ने एवं मोहम्मद शाह फैजल का स्वागत स्कूल के प्रधानाचार्य एवं प्रधानाचार्या द्वारा अंग वस्त्र एवं प्रतीक चिन्ह देकर किया गया इस उपलक्ष्य में विद्यालय प्रबंधक मयूर गुप्ता, विद्यालय के प्रधानाचार्य धर्मेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, प्रधानाचार्या श्रीमती दीना श्रीवास्तव एवं समस्त शिक्षक गण उपस्थित रहे।

# यातायात पुलिस ने यातायात संचालन के नियम व संकेत का प्रशिक्षण देते हुए यातायात नियमो का प्रचार ऑडियो के माध्यम से किया

फतेहपुर(संवाददाता)। पुलिस अधीक्षक फतेहपुर उदय शंकर सिंह के निर्देशन में व क्षेत्राधिकारी नगर/ यातायात वीर सिंह के कुशल पर्यवेक्षण में यातायात प्रभारी मनोजकुमार सिंह यातायात पुलिस में नियुक्त होमगार्ड पीआरडी के कर्मचारी गणों को यातायात संचालन के नियम व संकेत का

प्रशिक्षण देते हुए यातायात नियमको का प्रचार ऑडियो के माध्यम से , सदर अस्पताल तिराहा, बाकरगंज,नुऊवाबाग तिराहा, भिटौरा बाईपास,बुलेट चौराहा , ,ज्वालागंज तिराहा देवीगणज, आदि चौराहे पर किया गया। इसके साथ साथ लखनऊ बाईपास से अतिक्रमण हटवाया गया।

# विद्युत विभाग की चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी सावित्री देवी का रिटायर मेंट(विदाई समारोह)कार्यक्रम विभाग ने बड़ी धूमधाम से मनाया

फतेहपुर (संवाददाता)। विद्युत विभाग की चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी सावित्री देवी का रिटायर मेंट (विदाई समारो )कार्यक्रम में राज मंगल सिंह अधिशासी अभियंता चंद्रेश रायजादा ने कहा सावित्री देवी का कार्यकाल बहुत ही सराहनीय था एवं जो भी कार्य दिया जाता था उन्हें वह बहुत ही शालीनता एवं शांतिपूर्ण ढंग से कार्य करती रही है आज उनका रिटायरमेंट है उसमें सभी कर्मचारी अपने–अपने विचार प्रकट किए एवं उन्हें बधाई एवं विदाई दी इस मौके पर समस्त स्टाफ विद्युत विभाग की तरफ से बड़े बाबू अरविंद सरोज सुंदरम यादव राघवेंद्र कुमार अरविंद दिवाकर उपखंड मलवा प्रवीण कुमार उपखंड अधिकारी अभिजीत शाह जितेंद्र कुमार मौर्य वरुण मौर्य प्रदीप मौर्या सहित समस्त कर्मचारी मौजूद रहे।

# नाक से सांस लेना ज्यादा बेहतर है या मुंह से? जानें रनिंग के दौरान कौन सा तरीका है बेस्ट

श्वास अवचेतन है। हमें इसके बारे में सोचने की जरूरत नहीं है–यह बस हो जाता है। लेकिन जब हम व्यायाम करते हैं, तो हममें से कई लोग इसके प्रति सामान्य से अधिक जागरूक हो जाते हैं – कभी–कभी हम अपनी हर सांस के बारे में सोचते हैं। कम और मध्यम तीव्रता वाले व्यायाम (जैसे पैदल चलना और साइकिल चलाना) के दौरान, हममें से अधिकांश लोग अपनी नाक से सांस लेते हैं और अपने मुंह से सांस छोड़ते हैं। लेकिन व्यायाम जितना अधिक तीव्र होता जाता है, उतना ही हम पूरी तरह मुंह से सांस लेने लगते हैं।

नाक से सांस लेने को बेहतर तकनीक मानते हैं लोग

हममें से अधिकांश लोग यह मानेंगे कि गहन व्यायाम के दौरान मुंह से सांस लेना सबसे अच्छी तकनीक है, क्योंकि यह हमारी मांसपेशियों तक अधिक ऑक्सीजन पहुंचने में मदद देता है। लेकिन सबूत इसके विपरीत दिखाते हैं–और यह कि आपकी नाक से सांस लेना वास्तव में गहन व्यायाम (जैसे दौड़ना) के दौरान उपयोग करने के लिए एक बेहतर तकनीक हो सकती है। अध्ययनों की एक श्रृंखला से पता चला है कि विभिन्न तीव्रता पर व्यायाम करते समय, मुंह से सांस लेने की तुलना में नाक से सांस लेने पर कम ऑक्सीजन का उपयोग होता है। हालांकि यह कोई फायदा नहीं लग सकता है, लेकिन मूल रूप से इसका मतलब यह है कि शरीर कम ऑक्सीजन का उपयोग करते हुए भी उतनी ही मात्रा में व्यायाम कर सकता है। यह विशेष रूप से अधिक सहनशक्ति वाले एथलीटों के लिए एक वास्तविक लाभ हो सकता है क्योंकि गति को अधिक समय तक बनाए रखना ही सफलता का मूलमंत्र है।

नाक से नहीं खींच सकते ज्यादा ऑक्सीजन

ऑक्सीजन को कार के लिए ईंधन की तरह समझें। एक कार प्रति गैलन जितने कम ईंधन का उपयोग करती है उसकी ष्ईंधन अर्थव्यवस्थाष उतनी ही बेहतर होती है। यही बात ऑक्सीजन पर भी लागू होती है। चलते हुए पैदल यात्री जितनी कम ऑक्सीजन का उपयोग करेगा, व्यक्ति उतनी ही कम ऊर्जा का उपयोग करेगा (और इसलिए वह उतना ही अधिक किफायती होगा)। इसका मतलब है कि आप जल्दी थके बिना आगे दौड़ने में सक्षम हो सकते हैं। इसके अलावा, आपकी नाक से सांस लेने से हवा की मात्रा कम हो जाती है। यह समझ में आता है, क्योंकि नाक आपके मुंह से बहुत छोटी होती है, इसलिए आप एक समय में इतनी अधिक ऑक्सीजन नहीं खींच सकते। लेकिन इस अध्ययन में यह भी पाया

गया कि व्यायाम करते समय लोग अपनी नाक से कम बार सांस लेते हैं, जो कम तर्कसंगत लगता है। यहां मुख्य बात यह समझना है कि हवा उच्च दबाव से कम दबाव की ओर जाती है ताकि उसे फेफड़ों में जाने में मदद मिल सके। इसलिए यद्यपि मुंह की तुलना में नाक गुहा में हवा की मात्रा कम होती है, लेकिन दबाव अधि

क होता है – जिसका अर्थ है कि हवा श्वसन प्रणाली में अधिक तेजी से प्रवेश करती है।

नाक से सांस लेने के हैं ज्यादा फायदे

इसका परिणाम यह होता है कि काम करने वाली मांसपेशियों तक ऑक्सीजन अधिक तेजी से पहुंचाई जा सकती है। प्रति सांस अधिक ऑक्सीजन भी निकलती है, जो बताता है कि एक ही व्यायाम के दौरान मुंह या नाक से सांस लेने पर हृदय गति में कोई अंतर क्यों नहीं होता है। इसलिए कम मात्रा में ऑक्सीजन आने के बावजूद, यह इंगित करता है कि हृदय को इसे मांसपेशियों तक पहुंचाने के लिए अधिक मेहनत करने की आवश्यकता नहीं है। इसका मतलब यह है कि व्यायाम के दौरान नाक से सांस लेने पर हृदय पर कोई अतिरिक्त दबाव नहीं पड़ता है। शोधकर्ताओं का यह भी सुझाव है कि नाक से सांस लेने से नाइट्रिक ऑक्साइड का उत्पादन बढ़ जाता है, जिससे न केवल फेफड़ों और मांसपेशियों तक ऑक्सीजन पहुंचना आसान हो जाता है, बल्कि यह वायुजनित रोगजनकों (जैसे वायरस) को भी रोक सकता है।

व्यायाम के दौरान जागरूक रहने की जरूरतनाइट्रिक ऑक्साइड रक्तचाप को कम करके और रक्त प्रवाह को अधिक आसानी से मदद करके ऐसा करता है, जिससे काम करने वाली मांसपेशियों तक आवश्यक ऑक्सीजन पहुंच जाती है। कुल मिलाकर, ऐसा लगता है कि दौड़ते समय आपकी नाक से सांस लेना वास्तव में फायदेमंद हो सकता है। यह आपकी गतिविधियों को अधिक किफायती बनाता है, आपके सांस लेने वाले वायुजनित कणों की मात्रा को कम करता है, व्यायाम करने वाले रक्तचाप को कम करता है और ऑक्सीजन को काम करने वाली मांसपेशियों तक अधिक प्रभावी ढंग से पहुंचने में मदद करता है। अन्य प्रकार के व्यायामों (जैसे वजन उठाना) के लिए साक्ष्य कम स्पष्ट हैं, जिनमें कम, तीव्र प्रयास की आवश्यकता होती है। इस प्रकार के व्यायाम ऑक्सीजन के अलावा अन्य स्रोतों से ऊर्जा खींचने पर निर्भर करते हैं–जैसे कि हमारी मांसपेशियों में संग्रहीत चीनी (ग्लूकोज)। लेकिन ये चयापचय प्रक्रियाएं, जो व्यायाम के दौरान समाप्त हो जाती हैं, उन्हें ठीक होने के लिए ऑक्सीजन की ही आवश्यकता होती है। व्यायाम के बीच में आराम करते समय अपनी नाक से गहरी सांस लेने से इस प्रक्रिया को और अधिक बेहतर तरीके से होने में मदद मिल सकती है। लेकिन हालाँकि यह सब अविश्वसनीय रूप से सकारात्मक और उत्साहवर्धक लगता है, लेकिन कुछ नकारात्मक बातें भी हैं जिनके बारे में जागरूक होना जरूरी है। व्यायाम के दौरान केवल अपनी नाक से सांस लेना एक बहुत ही सीखी जाने वाली प्रक्रिया है। इसे तुरंत लागू नहीं किया जाना चाहिए

यदि आप इसे प्रशिक्षण के बिना शुरू करते हैं, तो इससे ष्वायु भूखष पैदा हो सकती है–एक ऐसी प्रक्रिया जिसके तहत प्रत्येक सांस के अंत में थोड़ी मात्रा में कार्बन डाइऑक्साइड बरकरार रहती है। इससे असुविधा और हाइपरवेंटिलेशन हो सकता है। किसी भी चीज की तरह, अभ्यास परिपूर्ण बनाता है। अपनी नाक से सांस लेना सीखते समय, सुनिश्चित करें कि आप हवा को जबरदस्ती अंदर न डालें। कोशिश करें और इस प्रक्रिया में आराम करें। सुनिश्चित करें कि आपकी जीभ आपके मुंह के शीर्ष पर है, क्योंकि इससे जबड़े और चेहरे की मांसपेशियों को आराम मिलता है जिससे आपकी नाक के माध्यम से गहरी सांस लेना आसान हो जाता है। हो सकता है कि आप शुरुआत में अपनी नाक और मुंह से सांस लेने के बीच बदलाव करना चाहें, जब तक कि आपको पूरी तरह से अपनी नाक से सांस लेने की आदत न हो जाए। जितना अधिक आप ऐसा करेंगे, प्रक्रिया उतनी ही अधिक अवचेतन होती जाएगी। व्यायाम करते समय नाक से सांस लेना बहुत प्रभावी हो सकता है। बस अभ्यास करना सुनिश्चित करें और नुकसान से बचने के लिए अपने शरीर को समायोजित होने का समय दें।

# निकल आई हैं तोंद तो घर पर करें ये एक्सरसाइज, वेट और पेट दोनों होंगे कम

इन दिनों महिलाओं के बीच पिलाटेस एक्ध्सरसाइज का क्रेज काफी ज्यादा बढ़ रहा है। पिलाटेस एक्ध्सरसाइज में ऐसी एक्सरसाइज शामिल हैं, जो पूरे शरीर को एक्टिव करने का काम करती हैं। इसके साथ ही इस

एक्सरसाइज को करने से फिजिकल स्ध्ट्रेंथ और फ्लैक्सिबिलिटी बढ़ती है। इसके साथ ही इसे करने से आपकी मसल्स में मजबूती आती है। यह एक्सरसाइज काफी ज्यादा आसान हैं। इसे आप घर पर भी बेहद आसानी से कर सकती हैं।

बता दें कि बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण, आलिया भट्ट, कैटरीना कैफ और वाणी कपूर जैसे कई सेलेब्ध्स यह एक्सरसाइज करती हैं। जिसके कारण वह इतनी फिट दिखती हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको जिन एक्सरसाइज के बारे में बता रहे हैं, यह बिगनर्स के लिए बेस्ध्ट पिलाटेस एक्ध्सरसाइज हैं। पिलाटेस एक्ध्सरसाइज एक ऐसा रूप है, जिसे आप कभी भी और कहीं भी किया जा सकता है। आइए जानते हैं इन एक्सरसाइज के बारे में, जिन्हें आप घर पर आसानी से कर सकती हैं और फिट रह सकती हैं।

ब्रिज एक्ध्सरसाइज

पीठ के बल लेटते हुए घुटनों को मोड़कर पैरों को सीधा जमीन पर रखें।

अब अपनी हथेलियों को खोलकर हाथों को जमीन पर रखें।

फिर धीरे–धीरे पैरों के निचले हिस्से को ऊपर उठाएं।

इस दौरान कंधे और सिर को जमीन पर ही रखें।

इस पोजीशन में 2 सेकेंड रुकते हुए वापस अपनी सामान्य अवस्था में लौट आएं।

आप इस एक्सरसाइज को रोजाना 10–20 बार करें।

सिंगल लेग सर्कल्ध्स एक्ध्सरसाइज

इस एक्सरसाइज को करते समय पीठ के बल लेट जाएं।

अब दोनों हाथों को साइड में फैलाएं।

फिर पैरों को कंधे का चौड़ाई में खोलें।

अब अपने घुटनों को बिना मोड़े और सामने की तरफ एक पैर फैलाएं।

पैरों से सर्कल बनाएं, लेकिन ध्यान रहें कि इस दौरान पैर जमीन में टच न हो।

इसके बाद दूसरे पैर के यही एक्सरसाइज को करें।

शुरूआत में इस प्रक्रिया को कम से कम 15 बार करें।

हंड्रेड एक्ध्सरसाइज

इसे करने के लिए जमीन पर पीठ के बल लेट जाएं।

अब अपने घुटनों को 90 डिग्री के एंगल तक उठाएं।

फिर अपने शरीर को ऊपर की तरफ उठाएं।

इसके बाद हाथ को सामने की ओर स्ट्रेच करते हुए ऊपर–नीचे करें।

इस पोजीशन में थोड़ी देर तक रहें।

अब पैरों को सामने की तरफ स्ट्रेच करें।

फिर अपनी पुरानी पोजीशन में वापस आ जाएं।

इस एक्सरसाइज को कम से कम 10 बार करें।

साइड लेग किक्स एक्ध्सरसाइज

इस एक्सरसाइज को करने के लिए साइड करवट लेकर जमीन पर लेट जाएं।

फिर दाएं हाथ की मदद से शरीर को ऊपर की ओर उठाएं।

इसके बाद बाएं हाथ की कोहनी मोड़कर सिर के पीछे रख लें।

अब दाएं पैर की मदद से आगे और पीछे की तरफ किक करें।

इसी प्रक्रिया को दूसरी तरफ से भी ऐसे ही करें।

स्ध्वान एक्ध्सरसाइज

इस एक्सरसाइज को करने के लिए पीठ के बल लेट जाएं।

फिर हाथों को सामने की तरफ करें।

अब अपने हाथों की मदद से शरीर को ऊपर की तरफ उठाएं।

इसके बाद नीचे की तरफ आकर माथे को जमीन से लगाएं।

आप इस एक्सरसाइज को कई बार कर सकते हैं।

# दिल्ली के आसपास मौजूद हैं ट्रेकिंग की ये शानदार जगहें, वीकेंड को बना देंगी मजेदार

अधिकतर लोगों को घूमना–फिरना काफी ज्यादा पसंद होता है। ऐसे में लोग छुट्टियां मिलते ही घूमने के लिए निकल जाते हैं। लेकिन कई बार छुट्टियां नहीं मिलने पर हमारे पूरे प्लान पर पानी फिर जाता है। ऐसे में अगर आप भी इस समस्या से परेशान हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। बता दें कि इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि किस तरह से आप वीकेंड पर ट्रैकिंग का आनंद उठा सकते हैं। बता दें कि यह जगह दिल्ली के काफी पास हैं। ऐसे में आपको इन जगहों पर जाने में ज्यादा समय नहीं लगेगा। इन लोकेशन पर आप अपने दोस्तों के साथ जा सकते हैं।नाग टिब्बा ट्रैक बता दें कि उत्तराखंड के निचले हिमालय क्षेत्र की सबसे ऊंची चोटी में नाग टिब्बा ट्रेक का नाम शामिल है। अगर आप भी अपने दोस्तों के साथ ट्रेकिंग का प्लान बना रहे हैं तो आपको यह जगह जरूर एक्सप्लोर करनी चाहिए। 5–6 घंटे के अंदर आप इस इस ट्रैक को पूरा कर सकते हैं। यह जगह नाग टिब्बा एडवेंचर, हॉट डेस्टिनेशन, वीकेंड गेटअवे, विंटर ट्रेक्स के नाम से फेमस है।

नाग टिब्बा के सबसे पास जॉली ग्रांट हवाई अड्डा है। लेकिन अगर आप ट्रेन से यहां आना चाहते हैं तो आप देहरादून रेलवे स्टेशन से आ सकते हैं। जिसके बाद कीरब 73 किमी आगे जाना होगा। इसके बाद नाग टिब्बा की ट्रेकिंग शुरू होती है। इस जगह पर जाने के लिए आप के पास कम से कम 2 दिन का समय होना चाहिए। यहां से आप हिमालय का शानदार व्यू भी देख सकते हैं।

केदारकांठा शिखर

भारत में सबसे ज्यादा पसंद किये जाने वाले ट्रैक केदारकांठा शिखर बेहद खूबसूरत जगह है। बता दें कि उत्तरकाशी जिले में गोविंद वन्यजीव अभयारण्य के भीतर केदारकांठा स्थित है। इस जगह को एक्सप्लोर करने के लिए आपके पास 2 दिन का समय होना चाहिए। इस ट्रैक को शुरू करने के लिए आपको सांकरी पहुंचना होगा। वहीं पहले आपको दिल्ली से देहराहून आना होगा। केदारकांठा शिखर देहरादून से करीब 200 किमी दूर स्थित है। केदारकांठा ट्रैक की शुरुआत सांकरी से ही करनी होगा। इस जगह से आप हिमालय का शानदार नजारा देख सकते हैं।

त्रिउंड ट्रैक इस ट्रैक के बारे में काफी कम लोगों को पता है। त्रिउंड ट्रैक धौलाधार रेंज के निवास में ध र्मशाला से 18 किलोमीटर की दूरी पर है। इस ट्रैक को आप मैक्लोडगंज से शुरू कर सकते हैं। यह ट्रैक करीब 9 किमी का ट्रेक है। जिसे 4–6 घंटे में आसानी से पूरा किया जा सकता है। यहां से आप कई खूबसरत व कभी न भूलने वाले नजारों को देख सकते हैं। ऐसे में अगर आप अपने दोस्तों के साथ कोई छोटा ट्रेक प्लान कर रही हैं, तो आपको त्रिउंड ट्रेक पर जरूर जाना चाहिए।

# ऑनलाइन ब्लाउज खरीदते समय इन बातों का रखें खास ख्याल, बर्बाद हो सकता है पैसा

आजकल लोग बाजार जाकर घंटों शॉपिंग में वक्त बर्बाद नहीं करते हैं। क्योंकि मार्केट में मनपंसद चीज लेने के लिए एक दुकान से दूसरी दुकान का चक्कर लगाना पड़ता है। इसमें लोग परेशान भी होते हैं और उनका समय भी बर्बाद होता है। ऐसे में

मार्केट जाकर खरीददारी करने से ज्यादा अच्छा लोग घर बैठे ऑनलाइन शॉपिंग करना ज्यादा पसंद करते हैं। घर के सामान से लेकर पार्टी या फंक्शन के लिए आउटफिट तक आसानी से ऑनलाइन मिल जाते हैं।वैसे तो आप आसानी से ऑनलाइन हर आउटफिट खरीद सकती हैं। लेकिन कुछ कपड़े ऐसे होते हैं, जिन्हें ट्राई किए बिना लेना काफी मुश्किल होता है। क्योंकि इसमें फिटिंग का मामला आता है। इन्हीं कपड़ों में ब्लाउज भी शामिल होता है। बता दें कि रेडीमेड ब्लाउज खरीदना काफी मुश्किल काम होता है।

वहीं साड़ी और लहंगे के साथ वाले ब्लाउज काफी महंगे होते हैं और कई बार इनकी फिटिंग और क्वालिटी भी अच्छी नहीं होती है। ऐसे में यह आपके लुक को बर्बाद कर देते हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे तरीकों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनकी मदद से आप अपने लिए परफेक्ट रेडीमेड ब्लाउज खरीद सकती हैं। यह आपके लुक को भी खराब नहीं करेंगे।

जरूर देखें साइज

अगर आप भी ऑनलाइन ब्लाउज लेना चाहती हैं तो सबसे पहले टेलर के पास जाकर अपना सही साइज जान लें। क्योंकि अगर आपको अपना साइज नहीं पता होगा तो आप फिटिंग का ब्लाउज नहीं ले पाएंगी। जिसके चलते आखिरी समय में आपको इसकी फिटिंग करवानी होगी या इसे बदलवाना पड़ सकता है।

हल्के वर्क को दें प्राथमिकता

अगर आप भी ऑनलाइन ब्लाउज खरीदने की सोच रही हैं तो इस दौरान हल्के वर्क को प्राथमिकता हैं। कई बार ऑनलाइन में जो चीज जैसी दिखती है, असल में वह वैसी नहीं निकलती है। ऐसे में आपको अगर हैवी वर्क वाला ब्लाउज चाहिए तो आप उसे बाजार से खरीदें।

फैब्रिक का रखें खास ध्यान

रेडीमेड ऑनलाइन ब्लाउज खरीदने के दौरान उसके फैब्रिक पर जरूर ध्यान दें। जब भी आप कोई कपड़ा ऑनलाइन खरीदती हैं, तो उसकी सारी डिटेल लिखी होती है। ऐसे में आप मौसम के हिसाब से फैब्रिक चुनें।

पैड की क्वालिटी

ऑनलाइन रेडीमेड ब्लाउज खरीदने के दौरान दी गई डिटेल्स में यह जरूर पढ़ लें कि उसमें किस तरह का पैड लगा हुआ है। आपको प्रोडक्ट की सारी जानकारी वहीं पर लिखी मिल जाएगी।

# श्राद्ध पक्ष में पितृदोष शांति के उपाय

परिवार का वृद्ध, प्रौढ़, बाल अथवा भ्रूणावस्था का मृतक प्राणी अन्य योनि में परिवर्तन होने तक प्रेतावस्था में रहता है। प्रेत अर्थात सूक्ष्म रूप में वायु में विचरण करने वाला जीव। जीव की यह प्रेतावस्था एकांकी एवं कष्ट भरी होती है। मोक्ष में दूरी और योनि परिवर्तन का विलम्ब उस प्रेत को वृद्धावस्था में बनाये रखता है। वह अपने परिवार, परिजनों को भूलता नहीं है। परिवार पर उसके द्वारा किये गये उपकारों का वह स्मरण करता है एवं कष्ट की इस घड़ी में परिजनों से सहायता चाहता है। यह जीव शरीर युक्त था, तब तक समस्त भोगों को भोगता रहा, शरीर मुक्ति के पश्चात परिवार ने त्याग दिया। उसे स्मरण होता है कि जब वह वृद्ध था, सारे परिवार का पोषण करता था। उनके सुखी जीवन की व्यवस्था करता था। प्रौढ़ अथवा युवा था, तब सारे परिवार के सुख के लिए सुख सामग्री अर्जित करता था और जब बालक था किलकारियां भरकर घर का खुशहाल वातावरण बनाये रखता था किंतु आज वह प्रेत है, सूक्ष्म रूप में बिना घर के, बिना वस्त्र के हीन अवस्था में है। पुत्र, पपौत्र स्मरण नहीं करते हैं, रक्त–संबंधी भूल रहे हैं, यह पीड़ा परिस्थिति उसे क्रुद्ध बना देती है और फिर वह जीव अपने घर के आसपास मंडराता रहता है। उसकी क्रुद्ध दृ ष्टिप्रकोप से कभी–कभी अच्छे व्यवस्थित सुरक्षित घर में अशांति अथवा कष्ट उत्पन्न हो जाते हैं। गुरूड़ पुराण एवं अन्य शास्त्रों में स्पष्ट किया है कि पितृदोष का प्रभाव ग्रहों के दोष से अधिक होता है। ग्रह दोषों के लिए अथवा ग्रहों की शांति के लिए पूजा, उपासना, हवन, यज्ञ, मालाजप किये जाते हैं, इससे ग्रह सशक्त होकर सुख का मार्ग प्रशस्त कर देते हैं, क्योंकि ग्रह देव होते हैं, दयालु होते

हैं किंतु पितृ न देव, न दानव, न यक्ष, न किन्नर, इनमें से किसी भी श्रेणी में नहीं आते हैं। वे सूक्ष्म जीव होते हैं, जो अन्य योनि की प्रतीक्षा तक वायु मंडल में विचरण करते हैं। देव, दानव, यक्ष, किन्नर और मनुष्य अपनी–अपनी प्रकृति के भोग प्राप्त करते ही रहते हैं, किंतु इस सूक्ष्म को अभावों में विचरण करना होता है और तब वह अपने ही परिवार से अपेक्षा जहां वह जन्मा, जहां का मुखिया रहा, बहुत अपेक्षा करता है, इसलिए वह पितृ, अपेक्षाओं की पूर्ति के अभाव में पुत्र, पौत्रों से क्रुद्ध हो जाता है। कुछ लोगों में यह भ्रम रहता है कि पितरों की अस्थि भस्म को पवित्र नदियों में विसर्जित कर दिया है तथा पिण्डदान कर दिया गया, अस्तु अब पितृ का मोक्ष हो गया और उन्हें इस लोक एवं हमारे संबंधों से कोई वास्ता नहीं है, किंतु उन्हें यह स्मरण रखना चाहिए कि चौरासी लाख योनियों में जीव का भ्रमण होता है। एक योनि से दूसरी योनि में जाने के बाद ही वह जीव प्रेत रूप में विचरण करता है, दूसरी योनि में जाने के बाद ही उस जीव का उसके घर परिवार से संबंध विच्छेद होगा। किंतु उस जीव के कर्म एवं ध र्म अनुसार विधाता को खोल (शरीर) देना होता है, जीव के पुण्य के अनुसार उसका मोक्ष भी संभव है। यही वह कारण है, जिससे एक योनि से दूसरी योनि में जाने में विलंब होता है और जीव सूक्ष्म रूप से वायु मंडल में विचरण करते हुए अपने घर के ईद–गिर्द ही भटकता रहता है, इसलिए यह आवश्यक रूप से ध्यान देने योग्य है कि पितरों का आवाहन करके तर्पण एवं भोग पदार्थ अर्पित किये जाने चाहिए, ऐसा करने से पितृ प्रसन्न रहते हैं और नहीं करने से क्रुद्ध रहते हैं, जिससे पारिवारिक पीड़ा बनी रहती है। विद्वानों, पंडितों का मत है कि ग्रहों के दोष ग्रहों की शांति से दूर किये जा सकते हैं, किंतु शपितृ दोष परिवार की श्रद्धा से ही दूर होते हैं। इसलिए पितरों के श्श्राद्ध का महत्व बताया गया है। श्राद्ध का अर्थ श्रद्धापूर्वक आराधना है। पितरों का श्राद्ध 12 माह संभव नहीं हो तो आश्विन मास में 16 दिन तक पितरों के प्रति श्रद्धा की यह क्रिया नित्य प्रति अवश्य की जानी चाहिये। इस अवधि में पितरों को तर्पण उनके उपकार को स्वीकारते हुए उनकी मोक्ष की कामना के साथ करना चाहिये। इन दिनों स्वादिष्ट भोजनों के भोग से पितरों को संतुष्ट करना चाहिए तथा पक्षी–पशु एवं दीन–भूखे को तृप्त करना चाहिये। वैसे पक्षियों में कौए, पशुओं में गाय माता और दीन–हीन में निराश्रित, अपाहिज का महत्व है। ब्राह्मण भोज का श्राद्ध पक्ष में अधिक महत्व है। कर्मकाण्ड, वेदपाठी ब्राह्मणों को श्रद्धा से निमंत्रित कर पितृमोक्ष की कामना एवं परिवार की सुख–समृद्धि का आशीर्वाद प्राप्त करना चाहिये। ऐसा करने से पितृदोष का शमन होगा और गृहस्थ में सुख–शांति की स्थापना होगी।

# संक्षिप्त खबरें

## आज यहूदी और ईसाई भी विधर्मियों से शर्मिंदा हैं : मुहम्मद अफाक

लखनऊ(संवाददाता)। इस्लाम के नाम पर विधर्मियों ने अपने लेखों, भाषणों और नारों में विकृतियों के फूल खिलाये हैं। आज उन्हें देखकर यहूदी भी शर्मिंदा होते हैं। आश्चर्य की बात है कि यही लोग विकृतियों के लिए हमें दोषी ठहराते हैं। हाल ही में उत्तर प्रदेश के बरेली क्षेत्र में स्थानीय संभ्रांत लोगों के नेतृत्व में बारिलावित नामक देशद्रोह की मुहिम शुरू हुई है, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जो अहले सुन्नत वल जमात के खिलाफ नफरत भरे नारे एक सोलह से सत्रह साल के बच्चे द्वारा लगाए जा रहे हैं। वहाबी मर्दाबाद, वहाबी अतांग वादी, तब्लीग जमात मर्दाबाद और ये सभी नारे बारिलवी के बड़े अकबरों की मौजूदगी में लगाए जा रहे हैं। सामाजिक कार्य संगठन के संयोजक मुहम्मद अफाक ने कहा कि इस तरह के वीडियो को देखने के बाद वतन अजीज को भी यही कहने पर मजबूर होना पड़ता है कि ये लोग इंसानियत के नाम पर कलंक हैं, इनका किसी धर्म से कोई लेना–देना नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि बरेलवी विधर्मियों के बीच अहलुल–सुन्नत वल–जमात उलमा देवबंद की तब्लीगी जमात के वैश्विक प्रयास और सफलता को देखने के बाद, लालच पैदा हुआ और उन्हें एक नई जहरीली पार्टी विकसित करने के लिए मजबूर किया गया ताकि सरल दिमाग वाले लोगों को षपिताष बनाया जा सके। इलियास कादरी के टोपी नाटक इसी तरह उन्होंने तब्लीगी जमात की वर्षों की मेहनत को देखते हुए तब्लीगी जमात की शैली में एक नोटंकी और नकल की स्थापना की, जो जाहिर तौर पर कुछ समय के लिए सामान्य नैतिक विषयों पर पढ़ाकर लोगों को विश्वास दिलाया गया और फिर ब्रेल लिपि का असली चेहरा नए रूप में सामने लाया गया और भूले हुए लोगों के सामने लाकर अहमद रजा बरेलवी की तरह उनका विश्वास लूटने की कोशिश की गई। प्रिय देवबंदी भाइयों, समय रहते इस फितना को पहचान लो। इस प्रलोभन के वीडियो देखने और साझा करने से खुद को और अपने दोस्तों को बचाएं।

## छोटे-छोटे बच्चों ने धूमधाम से गांधी जयंती मनाई

लखनऊ(संवाददाता)। न्यू हैदराबाद निकट आर्य कन्या पाठशाला के पास आइडियल डे केयर (संगठन) द्वारा हर्ष व उल्लास के साथ मनाई गांधी जयंती, गांधी जयंती के अवसर पर पूरे देश में महात्मा गांधी की जयंती मनाई जाती है। इसी क्रम में न्यू हैदराबाद स्थित आइडियल डे केयर (संगठन) द्वारा छोटे–छोटे बच्चों ने धूमधाम से गांधी जयंती मनाई। कार्यक्रम का शुभ आरंभ श्रीमती शिवा मेहरोत्रा ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जयंती पर छोटे–छोटे मासूम बच्चों की हौसला अफजाई की, कार्यक्रम में शामिल सभी छोटे–छोटे मासूम बच्चों ने राष्ट्रपिता और कस्तूरबा गांधी के रूप मे प्रस्तुत होकर कार्यक्रम में जोश भर दिया। ऑर्डिनेटर सायमा किदवाई ने बताया कि हमारे छोटे–छोटे मासूम बच्चों ने श्रमदान करके राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित कर कार्यक्रम का आगाज किया गया। नजदीक की बस्ती से बच्चों को परिसर में बुलाकर सभी बच्चों ने बच्चों के साथ मिलकर भोजन किया। आपको बताते चले कि हमारा संगठन वक्त वक्त पर बच्चों के लिए ऐसे कार्यक्रम का आयोजन करता रहता है। आज संगठन द्वारा बस्ती के बच्चों को राशन वितरण का भी कार्यक्रम किया गया।

## नई शिक्षक भर्ती के लिए सीएम को लिखा पत्र,आज देंगे धरना

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में प्राथमिक शिक्षक के 1.26 लाख पद रिक्त होने के बाद भी बेसिक विभाग की ओर से कोई भी रिक्त पदों का डाटा सरकार को मुहैया नहीं कराया जा रहा है। इसमें डीएलएड प्रशिक्षण पूर्ण किए आठ लाख से द्विवर्षीय प्रशिक्षित पांच वर्षों से प्राथमिक शिक्षक भर्ती की राह देख रहे हैं। राज्यसभा में भी सदस्य द्वारा शिक्षकों के रिक्त पदों का डाटा मांगा गया था। डीएलएड संयुक्त प्रशिक्षित मोर्चा के अध्यक्ष रजत सिंह के मुताबिक प्रदेश सरकार 69 हजार शिक्षक भर्ती कटऑफ प्रकरण पर 51 हजार 112 अगली शिक्षक भर्ती देने का हलफनामा लगाया था, लेकिन पांच वर्ष के लंबे अंतराल के बाद भी बेसिक विभाग भर्ती नहीं कर रहा है। इसको लेकर प्रशिक्षित मानसिक तनाव से जूझ रहे हैं और उसी के संबंध में सीएम को पत्र लिखने के साथ दो अक्टूबर को धरना– प्रदर्शन होगा।

## फिर इधर से उधर किए गए कई अधिकारी

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश शासन ने आज फिर कई आईएएस अफसरों का तबादला किया है। कई अधिकारी इधर से उधर किए गए हैं। उत्तर प्रदेश की अफसरशाही में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सख्ती जारी है। कई आईएएस अधिकारियों को उनके पदों से हटाकर नए पदों पर भेजा गया है।उत्तर प्रदेश के नियुक्ति विभाग ने कई आईएएस अधिकारियों का स्थानांतरण किया है। जारी शासकीय आदेश के मुताबिक वरिष्ठ आईएएस अफसर जी श्रीनिवासलु सचिव राजस्व को सचिव कार्यक्रम क्रियान्वयन बनाया गया है। वहीं सचिव समाज कल्याण समीर वर्मा को निदेशक समाज कल्याण का अतिरिक्त चार्ज दे दिया गया है।आईएएस अधिकारी हीरा लाल को अपर प्रबंध निदेशक एनएचएम के पद से हटाकर विशेष सचिव सिंचाई विभाग बनाया गया है। आईएएस पवन कुमार निदेशक समाज कल्याण को अब प्रभारी चिकित्सा शिक्षा के पद पर भेजा गया है। वहीं दीपा रंजन मिशन निदेशक एनआरएलएम बनीं हैं। मुख्य विकास अधिकारी बहराइच कविता मीना को वीसी मुजफ्फरनगर विकास प्राधिकरण बनाकर भेजा गया है। जिलाधिकारी बरेली शिवाकांत द्विवेदी को कृषि उत्पादन शाखा लखनऊ भेज दिया गया है।

## यूपी को सौर ऊर्जा से रोशन करेगी योगी सरकार

### गांधी जयंती पर शुरू हो रहा हर घर सोलर अभियान

लखनऊ(संवाददाता)। यूपी राज्य में सौर ऊर्जा को अपनाने में तेजी लाने के उद्देश्य से लखनऊ और वाराणसी परिवर्तनकारी पहल को तैयार हैं। योगी सरकार 2 अक्टूबर को महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर पूरे अक्टूबर महीने में हर घर सौर अभियान शुरू करने के लिए तैयार है। अभियान का उद्देश्य सौर ऊर्जा के व्यापक उपयोग को प्रोत्साहित करना और उत्तर प्रदेश सौर ऊर्जा नीति 2022 के लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में सक्रिय रूप से काम करना है। यह नीति, उत्तर प्रदेश नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी यूपीनेडा द्वारा देखरेख की जाती है। आवासीय और व्यावसायिक उपयोग के लिए 6000 मेगावाट के सौर छत संयंत्र स्थापित करने का लक्ष्य रखा है। हर घर सोलर अभियानश के लाभ कई गुना हैं। स्वच्छ और टिकाऊ ऊर्जाश् सौर ऊर्जा ऊर्जा का एक स्वच्छ और नवीकरणीय स्रोत है, जो कार्बन उत्सर्जन को कम करता है और हरित पर्यावरण को बढ़ावा देता है। सौर छत प्रणाली आवासीय और वाणिज्यिक दोनों उपभोक्ताओं के लिए पर्याप्त ऊर्जा लागत बचत का कारण बन सकती है, जो एक स्थायी और आर्थिक रूप से व्यवहार्य ऊर्जा स्रोत प्रदान करती है। ऊर्जा का उपयोग करके, घर और व्यवसाय पारंपरिक ग्रिड पावर पर अपनी निर्भरता कम कर सकते हैं, जिससे ऊर्जा स्वतंत्रता में योगदान मिलता है। सौर ऊर्जा क्षेत्र की वृद्धि से नौकरी के अवसर पैदा होते हैं, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था और समुदायों को लाभ होता है। हर घर सौर अभियान जलवायु परिवर्तन से निपटने और कार्बन पदचिह्न को कम करने के राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों के साथ संरेखित है।यूपीनेडा के निदेशक अनुपम शुक्ला ने अभियान के शुभारंभ के बारे में जानकारी प्रदान की। उदघाटन शहर घर सौर अभियानश् बूट कैंप लखनऊ के विकास भवन और वाराणसी में नगर निगम कार्यालय के पास होने वाला है। हर घर सौर अभियान सौर ऊर्जा की क्षमता का दोहन करने की उत्तर प्रदेश की प्रतिबद्धता की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतिनिधित्व करता है।

# आर्थिक सलाहकार बिबेक देबरॉय को तत्काल प्रभाव से पदच्युत करें : गौतम राणे

लखनऊ(संवाददाता)। राजनीतिक सामाजिक संगठनों ने एक मेमोरेंडम स्पैक्टर हजरात गंज दुवारा भारत के प्रधान मंत्री को भेजा जिस में उन्हों ने कहा हम सभी भारत वासी भारत गणराज्य के समस्त नागरिक भारतीय संविधान को अधिनियमित और आत्मार्पित करने के साथ उस पर पूर्णत विश्वास करते हैं। गहरी आस्था रखते हैं। संवैधानिक पद पर आरूढ प्रत्येक व्यक्ति को संविधान के प्रति समर्पित रहना चाहिए। लोक सेवक के रोम रोम में संविधान के अनुच्छेद लहू की तरह प्रवाहित होने चाहिए। उसे संविधान के प्रति पूरी तरह निष्ठावान होना चाहिए। संविधान के प्रतिकूल न तो वह टिप्पणी कर सकता है और न ही आचरण। बिबेक देबरॉय जो आपका आर्थिक सलाहकार है वह व्यक्ति लोक सेवक के दायित्वों के प्रतिकूल अपनी इच्छा ही नही प्रकट करता अपितु देश के मर्यादा को कलंकित कर लोक व्यवस्था को छिन्न भिन्न करते हुए देश के खिलाफ साजिश कर रहा है। संविधान बदलने की बात कर रहा है। जिस तरह से पड़ोसी मुल्क देश की सीमाओं पर आतंकवादी घटनाओं को अंजाम देकर हमारे देश को कमजोर करना चाहते हैं। अपने मकसद की कामयाबी हेतु समय समय पर घुसपैठ कर आतंकवादी गतिविधियों में संलिप्त रहते हैं, उसी तरह यह बिबेक देबरॉय संविधान बदलने की पिच तैयार कर देश में गृह युद्ध की पटकथा लिख रहा हैं। आपकी सरकार का तख्ता पलट करने की साजिश कर रहा है शायद। हमें ज्ञात है कि आप देश की प्रगति की रणनीति में रात दिन मशगूल रहते हैं जैसा कि आपकी तरफ से दावा किया जाता। इसने सोचा होगा कि यही सही वक्त है, आपके विश्वास का नाजायज लाभ उठाते हुए आपकी सरकार का तख्ता पलट करने में यह कामयाब हो जायेगा। यह व्यक्ति आपके इतना करीब है तब भी आपकी दृष्टि इसकी साजिश पर नही पड़ रही थी। इस अवस्था में सन्देश यह प्रसारित होता है कि एक तरफ आप व्याख्यान, उद्‌बोधन, प्रबोधन व वाचलता में प्रवीण तो हैं लेकिन शासन के मापदंडों पर खरा उतरने में असफल भी हैं। बिबेक देबरॉय का यह कथ्य देशद्रोह का परिपक्व केस है। आप दुनिया में डंका बजा आते हैं। हम स्वीकार कर लेते हैं लेकिन संशय तब प्रकट होता है कि शायद आपके दावे भोथरा हैं। जब यह लोग आपकी नाक के नीचे ही लंका बना कर बैठे हैं। अपने कुटिल चाल से घुन की तरह देश को रोज खोखला कर रहे हैं। देश के हर एक नागरिक भारत के खिलाफ रची जा रही है इस साजिश से मर्माहत है। नागरिकों की भावनाएं घायल हुई हैं। संविधान के खिलाफ की गई किसी भी टिप्पणी से नागरिक आहत तो महसूस ही करते हैं देश की संप्रभुता और अखंडता पर भी खतरे के बादल मंडराने लगते हैं। बिबेक देबरॉय का यह कदम, देश को एकीकृत और मजबूत रखने के आपके हर प्रयास को न सिर्फ विफल कर रहा है अपितु सन्देश देने में सफल हो रहा है कि आप एक बहुत ही कमजोर प्रधान मंत्री हैं। आपकी नाक का बाल ही आपकी सरकार का तख्ता पलट करने की साजिश को अंजाम दे रहा है। हम भारत के लोग जिन्हें आपकी मजबूत इच्छा शक्ति और दृढ़ संकल्प पर पूर्ण विश्वास है कि आप किसी भी देशद्रोही को दिल से माफ नही करते हैं। यह भी आपका ही अभिकथन है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतन्त्र है। प्रधानमंत्री के व्याख्यानों पर हमारे सामने अविश्वास करने का कोई प्रसंग नही उत्पन्न होता लेकिन आपकी कथनी और करनी में सामंजस्य तो परिलक्षित हो। बिबेक देबरॉय के खिलाफ कार्यवाही का आत्मबल तो दिखे! अतएव हमारी अपेक्षा है कि राष्ट्र प्रेम के मनोभाव को प्रदर्शित करते हुए तत्काल प्रभाव से बिबेक देबरॉय को आर्थिक सलाहकार पद से हटाएं। उसे देश द्रोह के कठोर धाराओं में जेल के सीखचों के पीछे भेज दें। ताकि हम भारत के लोगों का अटूट विश्वास इस बात पर बना रहे कि आपका जादुई व्यक्तित्व छद्‌म नही, यथार्थ है। हम आशान्वित हैं फितरत से इतर आपके प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का पुनीत अवसर हमें अवश्य मिलेगा। बिबेक देबरॉय के संरक्षण में आप खड़े नजर नही आयेंगे। यदि बिबेक देबरॉय के खिलाफ देशद्रोह का मुकदमा पंजीकृत नही हुआ तो देशवासियों के मन में आपके राष्ट्र प्रेम के प्रति सन्देह पैदा हो जायेगा। ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से गौतम राणे सागर राष्ट्रीय संयोजक संविधान संरक्षण मंच, इंडियन नेशनल लीग के राष्ट्रीय उप अध्यक्ष हाजी मो फहीम सिद्दीकी, रौशनी एक किरण की अध्यक्ष बहन फरीदा, रौशनी एक किरण की उप अध्यक्ष रोशन जहाँ, राष्ट्रीय सामाजिक कार्यकर्ता संगठन के संयोजक मोहम्मद आफाक, राष्ट्रीय भागेदरी आंदोलन के राष्ट्रीय संयोजक पी. सी. कुरील, राम लोट, राम सत जेस्वरा, राम बच, बसंत लाल बर्मा उपस्थित रहे।

## मोदी सरकार भ्रमित करके जनता को लूट रही : प्रमोद तिवारी

लखनऊ(संवाददाता)। प्रमोद तिवारी, सांसद, उप नेता, राज्य सभा ने कहा है कि "भा.ज.पा. सरकार" बात राष्ट्रीयता की करती है परन्तु उसका हर कदम हमारे देश की एकता और अखण्डता की रक्षा करने वाली दुनिया की सबसे बहादुर और शक्तिशाली भारतीय सेना तथा उसके जॉबॉज सैनिकों के प्रति हमेशा भेदभाव पूर्ण कार्य करने वाला रहता है। पूर्व सैनिक कल्याण एशोसिएशन ने "मोदी सरकार" के इस कदम की तीव्र निन्दा की है कि उसकी नयी नीति से 40: विकलांगता में जो सैनिक सेवा निवृत्त होंगे ऐसे पूर्व सैनिकों को मिलने वाली पेंशन एवं चिकित्सीय सुविधा में सिविलियन कर्मचारियों के मुकाबले हानि होगी। वर्ष 2019 में "मोदी सरकार" ने एक और धोखा पूर्व सैनिकों को दिया है, जिसमें जो दिव्यांग पूर्व सैनिक पेंशन प्राप्त कर रहे हैं, उन पर केन्द्र सरकार का टैक्स लगेगा। श्री तिवारी ने कहा है कि मोदी सरकार जिस तरह इसे लायी है उससे ऐसा लगता है कि मोदी सरकार की मंशा अपने सैनिकों को सुसज्जित करके उन्हें बेहतर सुविधा देना नहीं है। "वन रैंक– वन पेंशन" में तो तमाम तरह की अनियमिततायें है किन्तु जिस तरह पूर्व सैनिकों की चिकित्सीयएवं पेंशन की सुविधाओं में कमी की गयी है वह जग जाहिर है। जिस तरह खुलेआम "ऑर्डिनेंस कम्पनियों" का निजीकरण हो रहा है वह देश की सुरक्षा से जुड़ा हुआ एक बेहद दुःखद पहलू है जो गम्भीर चिन्ता का विषय है। श्री तिवारी ने कहा है कि कांग्रेस केन्द्र सरकार से आग्रह करती है कि सैनिकों को बेहतर चिकित्सिय सुविधा एवं पेंशन प्रदान करे तथा सेवा निवृत्ति के बाद सम्मान पूर्वकक उन्हें स्थान दिया जाना चाहिए, कम से कम राष्ट्र के प्रति समर्पित सैनिकों एवं उनके परिवार के साथ तो ऐसा दुर्व्यवहार न किया जाय।"मोदी सरकार" ने पहले से ही महंगाई की मार झेल रही देश की जनता को महंगाई का एक और शानदार तोहफा देते हुये कॉमर्शियल गैस सिलेण्डर के दामों में रु. 209 प्रति सिलेण्डर की बढ़ोत्तरी कर दी है।श्री तिवारी ने कहा है कि बात गरीब की करते हैं किन्तु सोची समझी साजिश के तहत "मोदी सरकार" आदतन अमीरों की तिजोरी भर रही है। आज फिर 209 रुपये प्रति कॉमर्शियल गैस सिलेण्डर के दाम बढ़ाकर "मोदी सरकार" ने हर देशवासी की जेब पर बोझ डाल दिया है, और आम आदमी की जेब से पैसा निकाल कर "हम दो– हमारे दो" की तिजोरी तक पहुँचाने का ऐलान कर दिया है। श्री तिवारी ने कहा है कि दुनिया की बाजार में पहले की अपेक्षा गैस के दाम में जब कमी आई है तो फिर कॉमर्शियल गैस के सिलेण्डर में यह मूल्य वृद्धि क्यों की गयी है ? रसोई गैस के सिलेण्डर में मुल्य वृद्धि तो सिर्फ उसी को प्रभावित करती है जो रसोई गैस का इस्तेमाल करता है किन्तु कामर्शियल गैस के सिलेण्डर के दामों में बढ़ोत्तरी तो सभी को प्रभावित करती है। "मोदी सरकार" ने पहले से ही महंगाई की मार झेल रहे मध्यम वर्ग, कमजोर तपके, छोटे उद्यमी और रेहड़ी ठेला लगाने वाले सहित सभी को सीधे तौर पर प्रभावित करेगी। "मोदी सरकार" एक तरफ रेसाई गैस में 200 रुपये कम करती है तो दूसरी तरफ कॉमर्शियल गैस सिलेण्डर में 209 रुपये बढ़ा देती है, यानी एक हाथ से दे– दूसरे हाथ से ले। इस तरह मोदी सरकार भ्रमित करके जनता को लूट रही है। श्री तिवारी ने कहा है कि पहले से ही महंगाई की मार झेल रही जनता के हित में तत्काल कॉमर्शियल गैस सिलेण्डर के दाम में की गयी बढ़ोत्तरी वापस ली जाय।

## साधन सहकारी समितियों की लिमिट 10 लाख होगी

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश सहकारिता विभाग सहकारी समितियों की क्रेडिट लिमिट 10 लाख रुपए करेगी। लखनऊ स्थित सहकारिता कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस में मंत्री जेपीएस राठौर ने ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में

5700 साधन सहकारी समितियों के सदस्यता अभियान की शुरुआत की गई है। 1 सितंबर से एक टोल फ्री नंबर भी जारी किया गया है। सदस्यता अभियान अभी तक सफलतापूर्वक चल रहा है। यूपी सरकार में सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर ने कहा कि सभी साधन सहकारी समितियों को 10 लाख रुपए की कैश क्रेडिट लिमिट दी जाएगी। उसके ब्याज का भार उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा वहन किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी सहमति प्रदान करते हुए आगे की कार्यवाही के लिए अनुमति दे दी है। सहकारिता विभाग ने बहुत दिनों बाद सदस्यता का महाभियान शुरू किया गया था, जो पूरे उत्तर प्रदेश के सभी ब्लॉक में 5700 साधन सहकारी समितियों में सदस्यता अभियान चलाया गया था। जिसकी शुरुआत मुख्यमंत्री ने 1 सितम्बर को किया था और एक टोल फ्री नम्बर जारी किया था। उत्तर प्रदेश में हुआ यह सदस्यता अभियान ने अभूतपूर्व सफलता हासिल किया है। आज 20 लाख बनाने के लक्ष्य के सापेक्ष 26 लाख 16 हजार सदस्य बनाए गए हैं। साथ ही 63 करोड़ 49 लाख रुपए किसान भाइयों के द्वारा जमा किया गया है, जिससे किसान भाइयों के साथ–साथ विभाग को भी मजबूती मिलेगी। हमारी साधन सहकारी समितियों में भी 1 लाख, 2 लाख से लेकर अलग–अलग धनराशि प्राप्त हुई।

## वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने लखनऊ मे लगाई झाड़ू, किया श्रमदान रोजाना सुबह एक घण्टा स्वच्छता के लिये निकालें सभी लोग

लखनऊ(संवाददाता)। केंद्र की मोदी सरकार ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 154वीं जयंती से एक दिन पहले आज देशभर में स्वच्छता ही सेवा अभियान चलाया।इसके तहत उत्तर प्रदेश के भी हर जिले में प्रभारी मंत्री अधिकारियों के साथ सड़क पर झाडू लेकर निकले और एक घंटे का श्रमदान किया है। लखनऊ में प्रभारी मंत्री सुरेश खन्ना और सांसद अशोक बाजपेई ने अधिकारियों के साथ मिलकर झाडू लगाई। इतना ही नहीं लोगों को स्वच्छता के प्रति अन्य लोगों को जागरूक करने के लिए शपथ भी दिलाई गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सीतापुर के नैमिषारण्य धाम में सड़क पर झाडू लगाकर श्रमदान किया। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 154वीं जयंती से एक दिन पहले आज देशभर में स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत लखनऊ के 1090 क्षेत्र में योगी सरकार के कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना, राज्य सभा सांसद अशोक बाजपेई, पूर्व मंत्री महेंद्र सिंह, मेयर सुषमा खर्कवाल, जिलाधिकारी सूर्यपाल गंगवार व नगर आयुक्त ने एक घंटे का श्रमदान किया। इस मौके पर मोहल्ले में सभी ने सड़क पर झाडू लगाई। आम लोगों ने भी हिस्सा लिया और स्वच्छता अभियान

में अपना सहयोग दिया। श्री खन्ना ने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोगों से स्वच्छ भारत अभियान से जुड़े के लिए लोगों से आह्वान किया था।लोग बढ़–चढ़ कर हिस्सा भी ले रहे हैं।उन्होंने कहा कि आम लोगों को चाहिए कि रोजाना सुबह एक घंटा स्वच्छता के लिए निकाले और इसे अपने जीवन का एक जरूरी हिस्सा बनाएं।जिलाधिकारी सूर्यपाल गंगवार ने कहा कि आज मंत्री, सांसद और सभी अधिकारी सड़क पर झाडू लगा कर एक प्रेरणा देना का काम कर रहे हैं।स्वच्छता व्यक्तिगत और सामूहिक जिम्मेदारी है। हमें अपने घर, आस पड़ोस और सार्वजनिक स्थल की सफाई में दिलचस्पी लेनी होगी। इसके बाद प्रभारी मंत्री सुरेश खन्ना ने स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए शपथ भी दिलाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में लिखा था, स्वच्छ भारत देश के सभी परिवारजनों की सामूहिक जिम्मेदारी है।इस दिशा में जनभागीदारी का हर एक प्रयास बहुत अहम है। आइए, कल सुबह 10 बजे एकजुट होकर एक घंटा स्वच्छता को समर्पित करें और देश के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में अपना हाथ बटाएं। इसके अलावा यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी पोस्ट किया था कि, आइए, प्रधानमंत्री के आह्वान पर 01 अक्टूबर को पूर्वाह्न 10 बजे 01 घंटे स्वच्छता हेतु श्रमदान करें।स्वच्छ उत्तर प्रदेश–स्वस्थ उत्तर प्रदेश की परिकल्पना को साकार करें।हमारा यह योगदान बापू के प्रति श्स्वच्छांजलिश होगी।

# मायावती बोलीं, एनडीए और इंडिया गठबंधन से कार्यकर्ता सतर्क रहे

## फेक न्यूज विरोधियों की राजनीतिक साजिश, एससी/एसटी व ओबीसी समाज का शोषण बंद होना चाहिए

लखनऊ(संवाददाता)। लखनऊ में रविवार को मायावती यूपी–उत्तराखंड के पदाधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने सर्व समाज के जनाधार को बढ़ाने के लिए पार्टी के पदाधिकारियों के साथ चर्चा भी किया। बसपा प्रमुख ने एक बार फिर पदाधिकारियों से एनडीए और इंडिया गठबंधन से दूरी बनाकर चुनाव ताकत से लड़ने की बात कही। उन्होंने कहा, फेक न्यूज का प्रचार और प्रसार किया जा रहा है। बीएसपी विरोधी राजनीतिक साजिश की जा रही है। इसीलिए कार्यकर्ताओं को हर स्तर पर सावधानी बरतना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा, देश लोगों की ज्वलंत समस्याएं क्या चुनावी मुद्दा बन पाएंगे अभी कहना मुश्किल है। क्योंकि भाजपा व उनकी सरकार फिर से नई चुनावी रणनीति जारी कर दिया है। बहुसंख्यक एससी/एसटी व ओबीसी समाज के लोगों का सामाजिक और आर्थिक शोषण बंद होना चाहिए। राजनीतिक जानकार मानते हैं कि बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती लगातार राज्य के विधानसभा चुनाव को लेकर अच्छा प्रदर्शन करने का प्रयास कर रही है। उत्तर प्रदेश के अलावा अन्य राज्यों में अगर बसपा का अच्छा प्रदर्शन रहा तो लोकसभा की सीटों का प्रभाव दूसरे राज्यों में विभाजन समाज पार्टी का सकती है। लोकसभा चुनाव से पहले पांच राज्यों के चुनाव में बेहतर प्रदर्शन के बाद अन्य राज्यों के विधानसभा चुनाव में खूंटा गाड़ दिया है। और उसी के माध्यम से आगामी चुनाव की तरह लोकसभा की तैयार कर रही है।

वह उत्तर प्रदेश में भी अपने दावे को मजबूत करते हुए अकेले चुनाव लड़ने के ऐलान को सही और सफल बताने में जुटी हुई है। वोटर्स में विश्वास बढ़ाने के लिए बहुजन समाज पार्टी लगातार अपने संगठन के माध्यम से इस प्रयोग को सही बताने में जुटी हुई है। राजनीतिक जानकार मानते हैं कि बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती ने उत्तर प्रदेश के अलावा बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारी में जातीय समीकरण को सबसे प्रमुख आधार मान रही है। प्रदेश की सुरक्षित सीटों की लोकसभा उम्मीदवारों के चयन प्रक्रिया लगभग बसपा प्रमुख के पूरे कर लिए हैं। इसके अलावा मुस्लिम उम्मीदवारों के प्रमुख नाम बसपा प्रमुख के पास पहुंच चुके हैं। खास रणनीति यह है कि लोकसभा चुनाव में सपा और बीजेपी के सामने बहुजन समाज पार्टी का उम्मीदवार जातीय समीकरण के साथ उतरेगा। समाजवादी पार्टी के पीडीए के फार्मूले के सामने बहुजन समाज पार्टी दलित–मुस्लिम और पिछड़ा वर्ग के उम्मीदवारों का चयन कर सकती है। लोकसभा चुनाव की तैयारी की समीक्षा बैठक में बहुजन समाज पार्टी के प्रमुख जातीय समीकरण की उम्मीदवारों के साथ प्रत्याशियों की प्रक्रिया पर एक रिपोर्ट भी तलब करेंगी। यूपी में 20 फीसदी दलित वोटर हैं। पिछले कुछ चुनावों में दलित वोटरों का बसपा से मोहभंग हुआ है और वो बीजेपी के पाले में जाते दिख रहे हैं। ऐसे में उनके सामने एक चुनौती ये भी होगी कि वो किसी तरह अपने वोटबैंक को सहेजकर रख पाएं। इस बैठक में पार्टी के नेशनल जनरल सेक्रेटरी सतीश चंद्र मिश्रा, प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल, विधायक उमाशंकर सिंह, विधान परिषद के सदस्य भीमराव अंबेडकर समेत बसपा के सभी पूर्व सांसद, पूर्व विधायक, मुख्य इंचार्ज, जिला अध्यक्ष और बामसेफ के पदाधिकारी शामिल हुए। इस बैठक में संगठन की समीक्षा से लेकर संगठन के विस्तार, बूथों का गठन और साथ ही साथ की कैडर कैंप की तैयारियों पर चर्चा होगी। मध्य प्रदेश, राजस्थान समेत पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव में बसपा का बेहतर प्रदर्शन हो, इसको लेकर लगातार मायावती पार्टी पदाधिकारी और नेशनल कोऑर्डिनेटर के साथ बैठक कर रही है। राजस्थान, मध्य प्रदेश समेत चार राज्यों के प्रभारी और बसपा के नेशनल कोऑर्डिनेटर आकाश आनंद राज्यों की विधानसभा चुनावों में बड़ी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। मायावती के भतीजे बीते दो बैठकों में अहम रोल अदा करते हुए नजर आए। ऐसे में माना जा रहा है कि संगठन की रूपरेखा और आगामी तैयारी पर सभी का फीडबैक आकाश आनंद के माध्यम से बसपा प्रमुख मायावती के पास पहुंच रहा है।

# 'एक तारीख एक घंटा : स्वच्छ भारत' श्रमदान अभियान में सैकड़ो नागरिकों ने किया श्रमदान

## स्वच्छता के सिपाहियों का हुआ सम्मान, बेसिक शिक्षा मंत्री संग पार्षदो जिलाधिकारी नगर आयुक्त सीडीओ और नागरिकों ने किया श्रमदान, 240 जगहों पर श्रमदान करने उमड़ा जनसैलाब, 240 जगह नगर निगम पार्षदों संग चला बृहद श्रमदान अभियान, स्वच्छता के प्रति सेवा करने को अपनी आदत बनाने का नागरिकों ने लिया संकल्प

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 154 वी जयंती के अवसर पर देशव्यापी जन आंदोलन स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत एक तारीख एक घंटा कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह की अगुवाई में जिला पंचायत अध्यक्ष के प्रतिनिधि प्रवीण राज सिंह जिलाधिकारी इंद्र विक्रम सिंह नगर आयुक्त अमित आसेरी अपर नगर आयुक्त राकेश कुमार यादव सहित नगर निगम पार्षदों अधिकारियों और कर्मचारियों और क्षेत्रीय नागरिकों की मौजूदगी में सुरक्षाबिहार चुहरपुर में बृहद श्रमदान किया गया। चुहरपुर सुरक्षा बिहार में बेसिक शिक्षा मंत्री ने सभी अधिकारी कर्मचारियों व नागरिकों को स्वच्छता के प्रति सेवा करने का संकल्प दिलाया और श्रमदान करते हुए नगर निगम द्वारा सुरक्षा बिहार में पुलिस क्वार्टरों के पास पुराने कचरे के ढेर को विलुप्त कर सुंदर बाग के रूप में डेवलप करने के उद्देश्य से पौधरोपण किया गया। बेसिक शिक्षा मंत्री ने सुरक्षा बिहार में जिलाधिकारी नगर आयुक्त और क्षेत्रीय पार्षदों के साथ कई पेड़ लगाकर गोद लिया।

स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत शासन की निर्धारित गाइडलाइन के अनुसार अलीगढ़ के कल्याण सिंह हैबिटेट सेंटर में बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह जिला पंचायत अध्यक्ष के प्रतिनिधि प्रवीण राज सिंह जिलाधिकारी इंद्र विक्रम सिंह नगर आयुक्त अमित आसेरी मुख्य विकास अधिकारी आकांक्षा राणा और अपर नगर आयुक्त राकेश कुमार यादव ने संयुक्त रूप से स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण और नगरीय क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सफाई कर्मचारियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। सम्मान समारोह में नगर निगम के सफाई कर्मचारी सतीश, राजू, मोहन, श्रीमती कमलेश, श्रीमती राजो, अरुण कुमार, श्रीमती सत्यवती, अमित, श्रीमती सत्यवती, रमन, सादाजीवन, किरण, मुकुल पूनम और श्रीमती विरमा को सम्मानित किया गया

कल्याण सिंह हैबिटेट सेंटर में स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत सफाई कर्मचारियों के सम्मान समारोह में बोलते हुए बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने कहा मैं सेल्यूट करता हूं अपने सभी स्वच्छता के सिपाहियों को जिनकी मौजूदगी से हम सभी को स्वच्छ वातावरण मिलता है स्वच्छता के प्रति सेवा अभियान देशव्यापी जन आंदोलन का रूप दिन प्रतिदिन ले रहा है सभी नागरिकों को स्वच्छता के प्रति अपने दायित्व समझने की जरूरत है तभी स्वच्छता अभियान का उद्देश्य सफल हो सकेगा उत्तर प्रदेश सरकार और भारत सरकार स्वच्छ भारत मिशन के तहत स्वच्छता का संदेश जन–जन तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

अभियान के तहत नगर निगम के सभी पार्षद अधिकारी कर्मचारी श्रमदान और सफाई कर्मचारियों के सम्मान समारोह में मौजूद रहे।

# महर्षि वाल्मीकि महोत्सव मेला समिति ने किया प्रेस वार्ता का आयोजन

अलीगढ़ (वीरेन्द्र सिंह)। महर्षि वाल्मीकि महोत्सव मेला समिति की एक प्रेस वार्ता का आयोजन अचलताल समाज मंदिर के सामने किया गया जिसमें महोत्सव मेला समिति के संस्थापक अध्यक्ष संदेश राज ने मेले को भव्यता प्रदान करने के लिए स्वागत समिति का गठन किया जिसमें स्वागत समिति के अध्यक्ष वरिष्ठ समाजसेवी अजीत सिंह तोमर जी को नियुक्त किया वहीं महामंत्री के तौर पर मनोज श्रुतिया उपाध्यक्ष राजीव चोपड़ा नरेंद्र कठेरिया सोनू कुमार व्यवस्था प्रमुख एडवोकेट सरदार मुकेश सैनी जी मंत्री अर्जुन सिंह महोत्सव मेला समिति के संस्थापक संयोजक संदेश राज ने कहा कि 29 अक्टूबर को हीरालाल इंटर कॉलेज में मेला लगाया जाएगा जिसमें मुख्य आकर्षण का केंद्र रहने वाले टीवी सीरियल व फिल्मी कलाकार हीरोइन डेनाज ईरानी व किशोर भानूशाली भाभी जी घर पर रहेंगे कमिश्नर मिमिक्री आर्टिस्ट प्रवीण पंडित मंच पर अलीगढ़ की जनता को गुदगुदाने का कार्य करेंगे वहीं वही महोत्सव मेला समिति द्वारा 11 दिवसीय कार्यक्रम समाज हित में किए जाएंगे जिसमें फल वितरण भोजन वितरण रंगोली प्रतियोगिता सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता मेले में प्रतिभा करने वाले प्रतिभागियों का ऑडिशन मंदिरों की सवालों की साफ सफाई व्यवस्था महापुरुषों की मूर्तियों पर माल्यार्पण गरीब बच्चों को शिक्षा हेतु स्टेशनरी व बैग वितरण आदि विभिन्न कार्यक्रम समझित में मेला समिति द्वारा किए जाएंगे प्रवेश वार्ता में सर्वश्री मेला अध्यक्ष कमल राजपूत सोनू कुमार नरेंद्र कठेरिया अजय सिंह धीरज चौहान प्रदीप वाल्मीकि मनोज श्रोत्रिय राजीव चोपड़ा मा दीवान हिमांशु वाल्मीकि एडवोकेट सरदार मुकेश सैनी जी एडवोकेट अजीत सिंह तोमर आदि लोग उपस्थित रहे।

# युवा अवैध हथियारों के साथ कर रहे पोस्ट

अलीगढ़(संवाददाता)। जिले में अवैध हथियारों का डर लगातार बढ़ रहा है। एक ओर अपराधी जिले में विभिन्न घटनाओं को अंजाम देने के लिए तमंचे का इस्तेमाल कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर युवा भी अपनी धमक बनाने और दोस्तों में रौब गांठने के लिए अवैध हथियारों का इस्तेमाल कर रहे हैं। युवाओं के वीडियो और पोस्ट आए दिन वायरल हो रहे हैं, जिसमें वह अवैध हथियार, तमंचे, कारतूस के साथ नजर आ रहे हैं। जिसके कारण आमजनों में लगातार भय बढ़ता जा रहा है। इन सबके बीच पुलिस बेबस नजर आ रही है। लगातार कार्रवाई और मुकदमें दर्ज करने के बाद भी पुलिस, अवैध हथियार के इस कारोबार को पूरी तरह से ताला लगाने में सफलता हासिल नहीं कर पा रही है। अलीगढ़ में आए दिन युवाओं के सोशल मीडिया पर वीडियो और फोटो वायरल हो रहे हैं। जिसमें वह अवैध हथियारों के साथ नजर आते हैं। पिछले दो दिनों से लगातार युवाओं के फोटो और वीडियो वायरल हो रहे हैं, जिसमें वह अवैध हथियारों के साथ रौब गांठते नजर आ रहे हैं। वीडियो और फोटो में नजर आने वाले युवाओं के हाथ में अवैध हथियार और कारतूस दिख रहे हैं। जिसे लेकर वह अपना रौब दिखा रहे हैं। सोशल मीडिया पर यह फोटो वीडियो वायरल होने के बाद लोग लगातार पुलिस पर सवालिया निशान लगा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर पुलिस मुकदमा दर्ज कर इनकी तलाश करने की बात कह रही है। पिछले दिनों सासनीगेट पुलिस ने छापेमारी करते हुए किराए के एक मकान में अवैध हथियार फैक्ट्री का खुलासा किया था। इसमें 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था, जो अवैध रूप से तमंचे तैयार कर रहे थे। जिसके बाद इसे सप्लाई किया जाता था। पुलिस को इसके पास से 20 तैयार तमंचे, 3 आधे तैयार तमंचे और भारी मात्रा में अवैध हथियार तैयार करने का सामान बरामद हुआ था। आरोपियों ने बताया था कि यह तमंचे तैयार करके इसे आसपास के जिलों में सप्लाई करते थे। जिसके बाद पुलिस इनका नेटवर्क तलाशने में जुट गई थी। अलीगढ़ एसएसपी के नेतृत्व में अपराध और अपराधियों पर नकेल कसने के लिए कई तरह के अभियान चलाए जा रहे हैं। इसमें से एक ऑपरेशन निहत्था भी है, जिसमें विशेष तौर पर इस तरह के अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। 'ऑपरेशन निहत्था' के तहत शातिर अपराधी और अवैध हथियारों के साथ घूमने वाले आरोपियों पर कार्रवाई की जा रही है। आए दिन आरोपी गिरफ्तार किए जा रहे हैं, जिन्हें मुकदमा दर्ज करके जेल भेजा जा रहा है। लेकिन लगातार कार्रवाई भी अपराधियों के हौसले कम नहीं कर पा रही है। अलीगढ़ के गोंडा थाना क्षेत्र के कैमथल में पिछले दिनों मां बेटी की संपत्ति के लिए हत्या कर दी गई थी। पहले पुलिस ने पीट–पीट कर हत्या करने की बात बताई थी। लेकिन पोस्टमार्टम की रिपोर्ट में गोली मारकर हत्या करने की बात सामने आई थी। जिसके बाद पुलिस ने मुख्य आरोपी समेत कई को गिरफ्तार किया था। जिसमें अवैध हथियार से मां–बेटी की हत्या करने की बात सामने आई थी। इसी तरह से क्षेत्र में होने वाली विभिन्न अपराधिक घटनाओं में अवैध हथियारों का जमकर इस्तेमाल किया जा रहा है। बाद में पुलिस आरोपियों को इन हथियारों के साथ गिरफ्तार भी करती है। एसएसपी कलानिधि नैथानी के पीआरओ धनश्याम ने बताया कि अवैध हथियार रखने वालों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। सोशल मीडिया या अन्य किसी माध्यम से सूचना मिलती है तो पुलिस तत्काल कार्रवाई कर रही है। इसके साथ ही पुलिस की गोपनीय टीम इनके नेटवर्क को तलाश कर ध्वस्त करने में जुटी हुई है। जिन युवाओं के फोटो वीडियो वायरल हो रहे हैं, इसके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जा रहा है और सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा हथियार सप्लाई वालों तक भी पहुंचा जाएगा।

# नगर आयुक्त ने गांधी और शास्त्री के पदचिन्हों पर चलने का लिया संकल्प

## पार्षद अधिकारी कर्मचारियों ने महापुरुषों के जीवन पर डाला प्रकाश, मलिन बस्तियों में चला विशेष स्वच्छता अभियान

संसार को सत्य, अहिंसा और स्वच्छता हेतु प्रेरित करके विश्व को शान्ति का मार्ग दिखाने वाले, महान नेता, त्याग एवं तपस्या की प्रतिमूर्ति राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी एवं भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती नगर निगम में धूमधाम से मनाई गई परंपरागत गांधी जयंती और शास्त्री जी की जयंती के अवसर पर नगर निगम सेवा भवन प्रांगण में नगर आयुक्त अमित आसेरी के नेतृत्व में नगर निगम अधिकारी कर्मचारियों ध्वजारोहण राष्ट्रगान पश्चात भगवान वाल्मीकि जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते हुए सेवा भवन प्रागण में आयोजित गोष्ठी में राष्ट्रपिता और पूर्व प्रधानमंत्री के चित्रों पर माल्यार्पण करते हुए उनके पद चिन्हों पर चलने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर नगर निगम अलीगढ़ द्वारा नगर निगम सीमा क्षेत्र में महापुरुषों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कार्यक्रम के निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार विभिन्न जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में माल्यार्पण कराया गया।

नगर आयुक्त और दोनों अपर नगर आयुक्त ने स्वच्छता के महानायक राष्ट्रपिता महात्मा गांधी भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी के जन्म दिवस के अवसर पर लोगों को महापुरुषों के जीवन से सीख लेने और उनके बताए गए पद चिन्हों पर चलने का संकल्प दिलाया।

पार्षद अधिकारी कर्मचारियों ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए पूर्ण मनोयोग से स्वच्छता के प्रति नियमित रूप से सेवा करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में पार्षद सुरेंद्र प्रताप सिंह लाल सिंह पार्षद प्रतिनिधि सुफियान अपर नगर आयुक्त श्रीमती ऋतु पुनिया उप नगर आयुक्त राज किशोर प्रसाद, सहायक नगर आयुक्त ठाकुर प्रसाद मुख्य अभियंता सुरेश चंद्र सीटीओ अशोक सिंह अध्यक्ष कर्मचारी संघ संजय सक्सेना कई अधिकारी कर्मचारियों ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री जी के जीवन पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम का संचालन मानवेन्द्र सिंह कर्मचारी संघ के महामंत्री कार्यक्रम की कवरेज एवं मीडिया रिपोर्ट एहसान रब कार्यक्रम की व्यवस्था नाजिर संजय सक्सेना ने की। कार्यक्रम में पार्षद सुरेंद्र प्रताप सिंह लाल सिंह अपर नगर आयुक्त ऋतु पूनिया राकेश कुमार यादव नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मुकेश कुमार उप नगर आयुक्त राज किशोर प्रसाद, सहायक नगर आयुक्त ठाकुर प्रसाद पूजा श्रीवास्तव, मुख्य अभियंता सुरेश चंद्र, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी अशोक सिंह महाप्रबंधक जल अनवर ख्वाजा,अधिशासी अभियंता मनोज कुमार प्रभात अशोक भाटी लक्ष्मण सिंह सिब्ते हैदर आरपी सिंह कर अधीक्षक आलोक कमल, बेचन सिंह विजय गुप्ता आदि मौजूद थे।

# एएमयू शिक्षकों और छात्रों ने स्वच्छता अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया एएमयू

अलीगढ़(संवाददाता)। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर मोहम्मद गुलरेज ने आज लोगों से राष्ट्रीय अभियान, 'स्वच्छता पखवाड़ा–स्वच्छता ही सेवा 2023' में बढ़ चढ़ कर भाग लेने और देश को दुनिया के सबसे स्वच्छ देशों में से एक बनाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इससे न केवल प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की आकांक्षाओं के अनुरूप भारत को एक हरित और स्वच्छ देश बनाने, बल्कि देश को महात्मा गांधी के सपनों का सच्चा प्रतीक बनाने में भी मदद मिलेगी।

प्रोफेसर गुलरेज ने रजिस्ट्रार, श्री मोहम्मद इमरान (आईपीएस), डा अली जाफर आबेदी, नोडल अधिकारी और अन्य विश्वविद्यालय अधिकारियों के साथ सफाई गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया और विश्वविद्यालय परिसर में और उसके आसपास कई स्थानों पर सफाई अभ्यास का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि सफाई सेवाएं राष्ट्र के लिए सच्ची सेवाओं में से एक हैं जो राष्ट्रीय अभियान 'स्वच्छता ही सेवा' के अनुरूप भी हैं। उन्होंने बताया कि पर्यावरण और धरती माता के प्रति हममें से प्रत्येक की जिम्मेदारी है कि हम अपने परिवेश को स्वच्छ और स्वस्थ रखें और इस महान संसाधन को यथासंभव प्राकृतिक स्थिति में अपनी आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाएं। विश्वविद्यालय के शिक्षकों, छात्रों और कर्मचारियों ने राष्ट्रीय अभियान के प्रति अनुकरणीय उत्साह दिखाया और महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर के कई क्षेत्रों में आयोजित व्यापक स्वच्छता अभियान में उत्साहपूर्वक भाग लिया।आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय द्वारा घोषित राष्ट्रीय स्वच्छता अभियान, 'एक तारीख, एक घंटा' के तहत जिन चिन्हित स्थलों पर सफाई अभियान चलाया गया, उनमें इंदिरा गांधी हॉल के पास का स्लम क्षेत्र नियंत्रक कार्यालय, न्यू ब्लॉक, तिब्बिया कॉलेजय साइकिल स्टैंड एस.टी.एस. स्कूलय दृष्टिबाधितों के अहमदी स्कूल का छात्रावास मेडिकल रोडय सामाजिक कार्य विभाग द्वारा गोद लिया गया मिर्जापुर गांव और अलीगढ़ पब्लिक स्कूल के पास सीडीओ कॉम्प्लेक्स तक का क्षेत्र शामिल हैं। प्रोफेसर मोहम्मद गुलरेज और श्री मोहम्मद इमरान ने जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के ट्रामा सेंटर क्षेत्र सहित विभिन्न स्थलों का दौरा किया और अन्य शिक्षकों, छात्रों और कर्मचारियों के साथ स्वच्छता गतिविधियों में भाग लिया।प्रोफेसर वीणा महेश्वरी, डीन, मेडिसिन संकाय, प्रोफेसर हारिस मंजूर खान, प्रिंसिपल, जेएनएमसी, प्रोफेसर आर.के. तिवारी, प्रिंसिपल, डा जेडए डेंटल कॉलेज ने जेएनएमसी के स्वच्छता कार्यक्रम समन्वयक डा अब्दुल वारिस, वरिष्ठ डीएमएस, डा शाह मोहम्मद अब्बास वसीम और डा मोहमद कामरान खान के साथ सफाई कार्यक्रम में भाग लिया जिन्होंने इस उद्देश्य के लिए नोडल अधिकारी प्रोफेसर शगुफ्ता मोइन की देखरेख में स्वच्छता अभियान गतिविधियों को सुविधाजनक बनाया। एनएसएस समन्वयक प्रिंसिपल, अजमल खान तिब्बिया कालेजय प्रिंसिपल, एसटीएस स्कूलय प्रिंसिपल, अहमदी स्कूल फॉर विजुअली चौलेंज्ड्य अध्यक्ष, सामाजिक कार्य विभागय निदेशक, सतत वयस्क शिक्षा और शिक्षा और विस्तार केंद्र (सीसीएईई) और विश्वविद्यालय स्वास्थ्य अधिकारी ने नगर स्वास्थ्य अधिकारी, अलीगढ़ के समन्वय से उपरोक्त स्थलों पर सफाई गतिविधियों का संचालन, प्रबंधन करते हुए आवश्यक सुविधा प्रदान की।

एबीके हाई स्कूल (बॉयज और गर्ल्स), एएमयू गर्ल्स स्कूल, एसटीएस स्कूल, आरएमपीएस एएमयू सिटी स्कूल, एएमयू सिटी गर्ल्स हाई स्कूल, सैय्यद हामिद सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सीनियर सेकेंडरी स्कूल (गर्ल्स), अब्दुल्ला स्कूल, अहमदी स्कूल सहित विश्वविद्यालय के सभी स्कूलों और आवासीय हालों में उनके प्रिंसिपलों और प्रोवोस्ट के मार्गदर्शन में बड़े पैमाने पर सफाई अभियान चलाया गया। स्वच्छता अभ्यास के दौरान, शिक्षकों, छात्रों एवं स्टाफ की मदद से सड़कों के किनारे खुले स्थानों की सफाई, झाड़ियों को साफ करना, अवांछित कागज और प्लास्टिक के टुकड़ों को उठाना, खुली नालियों, कक्षाओं, गलियारों, बाथरूम आदि की सफाई की गई।

# देवरिया में हुए सामूहिक नरसंहार को लेकर उ० प्र० की कानून व्यवस्था पर प्रश्न चिन्ह लगाते हुये बेरोजगार मजदूर किसान यूनियन द्वारा मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन थानाध्यक्ष क्वार्सी को सौंपा

अलीगढ़ (प्रीती शर्मा)। बेरोजगार मजदूर किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ किशोर सिंह के नेतृत्व में प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र शर्मा ने 2 अक्टूबर गांधी जयंती के दिन हुई देवरिया में दुर्भाग्यपूर्ण हिंसा से उ० प्र० की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए बेरोजगार मजदूर किसान यूनियन द्वारा तीन सूत्रीय मांगों को लेकर मुख्यमंत्री महोदय को सम्बोधित ज्ञापन थानाध्यक्ष क्वार्सी को प्रेषित किया और बेरोजगार मजदूर किसान यूनियन द्वारा निम्न मांग की–

1. देवरिया हत्याकांड की जांच सी बी सी आई डी द्वारा कराई जाए, 2. देवरिया के पुलिस कप्तान व सम्बंधित थानाध्यक्ष को तत्काल निलंबित किया जाए, 3. दोषियों के विरुद्ध कठोर से कठोर कार्यवाही की जाएं।

ज्ञापन प्रेषित करने वालों में महानगर उपाध्यक्ष महिला मोर्चा मधु अरोड़ा जिला उपाध्यक्ष पिछड़ा वर्ग मंगल सैनी जिलाध्यक्ष चिकित्सा प्रकोष्ठ आलोक गौतम सोनू सैनी देवेंद्र सैनी हेमंत शर्मा गुड्डू सौरभ पाराशर काका पप्पी गोला आदि मौजूद रहे।

# राज्यपाल ने लाल बहादुर शास्त्री और गांधी जयंती की प्रदेशवासियों को दी हार्दिक शुभकामनाएं

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी तथा पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर आज प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि उनका जीवन और कार्य हम सभी के लिए सहिष्णुता और सम्मान की प्रेरणा है। आनंदीबेन पटेल ने कहा कि, श्शांधीजी जयंती हम सभी के लिए शांति और अहिंसा पर महात्मा गांधी के आदर्शों के प्रति खुद को फिर से समर्पित करने का एक अवसर है। उनका जीवन और कार्य हम सभी के लिए सहिष्णुता और सम्मान की प्रेरणा है। उन्होंने समस्त प्रदेशवासियों से गांधी जयंती के अवसर पर आयोजित स्वच्छांजलि कार्यक्रम में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेने की अपील की। राज्यपाल ने पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर उनका भी स्मरण करते हुए कहा" लाल बहादुर शास्त्री जी को उनकी सादगी और निर्णायकता के लिए पूरे देश में सराहा जाता है। बहुत ही महत्वपूर्ण और कठिन समय में उनका नेतृत्व इतिहास में हमेशा याद किया जाएगा। उनकी जयंती पर मैं उन्हें शत शत नमन करती हूं।

# स्वच्छता अभियान में डिप्टी सहएम ने गोबर साफ किया,मेयर ने चारबाग रेलवे स्टेशन पर लगाई झाड़ू

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश सरकार के द्वारा स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने लखनऊ स्थित मॉल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में पहुंचे और वहां झाड़ू लगाकर सफाई की। लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल ने चारबाग रेलवे स्टेशन पर झाड़ू

के गौशाला में जाकर सफाई अभियान में भाग लिया। डिप्टी सीएम ने गोबर साफ किया। तो वहीं दूसरी तरफ वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री तथा जनपद लखनऊ के प्रभारी मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने स्वच्छता महा अभियान के तहत बालू अड्डा क्षेत्र में झाड़ू लगाकर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। उन्होंने देश एवं प्रदेश को स्वच्छ बनाने के लिए लोगों को स्वच्छता की शपथ भी दिलाई।

प्रभारी मंत्री बालू अड्डा क्षेत्र में स्थित सार्वजनिक शौचालय एवं नगरी लगाकर स्वच्छता अभियान में भाग लिया।डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने कहा कि स्वच्छता का स्वास्थ्य से सीधा संबंध है। गंदगी से तमाम प्रकार की बीमारियां पैदा होती हैं। सफाई के माध्यम से डेंगू, चिकनगुनिया, मलेरिया जैसी इत्यादि वेक्टर जनित बीमारियों पर नियंत्रण किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता निरोग रहने के लिए पहली आवश्यकता है। गंदगी को हम जितना दूर भगाएंगे डेंगू चिकनगुनिया मलेरिया जैसी बीमारियां हमसे उतना ही दूर रहेंगी।

# जिन बेटों को ठुकराकर चली गई थी, उन्हीं ने किया अंतिम संस्कार

बांदा(संवाददाता)। महिला ने पंचायत के सामने जिन सगे पुत्रों को ठुकरा दिया था, अंत में उन्हीं ने अपनी मां का अंतिम संस्कार किया। पुलिस ने उसके पहले पति के पुत्रों को महिला का शव सौंपा। इसके साथ ही पुलिस उन पुत्रों का डीएनए टेस्ट भी करा रही है, जिससे महिला की पूरी तरह से पहचान की पुष्टि की जा सके। जिला अस्पताल में डीएनए जांच के लिए आए छतरपुर (मध्य प्रदेश) जिले के गौरिहार थाना क्षेत्र के पेरई गांव निवासी रवि कुमार (17) ने बताया कि उसके पिता स्व. दीपक कुमार ने छह साल पहले खेत में बेरी के पेड़ से फंदा लगाकर जान दे दी थी। पिता की मौत के बाद मां (मृतका माया देवी) कुछ साल उनके साथ रही फिर छह माह पहले पहरा गांव निवासी रामकुमार के साथ उन्हें छोड़कर चली गई थी। गांव में पंचायत भी हुई थी। जिसमें मृतका ने बच्चों को छोड़कर रामकुमार के साथ जाना पसंद किया था। मृतका की हत्यारोपी रामकुमार के साथ कोर्ट मैरिज हुई थी। रवि कुमार ने बताया कि वह अपने पिता स्व. दीपक से दो भाई व एक बहन हैं।

# कुत्ते ने बच्चे पर किया हमला, गंभीर हालत में मेडिकल कॉलेज रेफर

बांदा(संवाददाता)। जिले में आवारा कुत्ते के हमले में एक बच्चा बुरी तरह से जख्मी हो गया। परिजनों ने जैसे ही देखा तो तुरंत उसे अस्पताल में भर्ती कराया, जहां पर प्राथमिक उपचार करने के बाद बच्चे की हालत गंभीर देखते हुए मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया है। पूरा मामला बांदा जनपद के शहर कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत परशुराम तालाब के पास का है। वाला 7 साल का बच्चा हर्ष अपने घर के बाहर खेल रहा था। तभी आवारा कुत्ते ने उस पर हमला कर दिया। जिसकी वजह से बच्चा बुरी तरह से जख्मी हो गया। परिजनों ने तुरंत कुत्ते को भगाया और बच्चे को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जहां पर प्राथमिक उपचार करने के बाद बच्चे की हालत गंभीर देखते हुए मेडिकल कॉलेज रिफर कर दिया है। बच्चे की हालत गंभीर बताई जा रही है।

# अंग्रेजी विभाग में नए छात्रों के लिए दीक्षारंभ आयोजित

अलीगढ़(संवाददाता)। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग द्वारा एमए (अंग्रेजी), एमए (अंग्रेजी भाषा शिक्षण) और बीए (अंग्रेजीध्कम्युनिकेटिव अंग्रेजी) के नव प्रवेशित छात्रों के लिए स्टूडेंट इंडक्शन–कम–बॉन्डिंग प्रोग्राम (एसआईपी) 2023–24, दीक्षारम्भ का आयोजन किया गया। नए छात्रों एवं छात्राओं का स्वागत करते हुए, स्टूडेंट इंडक्शन प्रोग्राम की समन्वयक, प्रोफेसर समीना खान ने 'लैंगिक चौम्पियनशिप' के विचार पर जोर दिया, और कहा कि महिला छात्रों को नए वातावरण में असुरक्षित महसूस नहीं करना चाहिए।

उन्होंने उनसे सहजता से रहने का आग्रह किया और परिसर में उनकी सुरक्षा का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में उनकी सुरक्षा के लिए कई निकाय हैं, जिनमें आंतरिक शिकायत समिति, रैगिंग विरोधी समिति, शिकायत निवारण समिति और प्रॉक्टर कार्यालय शामिल हैं और विश्वविद्यालय दंडात्मक कार्रवाई के बजाय निषेधात्मक कार्रवाई में विश्वास करता है। विभागाध्यक्ष, प्रोफेसर मोहम्मद आसिम सिद्दीकी ने इस प्रतिष्ठित संस्थान की स्थापना में सर सैयद अहमद खान के दृष्टिकोण और मिशन का उल्लेख किया। उन्होंने शैक्षणिक ईमानदारी और सत्यनिष्ठा के महत्व पर जोर दिया और छात्रों के व्यक्तित्व विकास में परिसर के भीतर और बाहर सामुदायिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने उनसे छात्रों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य सहित संपूर्ण व्यक्तित्व विकास के लिए खेल गतिविधियों में भाग लेने का आग्रह किया। उन्होंने कक्षा शिक्षण के महत्व पर भी जोर दिया और छात्रों से नियमित रूप से कक्षाओं में उपस्थित होने का आग्रह किया। प्रो सीमिन हसन ने पाठ्यक्रम में शामिल होने के लिए छात्रों को बधाई दी और एक विषय के रूप में मानविकी के महत्व को रेखांकित किया और बताया कि यह कैसे लोगों के जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने अंग्रेजी विभाग के इतिहास और छात्रों के साहित्यिक विकास में रैले लिटरेरी सोसाइटी की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने उनसे आग्रह किया कि वे 'शिक्षकों के साथ संवाद करें और समस्याओं पर चर्चा करें, उनकी बात ध्यान से सुनें, खूब पढ़ें, ज्ञान को आत्मसात करें और असफलता को कभी भी अपने ऊपर हावी न होने दें क्योंकि यह उनकी म्हणत पर सबसे अच्छी प्रतिक्रिया है'। प्रो. शगुफ्ता इम्तियाज ने एक अनुशासन के रूप में अंग्रेजी शिक्षण भाषा के महत्व और इसके अनुप्रयोग की विविधता पर प्रकाश डाला। उन्होंने छात्रों से बहु–विषयक दृष्टिकोण के साथ ईएलटी की व्यापक समझ के लिए अन्य विभागों के संपर्क में रहने का आह्वान किया। प्रोफेसर राशिद नेहाल, प्रोफेसर समी रफीक और प्रोफेसर जावेद एस अहमद ने भी छात्रों को संबोधित किया, और उनके सीखने, बढ़ने और एक शिक्षित नागरिक बनने के लिए उन्हें प्रेरित किया। विभागके शिक्षकों और उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्रों का परिचय देने के लिए शोधार्थियों द्वारा तैयार एक पावरपॉइंट प्रस्तुति भी प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम संयोजक डा मोहम्मद साकिब अबरार ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

# दलित युवक को 31 साल बाद मिला न्याय,दो सगे भाइयों ने खेत में कर दी थी हत्या

बांदा(संवाददाता)। बांदा में दलित युवक की हत्या करने के आरोप में कोर्ट ने 31 साल बाद फैसला सुनाया है। कोर्ट ने दोनों भाइयों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। वहीं दोनों भाई अब बूढ़े हो चुके हैं। कोर्ट ने सजा सुनाने के बाद 60 हजार रुपए का आर्थिक दंड भी लगाया है। पूरा मामला बांदा के बबेरू कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत भदेहडू का है। जहां पर 1992 में एक महिला ने शिकायत दर्ज कराई थी। जिसमें उन्होंने बताया था की वह अपने पति के साथ खेत में फसल की कटाई कर रही थी। उसी दौरान गांव के दो सगे भाइयों ने मवेशी खेत में छोड़ दिए। मना करने पर गाली–गलौज किया और पति के सिर पर लाठी डंडों से हमला कर घायल कर दिया। घायल अवस्था में पति को अस्पताल ले गई। जहां डॉक्टरों ने उनको मृत घोषित कर दिया। मामले में पुलिस ने विवेचना की और चार्ज शीट दाखिल की। इस मामले में 7 गवाह पेश किए गए। लगभग 9 से ज्यादा जज भी बदले गए। उसके बाद केस ट्रायल आने के बाद कोर्ट ने दोनों भाइयों को दोषी करार देते हुए उम्र कैद की सजा सुनाई। साथ ही 60 हजार रुपए का आर्थिक दंड भी लगाया है।

# संयुक्त किसान मोर्चा, अलीगढ़ कलेक्टेरेट गेट के सामने केन्द्र सरकार का पुतला फूँकने का किया प्रयास, किसानों पुलिस के बीच खींचातानी तस्वीर महल से कलेक्टेरे तक विरोध मार्च, काले झंडे दिखाए

अलीगढ़। संयुक्त किसान मोर्चा के राष्ट्रीय आह्वान पर जिले में सक्रिय किसान संगठनों ने संयुक्त रूप से कलेक्टेरट गेट पर केन्द्र सरकार का पुतला फूँकने का प्रयास किया। किसान लखीमपुर के शहीद किसानों के लिए न्याय की मांग करते हुए केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्र टेनी की बर्खास्तगी एवं सजा की मांग कर रहे थे। एसकेएम के नेता शशिकान्त सहित कई नेताओं के साथ पुलिस ने बलप्रयोग कर पुतले को कब्जे में कर लिया। इसके बाद आक्रोशित किसानों ने कलेक्टेरट गेट पर ही केन्द्र और राज्य सरकार सहित पुलिस के दमनात्मक रवैये के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। तय कार्यक्रम के अनुसार करीब 12 बजे से बड़ी संख्या किसान एवं श्रमिक संगठनों के नेता एवं कार्यकर्ता तस्वीर महल स्थित राजा महेन्द्र प्रताप सिंह पार्क में जुटने लगे। जहाँ सभी उपस्थित किसानों–मजदूरों ने अपने हाथ पर काली पट्टी बांधकर,काले झंडे दिखाकर विरोध सभा का आयोजन किया। विरोध सभा में भाकियू, अखिल भारतीय किसान सभा, क्रांतिकारी किसान यूनियन, बेरोजगार मजदूर किसान यूनियन, जय किसान आन्दोलन, निर्माण श्रमिक संगठन, सीटू, इंटक, एटक के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

विरोध सभा संबोधित करते हुए क्रांतिकारी किसान यूनियन के राज्य प्रभारी शशिकान्त ने कहा कि लखीमपुर के शहीद किसानों को सच्ची श्रद्धांजलि उनकी हत्या के दोषियों को सजा दिलाना होगा। किसान जब तक संघर्ष करेगा जब तक कि किसानों के हत्या के मुख्य साजिशकर्ता केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्र टेनी की बर्खास्तगी और गिरफ्तारी नहीं होती है। बेरोजगार मजदूर किसान यूनियन के अध्यक्ष अशोक प्रकाश का कहना था कि हम ऐसे दौर में है जब सरकारें हत्यारों और बलात्कारियों को बचाने में जुटी है। सभी संवैधानिक की हत्या जारी है। किसान–मजदूर आज देश बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं। किसान सभा के इदरीश मोहम्मद ने नफरत और हिंसा की राजनीति करने वालों के खिलाफ व्यापक जनगोलबन्दी करने की जरूरत पर जोर दिया। इनके अलावा भाकियू के अध्यक्ष चौधरी हरपाल सिंह, निर्माण श्रमिक संगठन के रमेशचन्द्र विद्रोही, सीटू के राजकुमार शर्मा, चौधरी धर्मपाल सिंह ने भी संबोधित किया। विरोध सभा की अध्यक्षता एवं संचालन क्रांतिकारी किसान यूनियन के जिला अध्यक्ष जितेन्द्र नगेन्द्र सिंह, किसान सभा के जिला अध्यक्ष सूरजपाल उपाध्याय, भाकियू के जिलाध्यक्ष विनोद सिंह, जय किसान आन्दोलन के जिलाध्यक्ष आत्मप्रकाश सिंह, निर्माण श्रमिक संगठन के रमेशचन्द्र विद्रोही, बीएमकेयू के नेत्रपालसिंह ने संयुक्त रूप से किया। विरोध सभा एवं पुतला दहन का प्रयास करते हुए किसान संगठनों में काफी आक्रोश था। 3 आक्टूबर 2021 को केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्र टेनी के बेटे आशीष मिश्रा ने साजिश के तहत थार गाड़ी से चार किसानों और एक पत्रकार को कुचल कर मार दिया इस घटना में 10 से अधिक किसान बुरी तरह घायल हो गए। लेकिन केन्द्र सरकार के उल्टे हत्या के दोषियों को बचाने के प्रयास से किसानों में नाराजगी है।

# लायंस क्लब सम्राट ने दिया थैले वितरण कर सेव एनवायरनमेंट नो प्लास्टिक का मैसेज

अलीगढ (अमित कुमार वर्मा)। लायंस क्लब अलीगढ़ सम्राट के तत्वाधान से कपड़े के 300 थैले वितरित किए गए। क्लब के अध्यक्ष लॉयन मनोज शर्मा ने कहा कि आज लाल बहादुर शास्त्री एवं गांधी जयंती के उपलक्ष में इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। डिस्टिक जॉइंट सेक्रेटरी लॉयन उमेश गोयल जी ने बताया कि जल्द से जल्द पूर्णतया प्लास्टिक के बैग बंद होने चाहिए एवं कपड़े के थैले प्रयोग में लाने चाहिए। क्लब के चार्टर मेंबर लॉयन हरिकिशन गुप्ता जी ने कहा की अन्य सभी सामाजिक संगठन को पर्यावरण से संबंधित इस

प्रकार की एक्टिविटी करते रहना चाहिए। कार्यक्रम में इंदु गोल्ड एंड डायमंड के प्रोपराइटर लॉयन वीरेंद्र सिंघल लॉयन पुनीत अग्रवाल लॉयन अनिल चावला लॉयन नरेश गुप्ता लॉयन सुनील अग्रवाल लॉयन सी ए लोकेश अग्रवाल लॉयन उत्तम कुमार सुधांशु लॉयन प्रेम अरोड़ा लॉयन संजीव मित्तल लॉयन नवीन प्रकाश गुप्ता लॉयन लेडी अनीता मित्तल लॉयन लेडी माधुवी अग्रवाल विपुल सिंगल सहवाज खान देवेंद्र सिंह आदि उपस्थित रहे।

# अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस पर विचार संगोष्ठी का आयोजन

अलीगढ (अमित कुमार वर्मा)। श्री वार्ष्णेय महाविद्यालय के शेखर सर्राफ सभागार में महात्मा गांधी जी एवं लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती के उपलक्ष में एक विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसका शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर अरुण कुमार गुप्ता, उप प्राचार्य डॉक्टर बृजेश कुमार, पूर्व प्राचार्य प्रोफेसर पंकज कुमार वार्ष्णेय, मुख्य अनुशासन अधिकारी डॉक्टर वीना उपाध्याय एवं छात्र कल्याण अधिकारी डॉ रोली अग्रवाल तथा प्रबंध समिति के उपसचिव श्री अतुल राजा जी द्वारा दीप प्रज्वलित कर एवं गांधी जी और शास्त्री जी के चित्रों पर पुष्प अर्पित कर किया गया। मुख्य वक्ता प्रोफेसर अरुण कुमार गुप्ता द्वारा गांधी जी के होने का अर्थ श्रोताओं के समक्ष रखा गया। उन्होंने बताया कि गांधी जी ने राम को

अंगीकार किया और सदैव अहिंसा, सत्य एवं ब्रह्मचर्य का पालन करते रहे। उन्होंने कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि गांधी जी ने भारत की पावन भूमि पर जन्म लिया। गांधी जी एक ऐसी चेतना है जिसको विश्व के अधिकांश देशों ने स्वीकार किया। अन्य वक्ताओं में डॉ रवेंद्र राजपूत, डॉ संजीव कुमार बंसल एवं डॉ देवेंद्र कुमार ने भी अपने–अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का सफलतापूर्वक संचालन डॉ रोली अग्रवाल द्वारा किया गया तथा उप प्राचार्य डॉक्टर बृजेश कुमार ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से राजा महेंद्र प्रताप सिंह राजा विश्वविद्यालय शिक्षक संघ के सचिव डॉ रणवीर सिंह एवं कोषाध्यक्ष डॉ पंकज कुमार, प्रो एस आर खालिद, प्रो नीता, प्रो एम आई खान, प्रो सुनीता कुमारी, प्रो प्रतिमा, प्रो विकास यादव, डा हरेंद्र गौड़, डा अतुल अरोरा सहित महाविद्यालय के सभी शिक्षक गण, कर्मचारी एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

# भूमाफियाओं को बचा रहे हैं अधिकारी –सुनील चौधरी

अलीगढ (प्रीति शर्मा)। भारतीय किसान यूनियन सुनील के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील चौधरी के नेतृत्व में चिलकोरा के सैकड़ों किसान कमिश्नरी पर आ कर धरने पर बैठ गए। सैकड़ों की संख्या में महिला नौजवान किसान और भारतीय किसान यूनियन सुनील के पदाधिकारी भू माफियाओं के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कमिश्नरी पर धरने पर बैठ गए।

भारतीय किसान यूनियन सुनील के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील चौधरी ने कहा कि ठीक एक महीने पहले 29 अगस्त को एसीएम को ज्ञापन दिया था अधिकारियों ने 15 दिन का समय मांगा था लेकिन एक महीना बीत जाने के बाद भी कोई कार्यवाही नहीं हुई। आज अनिश्चित कालीन धरने पर बैठने का कार्यक्रम था लेकिन कमिश्नर रविन्द्र कुमार ने मामले का संज्ञान लेते हुए प्रतिनिधि मंडल को अपने ऑफिस में बुलाकर एक हफ्ते में कार्यवाही का आश्वासन दिया है अगर एक हफ्ते में कोई कार्यवाही नहीं होती तो महिलाएं कमिश्नर के अन्दर कार्यालय पर धरने पर बैठेंगी और चिलकोरा के किसान और भारतीय किसान यूनियन सुनील के पदाधिकारी बसों से लखनऊ के लिए कूच करेंगे और मुख्यमंत्री आवास पर धरना देंगे जब तक भू माफियाओं के खिलाफ कार्यवाही नहीं होगी लड़ाई जारी रहेगी। युवा जिलाध्यक्ष कौशल बघेल ने बताया कि पर भू माफियों को अधिकारी बचाना चाहते है इसलिए अभी तक कार्यवाही नहीं हुई है। जिलाध्यक्ष किशन सिंह लोधी ने कहा कि सरकारी जमीन और किसानों की जमीन से भू माफियों के अवैध कब्जे को हटाया जाए और भू माफियों पर कार्यवाही हो। पूरे प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच हो तो अधिकारी भी इसमें दोषी पाए जाएंगें।

धरना प्रदर्शन में भारतीय किसान यूनियन सुनील के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील चौधरी, धीरज कुमार सिंह, जयवीर सिंह प्रधान, रंजीत चौधरी, विनोद प्रियदर्शी, किशन सिंह लोधी, कौशल बघेल, विनोद चौधरी, अर्जुन सिंह, प्रदीप चौधरी, देवेंद्र कुमार रामकुमार सोनू संतोष पूर्व प्रधान केहरी सिंह विवेक यादव आशीष यादव मनोज शर्मा अमित चौधरी रवि बघेल विपन यादव राहुल गौतम सीमा यादव स्नेहलता आशा देवी शुकंतला देवी पूनम राखी आरती पुष्पा देवी सुधा बघेल चुन्नी लाल अमरपाल अंकित राजू रवि प्रमोद राघव खजान सिंह हरेन्द्र सिंह करन सिंह अनुज उपेंद्र यादव रूप किशोर यादव संतोष बादल चौधरी आदि हजारों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

## वृंदावन में तीन दिवसीय आईएसओ रैली का आयोजन हुआ सम्पन्न

# तीन दिवसीय कार्यक्रम में आईएसओ मीट के साथ साथ ट्रेजरर एवम् एडिटर मीट भी हुई सम्पन्न

अलीगढ़ (वीरेन्द्र सिंह)। इनरव्हील डिस्ट्रिक्ट 311 की आईएसओ रैली मधुरांगन में इनरव्हील क्लब अलीगढ़ मैत्री ने लहराया परचम। वृंदावन में तीन दिवसीय आईएसओ रैली का आयोजन 25,26,27 सितंबर को किया गया जिसमे डिस्ट्रिक्ट 311 के सभी क्लबों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। तीन दिवसीय इस कार्यक्रम में आईएसओ मीट के साथ साथ ट्रेजरर एवम् एडिटर मीट भी हुई। इस आयोजन का शुभारंभ 25 सितंबर को हुआ एवम् समापन 27 सितंबर को हुआ। इस आयोजन में अलीगढ़ मैत्री ने ट्रेजरर मीट में रैंप वाक में चित्रा ने प्रथम स्थान, एडिटर मीट में रैंपवाक में भावना ने प्रथम स्थान, आईएसओ मीट में रैंप वाक में मनोरमा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया साथ ही आईएसओ फाइल में द्वितीय, रनर में प्रथम, और मदअवसवचम में कॉनसोलेशन प्राइज प्राप्त किया। इस अवसर पर प्रेसिडेंट जॉली गुप्ता ने कहा कि यह मैत्री के लिये बहुत ही गर्व की बात है कि सभी प्रतियोगिताओं में मैत्री ने अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन किया साथ ही उन्होंने कहा कि मैत्री हर क्षेत्र में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए ही जाना जाता है। उन्होंने इस जीत के लिये पूरी टीम को बधाई दी। वृंदावन जाने वाली टीम में प्रेसिडेंट जॉली गुप्ता, चब विषन झा, सचिव शालिनी अग्रवाल, कोशाध्यक्ष चित्रा, आईएसओ मनोरमा, एडिटर भावना, ममता बगई, ममता अंतैदमल, पायल अरोड़ा, अलका डंग, शालिनी सहगल, शेफाली कपूर शामिल रहे। प्रेसिडेंटजॉली गुप्ता सभी का धन्यवाद किया।

# लायंस क्लब अलीगढ़ लक्ष्य का अधिष्ठापन दीक्षा एवं चार्टर सम्मान समारोह भव्यता के साथ संपन्न

अलीगढ़ (वीरेन्द्र सिंह)। लायंस क्लब अलीगढ़ लक्ष्य के सत्र 2023,24 के लिए मनोनीत दायित्वधारियों को कर्तव्य बोध करवाते हुए अधिष्ठापन अधिकारी पूर्व मंडलाध्यक्ष एम जे एफ ला राकेश सिंघल जी ने अध्यक्ष ला अजय कुमार शर्मा और उनकी टीम को अधिष्ठापित करवाया। नए सदस्यों को दीक्षा देते हुए द्वितीय उपमंडलाध्यक्ष ला संजीव तोमर जी ने लायंस क्लब के गौरवमयी इतिहास और उत्तम सेवा कार्यों की जानकारी देने के साथ नए सदस्यों का लायन परिवार में स्वागत किया। लायंस क्लब अलीगढ़ लक्ष्य को लायंस धरातल पर पहचान दिलाने वाले चार्टर का सम्मान पूर्व मंडलाध्यक्ष ला एल डी वार्ष्णेय द्वारा किया गया साथ ही संस्थापक सदस्यों को भी सम्मानित किया गया। मुख्य वक्ता पूर्व मंडलाध्यक्ष ला रविन्द्र केण् शाह जी ने बताया कि लायंस क्लब का पटल लीडरशिप को बढ़ावा देता है इसके क्रिया कलापों से सेवा भावना तो बढ़ती ही है दुनिया भर के लीडर्स से प्रेरणा मिलती है और एक साधारण सदस्य भी उत्तम नेतृत्व के लिए स्वयं को तैयार कर सकता है। कार्यक्रम का विधिवत प्रारंभ मुख्य अतिथि मंडलाध्यक्ष एम जे एफ सी ए ला पी के जैन ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने कहा कि लायंस क्लब अलीगढ़ लक्ष्य के सभी सदस्य धीर गंभीर है और निरंतर सेवा कार्यो द्वारा लायंस क्लब का मान बढ़ा रहे। लायंस फाउंडेशन को डोनेशन देने का भी आहवान किया और उनके आहवान पर क्लब की ओर से उन्हें 121 डॉलर का चेक प्रदान किया गया। जिससे और भी सक्रियता से कार्य किया जा सके। अध्यक्ष अजय कुमार शर्मा जी ने बताया कि सचिव ला दिवाकर सिंघल कोषाध्यक्ष ला संजय अग्रवाल व सभी सदस्यों के साथ मिलकर वे डिस्ट्रिक्ट और इंटरनेशनल के दिशा निर्देश के अनुरूप कार्य करेंगे और अपने क्लब को नई ऊँचाई पर ले जाएंगे। सर्विस एक्टिविटी के रूप में आर्थिक रूप से अक्षम एक महिला को सिलाई मशीन प्रदान की गई जिससे वो अपना और अपने परिवार का भरण पोषण कर सकेए हंगर प्रोजेक्ट की दिशा में क्लब द्वारा उठाया गया ये अहम कदम है। क्लब के पूर्व अध्यक्ष ला पी के जैन जी ने सभी आगंतुक व अतिथियों का स्वागत किया और कार्यक्रम चेयरपर्सन एम जे एफ आर के चतुर्वेदी ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। ला ज्योत्सना चंदेल जी ने झंडा गीत ला रचना शर्मा जी ने गणेश वंदना ला प्रवीण भारद्वाज जी ने सुमधुर गीत की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम को सफल बनाने में ला प्रखर दीक्षित भावना नीता विजय सिंह प्रवीण शर्मा ला हरवीर सिंह ला एस पी अग्रवाल ला गीता सिंह ला सुरेश जैनला रेनू सिंघल ला डॉण् एस के सिंघल ला विजय सिंह ला डॉ राजेश कुमार ला संभव पराशर ला दीपक कुमार ला आशीष यादव ला कनक लता यादव आदि ने सहयोग दिया। कार्यक्रम का सुंदर संचालन संस्थापक अध्यक्ष ला नीलम श्रीवास्तव व ला सीमा जैन ने किया।

# युवा मोर्चा महानगर अध्यक्ष अमन गुप्ता के नेतृत्व में गांधी पार्क में स्वच्छता अभियान

अलीगढ़ (विकास कुमार)। महात्मा गांधी जी की जयंती के उपलक्ष्य में आदरणीय प्रधानमंत्री मा० नरेन्द्र मोदी जी के आह्वान पर स्वच्छता ही सेवा के निमित्त अलीगढ़ महानगर में युवा मोर्चा महानगर अध्यक्ष अमन गुप्ता के नेतृत्व में गांधी पार्क में स्वच्छता अभियान में सहभागिता की।मुख्य रूप से उपस्थित रहे भाजपा विधायक मा० मानवेन्द्र प्रताप सिंह जी महानगर अध्यक्ष श्री राजीव शर्मा जी ब्रज क्षेत्र अध्यक्ष युवा मोर्चा श्री मनीष गौतम जी निवर्तमान अध्यक्ष श्री विवेक सारस्वत जी पार्षद प्रतिनिधि श्री मनीष बुल जी प्रतीक शर्मा धर्मेंद्र गुप्ता अक्षय सिंह शोर्य प्रताप समुद्र चौधरी मंडल अध्यक्ष प्रवीण चौहान करन माहौर विशाल वाल्मीकि तन्मय वार्ष्णेय शंकर सिंघल भारत शर्मा नितिन ठाकुर रिषभ राजपूत कुंवरजीत सिंह रिंकू पीयूष देवेंद्र अमन शर्मा पुष्पेंद्र नरेश पृथ्वी अंशुल अरविंद गिर्राज एवं युवमोर्चा परिवार उपस्थित रहा।

# गांधी जयंती पर घंटाघर पर नगर निगम तथा किवानिस क्लब द्वारा कार्यक्रम आयोजित

अलीगढ़ (ममता रानी) गांधी जयंती के अवसर पर घंटाघर पर नगर निगम तथा किवानिस क्लब द्वारा आयोजित कार्यक्रम में श्री वार्ष्णेय महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर अरुण कुमार गुप्ता डॉक्टर तनु वार्ष्णेय डॉ अक्षय डॉ विवेक सेंगर तथा एन सी सी एन एस एस के वॉलेंटियर्स के साथ मिल कर स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया गया।जिसमें महाविद्यालय के छात्रों द्वारा नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। कल दिनांक एक अक्टूबर को भी छात्र घंटाघर व आस पास के क्षेत्रों में चार घंटा श्रमदान कर स्वच्छता अभियान से जुड़े।

# किसान सेना महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष ने जिलाधिकारी सड़कों पर भरे पानी की निकासी व सड़क बनवाने को लेकर दिया ज्ञापन गांव भदरोई की सड़क को बनाने के सम्बन्ध में कराया गया जिलाधिकारी को अवगत

अलीगढ़ (वीरेन्द्र सिंह)। किसान सेना की महिलामोर्चा की जिला अध्यक्ष ने जिलाधिकारी अलीगढ़ के नाम दिया ज्ञापन वा गांव भदरोई में ग्राम प्रधान की मनमानी व दबंगई के कारण गांव की कई सड़क आजतक कच्ची पड़ी हैं जिनकी वजह से आने जाने में बहुत परेशानी है पूर्व में भी ज्ञापन दे चुके हैं जब वीडीओ निरीक्षण के लिए गांव आए तो ग्राम प्रधान ने झगड़ा कर दिया जिसके चलते वीडीओ साहब वापस चले गए किसान सेना के स्थापना दिवस पर भी जिलाधिकारी के नाम ग्राम भदरोई की खस्ता हालत पर ज्ञापन दिया था और आज भी दिया है। लेकिन अभी तक गांव की सड़क का कोई निरीक्षण नहीं हुआ है।और न ग्राम प्रधान के खिलाफ कोई जांच बैठी है की वो क्यों सड़क न खुद बनवा रहा न बन ने देरहा है यदि 7 अक्टूबर तक गांव की सड़क का कार्य शुरू नहीं हुआ तो किसान सेना मजबूरन आंदोलन करेगी रोड जाम करेगी।और उसका जिम्मेदार सिर्फ और सिर्फ प्रशासन होगा।

ज्ञापन के समय मौजूद किसान सेना के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष तारावती जी राष्ट्रीय संगठन प्रभारी मोहम्मद शमी राष्ट्रीय सचिव महिपाल सिंह यादव राष्ट्रीय मंत्री अफरोज खान मंडल अध्यक्ष जितेंद्र यादव जिला अध्यक्ष राहुल यादव युवा जिला अध्यक्ष विष्णु यादव जिला उपाध्यक्ष काशिफ खान व अन्य दर्जन भर पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

# गांधी जयंती के अवसर पर इंडियन डेंटल एसोसिएशन ने जिला जेल में दंत स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

अलीगढ़ (वीरेन्द्र सिंह)। गांधी जयंती के अवसर पर इंडियन डेंटल एसोसिएशन ने जिला जेल अलीगढ़ में दंत स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया। शिविर का उद्घाटन जेल के वरिष्ठ अधीक्षक ने किया। दंत चिकित्सा विभाग के सचिव डॉ0 उमीत सिंह ने बताया कि शिविर में लगभग 150 कैदियों की जांच की गई। कैदियों को मुफ्त दवाइयां और टूथपेस्ट भी दिए गए। वही कैदियों को मौखिक स्वच्छता के महत्व को समझाया गया। शिविर की सफलता के लिए अपना बहुमूल्य योगदान देने वाले डॉक्टर डॉ0 मो0 तारिक डॉ अब्दुल बारी डॉ अमित गुप्ता डॉ रचित डॉ हर्ष डॉ आस्था डॉ पायल। शिविर के सफल आयोजन में जेल अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी योगदान दिया


## आवश्यकता है

**जन नायक सम्राट** समचार पत्र के लिये के लिये जिला ब्यूरो चीफ, मण्डल ब्यूरो चीफ, ब्लॉक ब्यूरो एवं संवाददाता की आवश्यकता है। सम्पक करें– फोन नंबर 8218049162, 8273402499



**जन नायक सम्राट**
हिन्दी साप्ताहिक

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक आरती वर्मा द्वारा आशु प्रिंटिंग प्रेस, अचल ताल, अलीगढ़ से मुद्रित कराकर कार्यालय सरोज नगर, गली नम्बर 5, अलीगढ़ से प्रकाशित।

सम्पादक
**अमित कुमार वर्मा**


सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जनपद अलीगढ़ न्यायालय ही होगा।